MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 04 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-121

उल्टी गिनती शुरू
5 राज्यों के चुनावी नतीजे आज

नयी दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों का ऐलान सोमवार को हो जाएगा। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुई वोटिंग की मतगणना 4 मई की सुबह 8 बजे से शुरू होगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती होगी, उसके बाद ईवीएम के मत खोले जाएंगे। इस बार का चुनाव बेहद दिलचस्प और राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसके नतीजे कई बड़े दलों और नेताओं के भविष्य की दिशा तय कर सकते हैं।

इन चुनावों में जहां क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश में हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और वाम दल भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने के इरादे से मैदान में हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम, केरलम में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा, असम में भाजपा और पुडुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पहली बार चुनाव आयोग ने अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र सिस्टम लागू किया है। केवल अधिकृत लोगों को ही मतगणना केंद्रों में प्रवेश मिलेगा। मोबाइल फोन पर भी कड़ी रोक रहेगी, केवल रिटर्निंग अधिकारी और पर्यवेक्षकों को अनुमति होगी।

पश्चिम बंगाल में 77 मतगणना केंद्र

पश्चिम बंगाल की 293 विधानसभा सीटों के लिए 77 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। राज्य में इस बार रिकॉर्ड 92.47 प्रतिशत मतदान हुआ, जो आजादी के बाद सबसे अधिक बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार सत्ता में लौटने की उम्मीद कर रही है। वहीं भाजपा ने भी राज्य में मजबूत चुनौती पेश की है। वाम दल और कांग्रेस, जो 2021 के चुनाव में लगभग साफ हो गए थे, इस बार वापसी की कोशिश कर रहे हैं। ▶8पर

बंगाल में कूड़े में मिली वीवीपैट पर्चियाँ

कोलकाता, 03 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के वोटों की गिनती से पहले कुछ स्थानों पर कथित रूप से वीवीपैट स्लिप्स गलियों में बिखरे पड़े हैं। टीएमसी ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। टीएमसी के एक कार्यकर्ता ने दावा किया है कि ये स्लिप नोआपारा विधानसभा क्षेत्र के मालूम पड़ते हैं। ये वीवीपैट स्लिप नीलगंज सुभाषनगर में एक पेट्रोल पंप के पास मिले हैं। जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस अधिकारी यहां पहुंच गए हैं और मामले की जांच कर रहे हैं। नोआपारा विधानसभा क्षेत्र उत्तर 24 परगना जिले में पड़ता है। नोआपारा से बीजेपी उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने भी इस बारे में चुनाव आयोग के अधिकारियों को सूचना दी है। ▶8पर

दिल्ली ए/सी ब्लास्ट में 9 लोगों की मौत
लगभग सभी जैनबंधु

नयी दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक इमारत में रविवार तड़के करीब 3:47 बजे भीषण आग लग गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पा लिया है। फिलहाल कूलिंग ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है, क्योंकि सर्च अभियान अभी जारी है।

फायर कर्मी ने बताया कि फायर कंट्रोल रूम को तड़के करीब 3:47 बजे सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही 14 फायर टेंडर मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने और बिल्डिंग में फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बचाव दल ने धुएं के गुबार के बीच से 12 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू कर लिया है। हादसे में मरने वालों की संख्या 8 से बढ़कर 9 हो गई है और 4 अन्य लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शुरुआती जांच में बिल्डिंग आग का कारण एसी ब्लास्ट बताया जा रहा है। आग किस मंजिल या हिस्से से शुरू हुई, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन कूलिंग की प्रक्रिया अभी-भी मौके पर चल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिल्डिंग के दूसरी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में एसी ब्लास्ट के कारण आग लगी थी जो तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि तीसरी मंजिल पर आग लपटें पहुंचने के बाद फ्लैट में मौजूद लोग खुद को बचाने के लिए छत की ओर भागे, लेकिन छत का दरवाजा बंद था, जिसके बाद उनकी आग से मौत हो गई। वहीं, दूसरी मंजिल पर भी चार लोग मौजूद थे, जिनकी मौत हो गई है। वहीं, फायरकर्मियों का कहना है कि तीन लोगों के शव बिस्तर पर ही मिले हैं।

मृतकों की हुई पहचान, एक मासूम भी शामिल

पुलिस ने बताया कि विवेक विहार अग्निकांड में 9 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान 60 वर्षीय अरविंद पुत्र छोटे लाल, 58 वर्षीय अनीता जैन पत्नी अरविंद, 35 वर्षीय निशांत जैन पुत्र अरविंद जैन, अंचल जैन पत्नी निशांक जैन के रूप में हुई है। इस हादसे में एक मासूम की भी मौत हो गई है। बच्चे की पहचान 1.5 वर्षीय मास्टर आकाश जैन पुत्र निशांक जैन के रूप में हुई है। ये सभी लोग बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर रहते थे। पुलिस ने बताया कि पहली मंजिल पर मृत पाई गईं महिला की पहचान 45 वर्षीय शिखा जैन पत्नी नवीन के रूप में हुई है। वहीं, तीसरी मंजिल पर मृत पाए गए लोगों की पहचान 50 वर्षीय नितिन जैन, शैली जैन पत्नी नितिन, सम्यक पुत्र नितिन के रूप में हुई है। जबकि एक घायल की पहचान 48 वर्षीय नवीन जैन के रूप में हुई है।

डील करो, वरना तबाही तय : ट्रंप
महायुद्ध की आहट

नयी दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर के बावजूद तनाव कम नहीं हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा है कि यदि डील नहीं हुई तो ईरान पर फिर हमले हो सकते हैं। परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज नाकाबंदी और सुरक्षा गारंटी जैसे मुद्दों पर गतिरोध कायम है, जिससे महायुद्ध की आशंका फिर बढ़ गई है।

इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने अपने ओमानी समकक्ष अलबुसैदी के साथ फोन पर बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने ताजा घटनाक्रमों पर चर्चा की है। अराघची ने उन्हें ईरान के उन कूटनीतिक प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी, जिनका उद्देश्य अमेरिका-इजरायल युद्ध समाप्त करके क्षेत्रीय शांति बहाल करना है। वैसे कहने को दोनों देशों के बीच सीजफायर है, लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते पर अब तक कोई सहमति नहीं बन सकी है। हालात ऐसे हैं कि हर बातचीत तीन बड़े मुद्दों पर आकर अटक जाती है और यही गतिरोध महायुद्ध की आशंकाओं को फिर से हवा दे रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच डील की राह में सबसे बड़ी बाधा तीन अहम मुद्दे हैं। पहला ईरान का परमाणु कार्यक्रम, दूसरा होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी और तीसरा भविष्य में हमले ना करने की गारंटी। अमेरिका इन तीनों पर अपनी शर्तों से पीछे हटने को तैयार नहीं है, वहीं ईरान भी परमाणु मिशन को छोड़ नहीं रहा है। यही वजह है कि हर हफ्ते नए संशोधनों के साथ प्रस्ताव आते हैं, लेकिन किसी पर मुहर नहीं लग पा रही।

ट्रंप का कहना है कि ईरान अब पहले जैसा मजबूत नहीं रहा। उनके मुताबिक, वे डील करना चाहते हैं। वे पूरी तरह कमजोर हो चुके हैं। उन्हें यह भी समझ नहीं आ रहा कि उनका नेता कौन है। वो मजबूर है। ▶8पर

कैलाश यात्रा में नेपाली अड़ंगा
लिपुलेख विवाद पर भारत ने दिया दो टूक जवाब

काठमांडू, 03 मई (एजेंसियां)। नेपाल की बालेन सरकार ने भारत और चीन को एक कूटनीतिक पत्र यानी डिप्लोमैटिक प्रोटेस्ट नोट भेजा है। यह मामला लिपुलेक पास से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा के संचालन से जुड़ा हुआ है, जिस पर नेपाल ने आपत्ति जताई है। नेपाल का कहना है कि यह इलाका उसकी भूमि का हिस्सा है और इस पर कोई भी गतिविधि स्वीकार नहीं है। हालांकि भारत ने नेपाल की आपत्ति पर कड़ा रुख अपनाया है। एमईए ने स्पष्ट किया है कि लिपुलेख दर्रे पर नेपाल का दावा न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही न्यायसंगत। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोकबहादुर पौडेल क्षेत्री ने साफ कर दिया है कि लिपुलेक के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा चलाने की योजना पर उन्हें सख्त आपत्ति है। नेपाल का कहना है कि यह उनकी जमीन है और बिना उनकी मर्जी के वहां कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। इस मुद्दे पर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि यह फैसला किसी एक नेता का नहीं है, बल्कि नेपाल की सभी राजनीतिक पार्टियों से बातचीत करने के बाद ही यह प्रोटेस्ट नोट भेजा गया है। यानी पूरा नेपाल इस मुद्दे पर एक सुर में बात कर रहा है।

1816 की सुगौली संधि और नेपाल का दावा

अब सवाल उठता है कि आखिर नेपाल अचानक इतना सख्त रूप क्यों अपना रहा है? तो, इसकी जड़ 1816 की 'सुगौली संधि' में छिपी है। नेपाल सरकार का दावा है कि इस संधि के हिसाब से महाकाली नदी के पूर्व में पड़ने वाला लिम्पियाधुरा, लिपुलेक और कालापानी का पूरा इलाका नेपाल का हिस्सा है। नेपाल इस बात पर पूरी तरह अडिग है कि ये जगहें उसके नक्शे का अभिन्न अंग हैं। नेपाल ने जो प्रेस विज्ञप्ति जारी की है, उसमें साफ-साफ लिखा है कि उन्होंने अपना रुख भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक रास्तों से बता दिया है। नेपाल की बालेन सरकार का कहना है कि वे पहले भी कई बार भारत सरकार से कह चुके हैं कि इस इलाके में सड़क बनाना, व्यापार करना या तीर्थयात्रा जैसी कोई भी चीज न की जाए। लेकिन जब बात आगे बढ़ी, तो नेपाल ने अब औपचारिक विरोध दर्ज करा दिया है।नेपाल की इस आपत्ति पर भारत के विदेश मंत्रालय ने भी अपना पक्ष पूरी मजबूती और सफाई के साथ रखा। भारत ने दोटूक कहा कि लिपुलेक पास के जरिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा कोई नई बात नहीं है, बल्कि 1954 से ही तीर्थयात्री इसी पुराने रास्ते का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। यानी दशकों से चली आ रही इस परंपरा को नया विवाद बताना गलत है। भारत ने साफ कर दिया कि नेपाल जो जमीन को लेकर नए दावे कर रहा है, ये दावे ऐतिहासिक तथ्यों की कसौटी पर कहीं नहीं टिकते और न ही इनका कोई ठोस आधार है। अपनी मर्जी से सीमा को बढ़ा-चढ़ाकर बताना पूरी तरह से गलत और निराधार है। हालांकि, भारत ने बड़प्पन दिखाते हुए यह भी कहा कि वह नेपाल के साथ हर मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार है और डिप्लोमेसी के जरिए सीमा विवाद सुलझाने के पक्ष में है, लेकिन ऐतिहासिक तथ्यों से कोई समझौता नहीं होगा। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 27^0

चीन पहलवान 'गधा' पाकिस्तान

नयी दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने चीन को गधे के मांस के निर्यात को मंजूरी दे दी है। यह फैसला एक चीनी कंपनी द्वारा अपना परिचालन बंद करने की चेतावनी दिए जाने के बाद लिया गया है। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय को आनन-फानन में इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। यह विवाद ग्वादर में सक्रिय हानगेंग ट्रेड कंपनी से संबंधित है।

ग्वादर एक ऐसा बंदरगाह शहर है, जो चीन समर्थित परियोजनाओं का मुख्य केंद्र है। यहां निर्यात की मंजूरियों में महीनों की देरी हो रही थी, जिसने पाकिस्तान में विदेशी निवेश वाली परियोजनाओं को प्रभावित करने वाली नौकरशाही की बाधाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पाकिस्तान सरकार का यह फैसला इस महीने के अंत में एक निवेश मंच की बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की होने वाली चीन यात्रा पर चर्चाओं के बीच आया है। हानगेंग ट्रेड कंपनी' एक बूचड़खाना चलाती है तथा गधे का मांस और चमड़ा चीन को निर्यात करती है।

चीन में इनका उपयोग एक पारंपरिक औषधि बनाने में किया जाता है। यह औषधि आमतौर पर रक्तवर्धक और त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए बेची जाती है। पाकिस्तान मांस और चमड़े के लिए मुख्य रूप से चीन को प्रतिवर्ष लगभग 216,000 गधे का निर्यात करता है। सरकारी अनुमानों के अनुसार, इससे प्रति वर्ष लगभग 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिलता है।

कोहिनूर फिर चर्चा में
अब निजाम के वंशज मोदी शरण में

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): न्यूयॉर्क के मेयर ज़ोहरान ममदानी द्वारा कोहिनूर हीरे का मुद्दा उठाए जाने और किंग चार्ल्स से इसे भारत वापस करने के औपचारिक अनुरोध के बाद, अब हैदराबाद के निजाम के वंशजों ने भी इस सुर में अपना सुर मिलाया है। विशेषज्ञों का तर्क है कि कोहिनूर जिसका वर्तमान मूल्य 140 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1,328 करोड़) से 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर (3,796 करोड़) के बीच आंका गया है को उसकी मूल धरती पर वापस लाना इतिहास को मिटाना नहीं होगा, बल्कि इसे इतिहास के सबसे महान कार्यों में से एक के रूप में याद किया जाएगा।

सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के परपोते हिमायत अली मिर्जा ने एक मीडिया बयान जारी कर केंद्र सरकार से इस मामले में सक्रिय होने का आग्रह किया है। मिर्जा ने कहा, जब ज़ोहरान ममदानी अमेरिकी नागरिक और न्यूयॉर्क के मेयर होने के बावजूद अंग्रेजों के सामने यह मुद्दा उठा सकते हैं, तो भारतीय अधिकारी अपना पक्ष मजबूती से क्यों नहीं रख सकते? हर कोई जानता है कि यह अनमोल हीरा औपनिवेशिक लूट का हिस्सा था और ब्रिटेन के अवैध कब्जे में है। अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रभाव का उपयोग कर ब्रिटिश सरकार को कोहिनूर वापस लाने के लिए राजी करें।

हिमायत अली मिर्जा ने पहले भी केंद्र सरकार को कई याचिकाएं सौंपी हैं, जिसमें निजाम के 173 टुकड़ों वाले आभूषण संग्रह को, जिसमें 1,000 करोड़ का जैकब डायमंड भी शामिल है, हैदराबाद स्थानांतरित करने और उन्हें एक विशेष संग्रहालय में प्रदर्शित करने की मांग की गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि कोहिनूर जिसकी उत्पत्ति गोलकोंडा की खदानों से ▶8पर

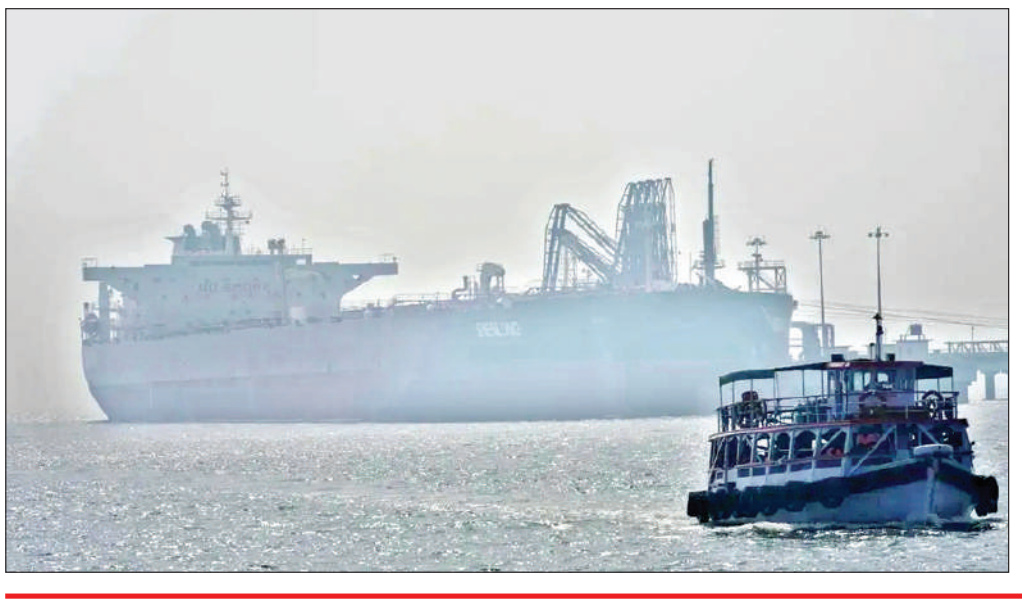

होर्मुज की घेराबंदी से ईरान को 40000 करोड़ का झटका, पाकिस्तान ने दिया जमीनी रास्ता

वाशिंगटन

ईरान के खिलाफ अमेरिका की सख्त रणनीतिक घेराबंदी का व्यापक आर्थिक असर अब स्पष्ट रूप से धरातल पर दिखने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में होर्मुज जलडमरूमध्य में की गई नाकेबंदी ने ईरानी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इस ब्लाकेड के कारण ईरान को अब तक लगभग 5 अरब डालर (करीब 40 हजार करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का भारी नुकसान हो चुका है। अमेरिकी कार्रवाई के चलते ईरान के 40 से अधिक जहाजों को रास्ते से वापस भेज दिया गया है, जबकि 31 तेल टैंकर, जिनमें लगभग 53 मिलियन बैरल कच्चा तेल भरा है, वर्तमान में खाड़ी के बीच फंसे हुए हैं। इन फंसे हुए टैंकरों की कुल कीमत लगभग 4.8 अरब डालर आंकी गई है।

ईरान के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती तेल भंडारण की खड़ी हो गई है। जमीन पर जगह कम पड़ने के कारण वह अपने पुराने टैंकरों को ही फ्लोटिंग स्टोरेज के रूप में इस्तेमाल करने को मजबूर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही स्थिति कुछ और हफ्तों तक बनी रही, तो ईरान को विवश होकर अपना तेल उत्पादन रोकना पड़ सकता है, जो उसकी अर्थव्यवस्था के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। हालांकि, इस समुद्री घेराबंदी के बीच पाकिस्तान की भूमिका ने अंतरराष्ट्रीय जगत को चौंका दिया है। पाकिस्तान ने ईरान के साथ अपनी सीमा पर 6 नए व्यापारिक कारिडोर खोल दिए हैं, जिससे समुद्री रास्ता बंद होने के बावजूद ईरान को जमीनी मार्ग से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

दिलचस्प बात यह है कि इस जमीनी राहत पर अमेरिकी रुख काफी लचीला नजर आ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पर कोई कड़ी आपत्ति जताने के बजाय पाकिस्तानी नेतृत्व की सराहना की है, जिससे यह संकेत मिलता है कि संभवत: पाकिस्तान ने यह कदम अमेरिका की मौन सहमति से ही उठाया है। कूटनीतिक हलकों में चर्चा है कि ट्रंप प्रशासन ईरान को पूरी तरह तबाह करने के बजाय उसे एक सीमित राहत देकर समझौते की मेज पर लाने के लिए मजबूर करना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

बारिश और भूस्खलन से नेपाल के तीन राजमार्ग अवरुद्ध

काठमांडू। नेपाल में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण तीन राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गए हैं, जिसके कारण सैकड़ों यात्रीवाहक बसें और मालवाहक ट्रक रास्ते में ही फंसे हुए हैं। पिछले हफ्ते से हो रही बारिश के कारण काठमांडू से जनकपुर को जोड़ने वाला वीपी राजमार्ग अवरुद्ध है। वीपी राजमार्ग के सिंधुली क्षेत्र में बनाए गए अस्थाई डायवर्सन भी बारिश में बह गया है। ट्रैफिक पुलिस ने इस राजमार्ग की यात्रा पर पूरी तरह रोक लगा दी है। ललितपुर के पाङदुर क्षेत्र में भूस्खलन के बाद कान्ति लोकपथ अवरुद्ध हो गया है। काठमांडू ट्राफिक प्रहरी कार्यालय के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे हुए भूस्खलन के कारण काठमाडौं-हेटौंडा मार्ग पर सवारी आवागमन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। तराई मधेश को जोड़ने वाले पोस्टल हाइवे का एक पुल टूटने से राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। मधेश प्रदेश ट्रैफिक कार्यालय के तरफ से जारी सूचना में कहा गया है कि धनुषा और सिरहा जिला को जोड़ने वाले पुल के टूट जाने से यह राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। इस पुल के टूटने से यहां से गुजरने वाले सैकड़ों वाहन रास्ते में ही फंसे हैं। इनमें अधिकांश यात्रीवाहक सार्वजनिक बस और तो कुछ मालवाहक ट्रक और तेल टैंकर हैं। पुलिस ने बताया कि यहां डायवर्सन बनाने का काम चल रहा है ताकि यातायात को सुचारू किया जा सके।

नेपालः एक अध्यादेश से 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियां रद

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मंजूर अध्यादेश के राजपत्र में प्रकाशित होते ही 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियां रद हो गईं। इसी के साथ 150 सार्वजनिक निकायों के 1,500 से अधिक पद आज रिक्त हो गए । शनिवार को जारी सार्वजनिक पदाधिकारी हटाने सम्बन्धी विशेष व्यवस्था अध्यादेश को रविवार को राजपत्र में प्रकाशित किया गया है। इस अध्यादेश का प्रभाव विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों, समितियों, बोर्डों और विभिन्न प्राधिकरणों सहित कई सरकारी निकायों पर पड़ा है। पिछली सरकारों के कार्यकाल में की गई राजनीतिक नियुक्तियां रद कर दी गई है। इस अध्यादेश के दायरे में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउवा, पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड से लेकर पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की नेतृत्व वाली सरकार के दौरान की गई नियुक्तियां आई हैं। इस अध्यादेश से नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान, शैक्षणिक संस्थान, संवैधानिक निकाय तथा सरकारी प्रसारण संस्थान भी प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के सचिवालय से मीडिया को भेजे गए प्रेस नोट में उन 150 सरकारी निकायों के नाम शामिल हैं जिनमें पिछली सरकारों द्वारा नियुक्त किए गए कुल 1594 लोगों को आज से पदमुक्त माना गया है। हालांकि, अध्यादेश में नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर या उसके बोर्ड सदस्यों को हटाने सम्बन्धी कोई सूचना नहीं दी गई है।

समुद्रों में मौजूद थे 19 मीटर लंबे विशाल आक्टोपस : शोध

टोक्या। लगभग 10 करोड़ साल पहले क्रीटेशियस काल के समुद्रों में ऐसे विशाल आक्टोपस मौजूद थे, जिनकी लंबाई 65 फीट (करीब 19 मीटर) तक होती थी। ये जीव आज की व्हेल मछली के बराबर आकार के थे और इन्हें समुद्र का निर्विवाद राजा माना जाता था। जापानी वैज्ञानिकों की इस नई खोज ने प्राचीन समुद्री इतिहास को देखने का हमारा नजरिया पूरी तरह बदल दिया है। जापान की होक्काइडो यूनिवर्सिटी के जीवाश्म विज्ञानी शिन इकेगामी और यासुहिरो इबा के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने हालिया वैज्ञानिक रिसर्च में यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। यह रिसर्च बताती है कि दुनिया में मेगालोडन जैसी विशालकाय शार्क के उदय से भी पहले, ये आक्टोपस समुद्र के शीर्ष शिकारी थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, नानाइमोटेथिस हैगार्टी नामक यह आक्टोपस प्रजाति 7 से 19 मीटर तक लंबी हो सकती थी, जबकि मेगालोडन की लंबाई आमतौर पर 13 से 18 मीटर के बीच मानी जाती है। इसका मतलब है कि ये प्राचीन आक्टोपस आकार में मेगालोडन के बराबर या उससे भी बड़े थे। इनके जबड़े इतने शक्तिशाली थे कि वे अपने समय के बड़े समुद्री जीवों की हड्डियों को आसानी से चकनाचूर कर सकते थे, जो इन्हें अपने युग का सबसे दुर्जेय शिकारी बनाता था। इस असाधारण खोज के लिए टीम ने 27 अलग-अलग जीवाश्मों का गहन अध्ययन किया।

ईरान ने अमेरिका को भेजा नया शांति प्रस्ताव राष्ट्रपति ट्रंप को नहीं लगता की बनेगी बात

कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान के विदेशमंत्री को टकराव रोकने के लिए दी सूझबूझ से काम लेने की सलाह

वाशिंगटन/दोहा/तेहरान

ईरान ने अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव 14 सूत्रीय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि यह प्रस्ताव मिल चुका है। उन्होंने शनिवार को पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर पत्रकारों को यह जानकारी दी। ट्रंप ने साफ किया कि उन्होंने अभी भी नहीं लग रहा कि ईरान से बात बन पाएगी। उन्होंने कहा कि वह शांति प्रस्ताव की गहराई से समीक्षा करेंगे।

इस बीच अमेरिका-इजराइल के फरवरी के आखिर में किए गए सैन्य हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट लगातार गहरा रहा है। कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान के विदेशमंत्री से सूझबूझ से काम लेने की सलाह दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि ईरान ने अभी-अभी प्रस्ताव भेजा है। बावजूद इसके उन्हें नहीं लगता कि ईरान समझौता कर पाएगा। इसमें आक्रमण न करने की गारंटी, नाकाबंदी हटाने और लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा, मैंने इसे अभी देखा नहीं है। मैं प्रस्ताव की समीक्षा करूंगा। इसके बाद ही हमारे रुख की मीडिया को आधिकारिक जानकारी दी जाएगी।

ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के कुछ समय बाद ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे नहीं लगता कि ईरान का शांति प्रस्ताव स्वीकार्य होगा। ईरान ने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो कुछ भी किया है, उसके लिए उसने अभी पूरी कीमत नहीं चुकाई है। वह इस प्रस्ताव को एयरफोर्स वन में पढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान में सब कुछ तबाह हो चुका है। वह समझौता करने के लिए लालायित है। उन्होंने दुहराया कि अगर अमेरिका ईरान से हट भी जाए तो तबाह हुए मुल्क को खड़ा होने में 20 साल लग जाएंगे। ट्रंप ने कहा, मुश्किल यह है कि यही समझ में नहीं आ रहा का इस समय ईरान का सर्वमान्य नेता कौन है। कभी कोई आगे आ जाता है तो कभी कोई। ऐसी स्थिति में इस बात की पक्की संभावना है कि अमेरिका फिर से कुछ ठिकानों पर सैन्य हमले शुरू कर सकता है। अगर ईरान ने कोई बेजा हरकत की तो उसके लिए बहुत बुरा होगा। ट्रंप की हमले की टिप्पणी के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि वह अमेरिका के साथ फिर से युद्ध के लिए तैयार है। इस बीच व्हाइट हाउस ने शनिवार को पुष्टि की कि निक स्टीवर्ट ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए काम कर रही राजनयिक टीम में शामिल हो गए हैं। वह राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान विदेश विभाग के सदस्य रहे हैं। वह तेजतर्रार और अनुभवी नीति विशेषज्ञ हैं। वह विशेष दूत स्टीव विटकाफ की प्रतिभाशाली टीम के अहम सदस्य हैं।

इससे पहले शनिवार दिन में ईरान के सरकारी मीडिया आउटलेट तसनीम न्यूज ने खुलासा किया था कि तेहरान ने अमेरिका को 14 सूत्रीय प्रस्ताव सौंपा है। इस सैन्य घमासान से चिंतित कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल-थानी ने शनिवार को ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची से बातचीत की है। यह तब है कि जब इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद दोनों देशों पर दबाव बढ़ाने के लिए कतर के नेचुरल गैस प्लांट और हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया है। कतर के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने शांतिपूर्ण तरीकों से संकट को हल करने के उद्देश्य से किए जा रहे मध्यस्थता प्रयासों के लिए कतर राज्य के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी पक्षों को इन प्रयासों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए, जिससे बातचीत में प्रगति के लिए अनुकूल माहौल बनाने में मदद मिले और तनाव के फिर से बढ़ने का खतरा कम हो। प्रधानमंत्री अल-थानी ने कहा कि ईरान को सूझबूझ से काम लेने के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए।

ईरान की अंदरूनी पावर वार में गालिबाफ बनाम जलीली

तेहरान

ईरान की सत्ता के भीतर इन दिनों तेज होती खींचतान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश के भीतर हार्डलाइनर्स और अपेक्षाकृत व्यावहारिक रुख रखने वाले नेताओं के बीच टकराव अब खुलकर सामने आ रहा है। इस संघर्ष के केंद्र में दो प्रमुख चेहरे हैं मोहम्मद बाघर गालिबफ और सईद जलीली है। यह विवाद केवल व्यक्तियों के बीच की लड़ाई नहीं, बल्कि इस बात पर निर्णायक संघर्ष है कि ईरान भविष्य में टकराव की राह पर चलेगा या सीमित समझौतों की दिशा में आगे बढ़ेगा।

मामला तब और गरमा गया जब गालिबाफ ने इस्लामाबाद में अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत का नेतृत्व किया। उनके कदम को कट्टरपंथी धड़े ने रेड लाइन पार करना बताया। खासतौर पर जलीली समर्थक गुट पायदारी ने उन पर आरोप लगाया कि उन्होंने देश की परमाणु नीति को कमजोर किया है। यह विवाद सीधे तौर पर परमाणु वार्ता और पश्चिम के साथ रिश्तों को लेकर है, जिसने ईरान की सत्ता संरचना में दरारें उजागर कर दी हैं। जलीली को ईरान में लिविंग शहीद कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने ईरान-इराक जंग के दौरान अपना पैर खो दिया था। वे 2007 से 2013 तक देश के

क्या बिखर जाएगी आयतुल्लाह की सत्ता

मुख्य परमाणु वार्ताकार रहे और उनके कार्यकाल में ईरान पर कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगे। जलीली का रुख बेहद सख्त है वे अमेरिका के साथ किसी भी समझौते के खिलाफ माने जाते हैं और प्रतिरोध की नीति के समर्थक हैं।

इसके विपरीत बाघर गालिबफ को प्रैग्मैटिक हार्डलाइनर माना जाता है। वे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर रह चुके हैं और तेहरान के मेयर भी रहे हैं। गालिबाफ का मानना है कि ईरान की व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पश्चिम के साथ सीमित स्तर पर संवाद जरूरी है। हालांकि उन पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगते रहे हैं, लेकिन अली खामेनेई से करीबी संबंधों ने उन्हें राजनीतिक रूप से मजबूत बनाए रखा है। ईरान की असली ताकत औपचारिक संस्थाओं के बजाय बेत-एरहबरी नामक ढांचे में केंद्रित मानी जाती है, जहां से देश की नीतियां नियंत्रित होती हैं। इसमें मोजतबा खामेनेई की भूमिका भी अहम मानी जाती है। इसकारण सत्ता संघर्ष केवल संसद या सरकार तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे तंत्र के नियंत्रण को लेकर है।

2200 साल पुराना रोमन जहाज मिला, इंजीनियरिंग देख हैरान है शोधकर्ता

स्ट्रासबर्ग। हाल ही में एड्रियाटिक सागर की गहराई में एक ऐसा जहाज मिला है, जो लगभग 2200 साल पुराना है। यह सिर्फ लकड़ी का एक ढांचा भर नहीं, बल्कि उस दौर की उन्नत तकनीक का जीता-जागता प्रमाण है जिसने शोधकर्ताओं को हैरत में डाल दिया है। वैज्ञानिक यह जानकर हैरान हैं कि उस जमाने में भी जहाज बनाने वाले ऐसी तकनीकों का इस्तेमाल करते थे, जिससे जहाज सालों-साल समंदर की मार झेलने के बाद भी सुरक्षित रहते थे। इस मलबे ने यह साबित कर दिया है कि रोमन काल में चीजें सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सदियों तक टिकने के लिए बनाई जाती थीं। यह अद्भुत खोज क्रोएशिया के तट के पास हुई, जहाँ 2016 में महज 4 मीटर पानी के नीचे इलोविक-परजीन 1 नामक इस प्राचीन मलबे को खोजा गया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि सदियों से पत्थरों और तलछट के नीचे दबे रहने और आक्सीजन की कमी के कारण ही यह जहाज समुद्री जीवों और मौसम की मार से बचा रहा। इसके साथ मिले बड़ी संख्या में एम्फोरा (प्राचीन मिट्टी के बर्तन) उस समय के समृद्ध व्यापारिक संबंधों की कहानी भी बयां करते हैं।

मौत की आहट पहचान लेती है यह रहस्यमयी बिल्ली

अब तक 100 से अधिक लोगों की कर चुका है सटीक भविष्यवाणी

वाशिंगटन

पशु-पक्षियों में आने वाले खतरे को भांपने की अद्भुत शक्ति होती है, लेकिन अमेरिका के रोड आइलैंड से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने विज्ञान और मानवीय समझ को हैरानी में डाल दिया है। यहाँ के स्टीयर हाउस नर्सिंग एंड रिहैबिलिएशन सेंटर में रहने वाला आस्कर नाम का एक सफेद बिल्ली अपनी अनोखी क्षमता के लिए दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। आस्कर कोई साधारण पालतू जीव नहीं है, बल्कि वह किसी व्यक्ति की मृत्यु से पहले उसकी सटीक भविष्यवाणी करने के लिए जाना जाता है। अल्जाइमर और पार्किंसन जैसे रोगों के उपचार के लिए प्रसिद्ध इस अस्पताल में आस्कर साल 2000 में एक थेरेपी कैट के रूप में लाया गया था। ब्राउन यूनिवर्सिटी के जराविज्ञानी डा. डेविड डोसा ने अपनी चर्चित पुस्तक मेकिंग राउंड्स विद आस्कर में इस बिल्ली के व्यवहार का विस्तार से वर्णन किया है। डा. डोसा के अनुसार, आस्कर आमतौर पर अस्पताल के कमरों में घूमता रहता है और मरीजों के बेड पर उछल-कूद करता है, लेकिन उसका व्यवहार तब पूरी तरह बदल जाता है जब किसी मरीज की मृत्यु करीब होती है। जिस मरीज की मौत होने वाली होती है, आस्कर उसी के बिस्तर के पास जाकर डेरा जमा लेता है और अंत समय तक वहीं बैठा रहता है। अस्पताल के स्टाफ ने कई बार इस चमत्कारिक व्यवहार को परखने की कोशिश की। एक बार जब आस्कर को एक मरणासन्न मरीज के कमरे से बाहर निकालने की कोशिश की गई, तो वह दरवाजा पीटता रहा और चिल्लाने लगा। जैसे ही दरवाजा खुला, वह तुरंत उसी गंभीर मरीज के पास जाकर बैठ गया। कई बार तो आस्कर की भविष्यवाणी के आगे डाक्टरों के चिकित्सा अनुमान भी फेल हो गए। एक मामले में आस्कर उस मरीज के पास जाकर बैठ गया जिसकी स्थिति स्थिर लग रही थी, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उस मरीज की मृत्यु हो गई। आस्कर की इस क्षमता पर भरोसा करते हुए अब अस्पताल प्रबंधन उन मरीजों के परिजनों को समय रहते सूचित कर देता है, ताकि वे अपने प्रियजन के अंतिम क्षणों में उनके साथ रह सकें। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो विशेषज्ञों का मानना है कि जानवरों में इंसानी शरीर के भीतर होने वाले रासायनिक और जैविक परिवर्तनों को सूंघने की तीव्र क्षमता होती है।

ट्रंप और चांसलर मर्ज के विवाद के बाद लिया गया जर्मनी से सैनिक हटाने का फैसला

दूसरे विश्व युद्ध के समय से शुरु हुई थी सैना तैनाती

वाशिंगटन

ईरान को लेकर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बयान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी के बाद ट्रांस-अटलांटिक संबंधों में तनाव बढ़ा और सैन्य वापसी का ऐलान कर दिया। अब सवाल है कि आखिर जर्मनी को क्यों जरूरत है अमेरिकी सेना की, क्या है इसका इतिहास जर्मनी में अमेरिकी सेना की मौजूदगी की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के समय 1945 में हुई थी। जब नाजी शासन ने सरेंडर किया था, तब देश में 16 लाख अमेरिकी सैनिक थे, यह संख्या एक साल के अंदर घटकर 3 लाख से भी कम रह गई थी और ये सैनिक मुख्य रूप से अमेरिकी कब्जे वाले इलाके का इंतजाम संभाल रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शीत युद्ध शुरू होने तक जर्मनी में अमेरिकी मौजूदगी लगातार कम होती रही। इस दौरान अमेरिकी सेना का मकसद नाजीवाद को खत्म करने से बदलकर जर्मनी को फिर से खड़ा करना था, ताकि वह सोवियत संघ के खिलाफ एक मजबूत दीवार की तरह खड़ा हो सके। 1949 में नाटो और पश्चिमी जर्मनी के बनने के साथ ही, ये मिलिट्री बेस हमेशा के लिए वहीं जम गए। शीत युद्ध के चरम पर अमेरिका जर्मनी में करीब 50 बड़े बेस और 800 से ज़्यादा जगहों से अपना काम चला रहा था। इनमें बड़े-बड़े हवाई अड्डों और बैरकों से लेकर जासूसी करने वाले ठिकाने तक शामिल थे। 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और उसके दो साल बाद सोवियत संघ की टूट के बाद से इनमें से कई बेस बंद हो गए। 1960, 1970 और 1980 के दशकों में, जर्मनी में अमेरिकी सैनिकों की संख्या अक्सर 2,50,000 से ज्यादा रहती थी। इसके अलावा, लाखों लोग यानी सैनिकों के परिजन इन बेस के अंदर या आस-पास ही रहते थे। ये बेस धीरे-धीरे अपने आप में पूरे-पूरे अमेरिकी शहरों जैसे बन गए थे, जहां उनके अपने स्कूल, दुकानें और सिनेमाघर थे। रिपोर्ट में अमेरिकी रक्षा विभाग के डेटा के मुताबिक यूरोप में करीब 68,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, जिनमें से करीब 36,400 सिर्फ जर्मनी में हैं। ये सैनिक 20 से 40 सैन्य अड्डों में फैले हैं, जिनकी संख्या बेस की परिभाषा के आधार पर अलग-अलग मानी जाती है। जर्मनी स्थित स्टटगार्ट मुख्यालय यूनाइटेड स्टेट्स यूरोपियन कमांड और यूनाइटेड स्टेट्स अफ्रीका कमांड का केंद्र है, जो यूरोप और अफ्रीका में अमेरिकी सैन्य अभियानों का संचालन करते हैं। इसके अलावा, रामस्टीन एयरबेस अमेरिका की यूरोप स्थित वायुसेना का मुख्यालय है, जहां करीब 8,500 वायुसेना कर्मी तैनात हैं। बवेरिया क्षेत्र में ग्राफेनवोहर, विलसेक और होहेनफेल्स जैसे अड्डे यूरोप के सबसे बड़े अमेरिकी सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्रों में शामिल हैं। वहीं, विस्बाडेन में अमेरिकी सेना यूरोप और अफ्रीका का मुख्यालय स्थित है। लैंडस्टूल मेडिकल सेंटर अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा सैन्य अस्पताल माना जाता है। शीत युद्ध के बाद इन सैन्य अड्डों की भूमिका में बड़ा बदलाव आया। अब ये केवल रक्षा ठिकाने नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए फारवर्ड स्टेजिंग और लाजिस्टिक्स हब बन चुके हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पडेगी तभी सारे काम पूरे होंगे । विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आमदनी बढ़ेगी। काम के सिलसिले में अपने चतुराई का प्रयोग करना सराहनीय कदम होगा । व्यवसायिक की दिक्कतों से आप कुछ चिंतित हो सकते हैं।वैवाहिक जीवन के लिए समय अच्छा रहेगा। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटेंगे। आर्थिक हालात ठीक रहेगी। संतान पक्ष को सफलता मिलेगी। नई योजना बनेगी। दाम्पत्य जीवन ठीक रहेगा। आज निवेश करने से लाभ जरूर बनेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन दिक्कतें जरूर बन सकती हैं । आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। धीरज के साथ सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करें।। तनाव पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी की सलाह नजरअंदाज ना करें। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें। किसी से अनबन हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। कारोबार में लाभ होने की संभावना है।। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। सेहत ठीक रहेगी। किसी काम को पूरा करने में अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए लाभकारी होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। धन लाभ का अवसर मिलेंगे। आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बगैर पूछे किसी को मशवरा नही देना। कुछ नए काम को शुरू कर सकते हैं। शासकीय कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों का आज पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।बिना सोचे समझे कोई काम न करें। निवेश की स्थिति ठीक नहीं है। कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। रिश्तेदारों से आपको सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्य में हिस्सा लेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दूसरों की सहायता मिलेगी। विरोधियों के चलते आपके कुछ काम प्रभावित होंगा । पारिवारिक जिम्मेदारी पूरे करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप शादी उम्र के योग्य है तो रिश्ता हो सकता हैं । नया काम शुरू कर सकते हैं।मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तेदारों से कोई अच्छी खबर आ सकती है। नए प्रोजेक्ट से लाभ होगा। मित्रों के साथ पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। छात्रों की दिक्कतें दूर होगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात का मौका मिलेगा। जीवनसाथी को घुमाने ले जा सकते हैं। आज का दिन बेहद सुखद रहेगा। आज अपने खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। आज आप नौकरी बदले का मन कर रहे हैं तो बढ़ीया समय है कोशिश सफल होगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज लक्ष्मी जी को रक्त पुष्प अर्पित करें कर्ज मुक्त होंगे । धन लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार के सिलसिले में ज्यादातर किए गए प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आज आप खुश रहेंगे। किसी से मुलाकात होगी। मित्रों साथ इंजाय कर सकते हैं। जोखिम से जुड़े कार्यों को टालें। खानपान को नियंत्रित रखना होगा। तनाव दूर होने की संभावना है। भोजन सुपाच्य करें सेहत ठीक रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज ईष्टदेव का मंत्र स्मरण जप करें किस्मत का साथ मिलेगा।। कारोबार को लेकर नई योजना बनाने के लिए आज का दिन अच्छा है। दिनभर कार्य की व्यस्तता के चलते तनाव हो सकता है। युवाओं के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। शादीशुदा लोगों को घूमने जाने का अवसर मिलेगा। गैरजरूरी खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। खर्च में कमी आएगी। लव कपल के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सकारात्मक रहेगा। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर नए मौके मिलेंगे। छात्र नये कोर्स पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन का निवेश करें कारोबार में प्रगति होगी। दोस्तो और रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। ऑफिस में आपका काम की सराहना होगी। छात्रों को फायदा होगा। आज धन लाभ होने की संभावना है। आपके शत्रु शांत रहेंगे। परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आज आप अपनी मेहनत से अपनी हर दिक्कत को आसान कर लेंगे। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दाम्पत्य जीवन मे सामंजस्य के कारण सुख-समृद्धि में बढोतरी होगी ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप को सकारात्मक रहने की जरुरत है आप सरकारी नौकरी मे है तो दिक्कतें आएगी फिर भी आप में जोश देखने को मिलेगा । आपकी कार्यक्षेत्र में सराहना होगी। दिन की शुरुआत सामान्य होगी। व्यवसाय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। संतान पक्ष को लेकर कुछ दिक्कत हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। कई लोगों से मुलाकात होगी। रिश्तेदारों एवं मित्रों पर धन खर्च होगा। आज किसी की बातों मे आकर नया काम शुरू न करें। छात्रों के लिए दिन सफल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन मे उत्साह और उल्लास रहेगा आप बेहद खुश रहेंगे। आपका भाग्य प्रबल रहेगा। कार्य क्षेत्र में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आज आप खूब आनंद उठाएंगे, लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। आप गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। तनाव न लें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा हैं। परीक्षा में कामयाबी मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की मदद करेंगे। धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। अपने को शान्त रखें क्रोध पर नियंत्रण रखना आप की तरक्की के रास्ते खोलेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ तनाव रहेगा परिस्थियां आपके अनुकूल नही होगी इसलिए परेशानियों का सामना करना पड सकता हैं। सेहत को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा । किस्मत का साथ मिलेगा। माता-पिता की सेवा करना शुभ फल देगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। मित्रों की मदद से आपके कई काम पूरे होंगे। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रह सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। मन में नकारात्मक विचार न आने दे। ईश्वर की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज स्वभाव मे तेजी होगी क्रोध हावी रहेगा चिड़चिड़ापन बनेगा जिसके कारण किसी से आपका विवाद हो सकता है। काफी दिनों के बाद किसी परिचित व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। आज का दिन आपकी सेहत के लिहाज से काफी अच्छा है। कारोबार के सिलसिले में आज यात्रा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से सुखद सूचना मिल सकती है। धन लाभ होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। परिवार को पूरा समय दें सब कुछ अनुकूल होगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज व्यापार मे लेनदेन मे निवेश के हिसाब से दिन बहतर हैं व्यवसाय में आज उम्मीद से अधिक लाभ होगा। बातचीत करने के दौरान सावधान रहें। आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आलस्य ज्यादा रहेगा। आज शासकीय कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को नए मौके मिलेंगे। ऋण से मुक्ति मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आशाजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। आप दूसरों की देखभाल में आपका समय बीतेगा। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी मिलेगी। रिश्ते की सूचना मिलेगी। दफ्तर में किसी सहयोगी से अनबन की आशंका है। कन्या को खीर का भोग रखे।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 मई 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 05:27 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 09:58 तक
योग : परिघ रात्रि 11:18 तक
करण : वणिज सायं 04:15 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:48,सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 09:58 से , भद्रा सायं 04:11 रात्रि 05:27 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

करीमनगर में सशस्त्र लुटेरों की हाई-प्रोफाइल डकैती, 1 किलो सोना लूटा-4 घायल

करीमनगर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

दिनदहाड़े साहसिक डकैती में, पांच सशस्त्र व्यक्तियों ने रविवार सुबह यहां ज्योतिनगर स्थित पीएमजे ज्वेलरी शॉप पर गोलीबारी की और आभूषण लूट लिए। लुटेरे कीमती ज्वेलरी लेकर फरार हो गए और ज्वेलरी शॉप के चार कर्मचारी इस घटना में घायल हो गए। उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

पुलिस के अनुसार, जब दुकान के कर्मचारियों ने प्रदर्शन के लिए लॉकर से ज्वेलरी निकाली, तब दो बाइकों पर सवार पांच मोटरसाइकिल चालक लुटेरे हथियारों सहित दुकान में घुस आए। घटना सुबह 11 बजे से 11.11 बजे के बीच हुई। शुरू में एक आरोपी ग्राहक बनकर दुकान में घुसा और 20 ग्राम सोने की चेन के बारे में पूछा। बाद में दो अन्य आए और कर्मचारियों से सोने के आभूषण दिखाने को कहा। अंत में बाकी दो भी दुकान में घुसे। अंतिम दो में से एक ने पिस्तौल निकालकर सिक्योरिटी गार्ड को करीब से धमकाया। साथ ही अन्य ने भी हथियार निकालकर बाकी स्टाफ को गोली मारने की धमकी दी। सभी कर्मचारियों को एक जगह घुटनों पर बैठने के लिए मजबूर कर दिया गया। जब स्टाफ ने लुटेरों पर काबू करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके परिणामस्वरूप चार कर्मचारी घायल हो गए। बाद में लुटेरों ने अपने साथ लाए बैग में ज्वेलरी भरकर मौके से फरार हो गए। उन्होंने एक-दूसरे से हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में बात की। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, डकैती में लगभग 1 किलो सोना लूटा गया।

सेल्स मैनेजर मुस्ताक को सिर में गोली लगी, जबकि माधुकर को पेट में चोट आई। कमलाकर और सिक्योरिटी गार्ड राकेश भी घायल हुए। वे विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के साथ सीएलयूईएस टीम दुकान पर पहुंची और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त फुटेज की जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से चार कारतूस और एक मैगजीन बरामद की। लुटेरों की तस्वीरों के अलावा लूट का सीसीटीवी फुटेज भी जारी किया गया। पुलिस कमिश्नर गौश आलम ने दुकान का दौरा कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आरोपियों का पता लगाने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। घायल कर्मचारियों की हालत स्थिर है। पांच में से केवल एक आरोपी ने फेस मास्क पहना था और बाकी चार बिना मास्क के थे। इसलिए पुलिस को आरोपियों की पहचान आसान होगी। जांच में सभी विवरण सामने आ जाएंगे, उन्होंने कहा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, स्थानीय विधायक गंगुला कमलाकर, चोप्पादंडी विधायक एवं डीसीसी अध्यक्ष मेडिपल्ली सत्यम सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस महानिरीक्षक, मल्टी जोन-1 चंद्रशेखर रेड्डी ने भी मौके का दौरा किया। बाद में आईजी ने अस्पताल जाकर घायलों को सांत्वना दी।

ज्वेलरी लूट के अपराधियों पर 1 लाख का इनाम घोषित

करीमनगर पुलिस ने यहां ज्योतिनगर स्थित पीएमजे ज्वेलरी शॉप पर रविवार को हुई लूट में शामिल डकैतों के बारे में उपयोगी जानकारी देने वाले लोगों के लिए 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है।

इस संबंध में, पुलिस ने आरोपीयों की फोटो सहित पैंफलेट तैयार किए हैं। तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी तीन भाषाओं में तैयार इन पैंफलेट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित किया जा रहा है।

इन फोटो में दिखाए गए व्यक्ति करीमनगर के एक गोल्ड शॉप पर हुई लूट में शामिल हैं। यदि आपके पास उनके बारे में कोई जानकारी है, तो कृपया तुरंत पुलिस को सूचित करें। उपयोगी जानकारी देने वाले को 1 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा, पैंफलेट में कहा गया है।

पैंफलेट में एसएचओ करीमनगर टू टाउन (8712670762), एसीपी करीमनगर टाउन (8712670711) और एसबी कंट्रोल करीमनगर (8712670713) के फोन नंबर भी प्रकाशित किए गए हैं। लोगों से अपील की गई है कि ऊपर दिए गए संपर्क नंबरों पर कॉल करके पुलिस को जानकारी साझा करें।

पेद्दापल्ली के छात्र का कमाल: नेशनल सेस्टोबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन

पेद्दापल्ली, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

पिछले महीने जगितल में हुए स्टेट लेवल सब-जूनियर सेस्टोबॉल गेम्स में गायत्री विद्या निकेतन हाई स्कूल, पेद्दापल्ली के छात्र एस. वारा सिद्दू (कक्षा 9वीं) ने जिले का प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए नेशनल लेवल के लिए क्वालिफाई किया। वारा सिद्दू 5 से 7 मई तक हैदराबाद में आयोजित होने वाले नेशनल स्तर के कॉम्पिटिशन में भाग लेंगे।

गायत्री विद्या संस्थान के चेयरमैन अल्लंकी श्रीनिवास ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि नेशनल स्तर पर भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। स्कूल कॉरेस्पोंडेंट रजनी देवी, प्रिंसिपल विजय, जिम टीचर अजय कुमार तथा छात्र के पिता संजीव राज ने खुशी जताई और शुभकामनाएं दीं।

यह उपलब्धि पेद्दापल्ली जिले के लिए गौरव का विषय है। स्कूल प्रबंधन ने अन्य छात्रों को भी खेलों में उत्कृष्टता के लिए प्रोत्साहित किया।

गैस संकट गहराया : व्यावसायिक सिलेंडर 3,000 पार, होटल-टिफिन सेंटर बंद

मंचेरियाल, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

पश्चिम एशियाई देशों में चल रहे युद्ध के कारण भारत में गैस की कमी हो रही है। खाड़ी देशों से गैस आयात न होने के कारण एलपीजी गैस की भारी कमी हो गई है और लोग गैस के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर भारी परेशानियां झेल रहे हैं।

इसी संदर्भ में गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का अभियान भी चला। केंद्र में मोदी सरकार जो शुरू से ही मूल्य वृद्धि का विरोध करती रही है, अचानक पलट गई। पांच राज्यों में चुनावों के मद्देनजर सरकार ने कहा था कि ईंधन की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। चुनाव खत्म हुए हों या न हुए हों, सरकार ने अपना रुख बदल लिया। उसने व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में भारी वृद्धि कर दी है। जो सिलेंडर कुछ समय पहले तक 2,000 रुपये का था, अब उसकी कीमत 3,000 रुपये से अधिक हो गई है। 19 किलो के सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की वृद्धि हुई है। 5 किलो के एफटीएल सिलेंडर की कीमत में 261.50 रुपये की वृद्धि हुई है। इसके अलावा औद्योगिक उपयोग में आने वाले थोक डीजल की कीमत 137 रुपये से बढ़कर 149 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

कारोबारियों पर अतिरिक्त बोझ, लकड़ी चूल्हों पर लौटना मुश्किल

व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि से होटल, रेस्तरां, टिफिन सेंटर और स्नैक सेंटर संचालकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हाल तक गंभीर कमी के कारण लोगों को लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाना पड़ता था। व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में नवीनतम वृद्धि के मद्देनजर व्यावसायिक जगत शिकायत कर रहा है कि स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि वे लकड़ी के चूल्हे पर निर्भर नहीं रह सकते।

आम लोग शिकायत कर रहे हैं कि यह मोदी सरकार द्वारा तीसरी बार सत्ता में आने पर दिया गया एक उपहार है। वे शिकायत कर रहे हैं कि मोदी के सत्ता में आने से पहले ईंधन की कीमतें दोगुनी हो गई है। घरेलू उपयोग के लिए एक बार गैस बुक करने के बाद दोबारा बुक करने के लिए लगभग एक महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है, जो एक बड़ी परेशानी है। एक कनेक्शन वालों को 21 दिन बाद और दो कनेक्शन वालों को 25 दिन बाद बुकिंग करानी होगी।

इस तरह गैस बुक करने के लिए तीन से चार सप्ताह तक इंतजार करना अनिवार्य हो गया है। व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के चलते एजेंसी प्रबंधक मनचाहे सिलेंडर देने की पेशकश कर रहे हैं। इससे कारोबारी जगत में असंतोष फैल रहा है।

कई लोग सोच रहे हैं कि जो स्टॉक कल तक नहीं था, वह अब कहां से आ गया। गैस की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी के कारण जिले भर में छोटे होटल, टिफिन सेंटर और फास्ट फूड सेंटर बंद हो चुके हैं। कीमतों में हुई इस ताजा बढ़ोतरी का खाद्य क्षेत्र के कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा।

आसिफाबाद के किसानों का कमाल: नर-मादा हाइब्रिड धान की खेती में उत्कृष्टता

कुमराम भीम आसिफाबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

जो कभी एक प्रयोग के रूप में शुरू हुआ था, वह अब समय के साथ एक ट्रेंड बन गया है।

दहिगांव मंडल में आठ साल पहले केवल 20 एकड़ में परीक्षण के तौर पर नर और मादा हाइब्रिड धान की खेती शुरू की गई थी। इस क्षेत्र में अब इस फसल की खेती का क्षेत्र 3,000 एकड़ तक पहुंच गया है। इस बहुआयामी वृद्धि का श्रेय फसल उगाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों और बीज निर्माताओं के प्रोत्साहन को दिया जा सकता है।

दूरस्थ दहिगांव क्षेत्र के उद्यमी किसान, जो सालाना एक बार स्टेपल धान की खेती के लिए जाने जाते हैं, नई फसलों से दूसरों के लिए उदाहरण स्थापित कर रहे हैं और लाभ कमा रहे हैं। दहिगांव, कोन्चावेल्ली, पंबापुर, ओद्दुगुडा, लग्गम, कालवाड़ा, सालीगांव और मादावेल्ली गांवों के एक वर्ग के किसान यासंगी मौसम में

कीटों और उर्वरकों के निर्माण को सहन करने वाली इस हाइब्रिड धान फसल की खेती के लिए आगे आ रहे हैं।

कृषि अधिकारियों ने तर्क दिया कि इन गांवों की भूमि ऐसी खेती के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा कि फसल की अवधि 120 दिन है। पारंपरिक धान किस्मों की तुलना में 10 क्विंटल की आसानी से उपज दर्ज की जा सकती है और उच्च रिटर्न प्राप्त किए जा सकते हैं। हालांकि, किसानों को फसल उगाने में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कुछ जटिलताओं से परिचित होना आवश्यक है। पारंपरिक फसलों के विपरीत, यह धान फसल जनवरी में पंक्तियों में बोई जाती है तीन पंक्तियां मादा पौधों की और एक पंक्ति नर पौधों की। किसानों को दो पौधों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करना होता है। बूटिंग स्टेज पर पहुंचने पर दोनों पौधों का क्रॉसिंग करना होता है। उन्हें दोनों पौधों को एक-दूसरे के करीब लाकर नर से मादा पंक्तियों तक पराग फैलाना होता है।

कुछ असामान्य कार्यों के बावजूद, किसान कहते हैं कि वे निजी कंपनियों की मदद से इस खेती में सफल हो रहे हैं, जो फसल प्रत्यारोपण से लेकर कटाई तक मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि वे उपज को 8,000 रुपये प्रति क्विंटल बेच रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें प्रति एकड़ 40,000 से 50,000 रुपये के बीच लाभ हो रहा है। दहिगांव बेल्ट के नवाचारी किसान इस धान किस्म की खेती में चमककर दूसरों के लिए रोल मॉडल बन गए हैं।

मंचेरियाल में आम से लदी वैन से टकराई कार 1 की मौत, 3 घायल

मंचेरियाल, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

लुक्सेट्टिपेट मंडल के इटिक्याला गांव में शनिवार रात एक कार के आम से लदी वैन से टकराने से चालक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान किस्टापुर निवासी योगेंद्र रेड्डी (40) के रूप में हुई है, जबकि घायल लुक्सेट्टिपेट के सुनील, शशांक और क्रांति हैं। उन्हें मंचेरियाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

योगेंद्र को गंभीर सिर की चोटें आईं, जब तेज रफ्तार कार के मोड़ पर वैन से टकराने के बाद वे गिर पड़े। उन्हें मंचेरियाल शहर के अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। वे लुक्सेट्टिपेट की ओर जा रहे थे, जबकि हादसे के समय सुनील अपने दोस्त नवीन कोजिसके पैर में फ्रैक्चर थामंचेरियाल के अस्पताल ले जा रहे थे। शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

बिहार मंत्रिमंडल विस्तार को हरी झंडी

नयी दिल्ली, 03 मई (एजेंसियां)।

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नई दिल्ली में शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर प्रस्तावित सूची पर सहमति प्राप्त कर ली है। सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है। बंगाल समेत पांच राज्यों के चुनावी नतीजे आने के एक-दो दिन बाद विस्तारित मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण की तिथि तय हो सकती है। मंत्रिमंडल में अधिकतर पुराने चेहरे ही रहेंगे, जबकि कुछ नए नाम भी जोड़े जा सकते हैं।

मंत्रियों की संख्या का फॉर्मूला पहले जैसा ही रहेगा, लेकिन विभागों में सीमित फेरबदल होगा। इस विस्तार के साथ ही बिहार की राजनीति का नया चरण शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत राजग के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर सूची पर सहमति हासिल कर ली। बिहार में भाजपा की पहली सरकार का नेतृत्व संभालने के बाद सम्राट की यह सबसे बड़ी प्रशासनिक पहल है। उन्होंने 15 अप्रैल को राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार लंबित है। सरकार में अभी दो उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र यादव हैं। अन्य मंत्रियों की नियुक्ति विस्तार के साथ ही होगी।मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट

का यह दूसरा दिल्ली दौरा है, जिसका बड़ा राजनीतिक महत्व है। उन्होंने न केवल गृह मंत्री अमित शाह, बल्कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जीतनराम मांझी और नित्यानंद राय से भी मुलाकात की। इस क्रम में उन्होंने बिहार के विकास, प्रशासनिक प्राथमिकताओं और भविष्य की रणनीति पर भी विचार किया। इससे पहले सम्राट चौधरी ने शनिवार को पटना में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी लंबी बातचीत की थी, जिसमें दोनों बड़े दलों के बीच सीटों व विभागों के बंटवारे को लेकर शुरुआती सहमति बन चुकी है।

बिहार में नियमत: मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 36 मंत्री हो सकते हैं। पुराने फार्मूले के तहत भाजपा-जदयू को 15-15 मंत्री पद मिलने हैं। सहयोगी दलों लोजपा को दो तथा हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा एवं राष्ट्रीय लोकमोर्चा को एक-एक मंत्री पद मिलना है। शुरुआत में सभी पद भरे नहीं जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि भाजपा से 13 और जदयू से 12 मंत्री शपथ ले सकते हैं। कुछ स्थान रणनीतिक कारणों से खाली रखे जा सकते हैं। इस विस्तार की एक खास बात संतुलन और संदेश दोनों होंगे। अनुभवी नेताओं को बनाए रखना स्थिरता का संकेत देगा। वहीं नए और युवा चेहरों को शामिल करना भविष्य की राजनीति की तैयारी माना जाएगा। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिख सकता है। राजनीतिक दृष्टि से यह विस्तार केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है। यह नई सरकार की दिशा और प्राथमिकताओं को तय करेगा। विभागों का बंटवारा भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इससे प्रशासनिक गति तय होती है।

रोज करें इन नामों का पाठ तो बुद्धि, समृद्धि आपके घर में रहेंगी

जब जब पृथ्वी पर दैत्यों के आतंक का साया रहा तब तब भगवान विष्णु, शिव, माता पार्वती यहां अवतरित हुए। भगवान गणेश भी चारों युगों में अवतरित हुए हैं। सतयुग में गणेश जी महोत्कट विनायक के नाम से, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापर युग में शिवपुत्र गजानन के नाम से अवतरित हुए। और इस तरह पृथ्वी के अंत में जब भगवान कल्कि अवतरित होंगे उसी दौरान भगवान गणेश धूम्रकेतु रूप में अवतरित होंगे। इस बात का उल्लेख हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलता है।

ये हैं गणेश परिवार भगवान गणेश के पिता भोलेनाथ हैं। मां पार्वती उनकी मां है। भगवान मुरुगन यानी कार्तिकेय उनके भाई हैं, और गजानन की बहन अशोक सुंदरी हैं। भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं रिद्धि और सिद्धि। हालांकि दक्षिण भारत में गणेश जी को ब्रहमचारी के रूप में पूजा जाता है। गणेश जी के दो पुत्र हैं शुभ और लाभ। उन्हें मोदक प्रिय है। लाल रंग के फूल से गणेशजी जल्द प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा उन्हें दुर्वा, शमी पत्र भी अर्पित करना चाहिए। गणेश जी के अस्त्र पाश और अंकुश हैं। और वाहन मूषक।

बुद्धि के लिए रोज करें इन नामों का पाठ हिंदू पौराणिक ग्रंथो में उल्लेखित है। यदि भगवान गणेश के इन बारह नामों का रोज पाठ करें तो बुद्धि, गृहक्लेश और समृद्धि आपके घर में रहेंगी। यह नाम क्रमशः सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र, विघ्नराज, द्वैमातुर, गणाधिप, हेरम्ब, गजानन।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं–

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है।

उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर।वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते।

केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

भगवान गणेश को क्यों नहीं चढाई जाती है तुलसी

तुलसी को बेसिल पौधे के नाम से भी जाना जाता है और यह हिन्दुओं के लिए काफी पावन पेड है। यह महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए व्यापक रूप से इस्तमाल किया जाता है। तुलसी में कई औषधीय गुण भी होते हैं। तुलसी के पौधे को मृत इंसान के मुंह में इस विश्वास के साथ रखा जाता है कि इससे वह इंसान को वैकुण्ठ या भगवान विष्णु के निवास स्थान पर पहुँच जाएगा। हालांकि, तुलसी को भगवान गणेश पर नहीं चढाया जाता है और इसके पीछे पुराण से सम्बंधित एक कहानी भी है। भगवान गणेश की कृपा चाहिये तो चढाइये उनके पसंदीदा फूल तुलसी एक समय एक लडकी हुआ करती थी जो भगवान महाविष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की पूजा में लीन रहती थी और एक दिन उन्हें गणेश मिले जो एक सुन्दर बगिया में खुशबूदार पेडों के पास ध्यान में मग्न थे। गणेश ने चमकीला पीला वस्त्र पहना था और उनके पूरे शरीर पर चन्दन का लेप लगा था। गणेश के इस रूप को देखकर तुलसी मोहित हो गयी और उनके सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया।

भगवान गणेश ने कहा कि वह ब्रमहचर्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं वह सन्यासी हैं और शादी के बारे में तो सोच भी नहीं सकते क्यूंकि इससे उनके संयमी जीवन पर असर पडेगा। तुलसी यह सुनकर गुस्सा हुई और गणेश के इस वक्तव्य पर क्षुब्ध होकर उन्होंने

गणेश को शाप दिया कि उनकी इच्छा के बिना भी उनको शादी करनी पडेगी। भले ही गणेश अत्यंत परोपकारी थे पर तुलसी के इस आचरण से उन्हें गुस्सा आया। उन्होंने तुलसी को श्राप दिया कि उसकी शादी एक दानव से होगी और उसे काफी कष्ट भुगतना पडेगा। तुलसी को अपनी गलती का अंदाजा हो गया और उसने भगवान गणेश से विनती की ताकि वह उसे इस कठोर श्राप से मुक्त कर दें। भगवान गणेश खुश हुए और उसे माफकर दिया। उन्होंने कहा कि श्राप के अनुसार उसकी शादी एक दानव से होगी पर एक जीवन के बाद अगले जीवन में वह पेड बन जायेगी। उसके बाद सब में वह अपने अद्भुत औषधीय गुण के कारण जानी जायेगी और भगवान महाविष्णु की प्रिय होगी। महाविष्णु तुलसी चढाये जाने से काफी खुश होंगे और इस तरह उसकी एक उन्नत जगह होगी। गणेश का श्राप और आशीर्वाद दोनों ही सच हुए और तुलसी का विवाह शंकचूड नाम के दानव से हुआ। उसने पूरी जिंदगी उसके साथ गुजारी और फिर उसके बाद अगले सारे जन्म में तुसली के पेड का रूप लिया।

गणेश के विश्वास के अनुसार महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए यह एक उत्तम पौधे के रूप में इस्तमाल होने लगा। तुलसी के चढावे के बिना भगवान विष्णु की कोई भी पूजा अधूरी रहने लगी। यह कारण है कि भगवान गणेश को तुलसी नहीं चढाया जाता है। इस कहानी से यह भी पता चलता है कि कैसे तुलसी को यह पवित्र स्थान मिला। पुराणों के कहानियों से पता चलता है कि भगवान बुरे लोगों के साथ भी काफी दयालु थे। जब भी देवों द्वारा किसी दानव का वध होता था तो उसे मोक्ष की प्राप्ति होती थी। इस तरह इस कहानी में गणेश की दया और कृपा का बखान है। इस कहानी को तब बताया गया जब लोगों ने पूछा कि भगवान गणेश को तुलसी क्यों नहीं चढाया जाता है। पुराने समय से तुलसी का इस्तमाल गणेश भगवान की पूजा में नहीं किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश को अर्का घास बहुत पसंद है।

क्या है हिंदू देवियों का रहस्य

सरस्वती–हिंदू धर्म की प्रमुख त्रिदेवियों में से एक माता सरस्वती को ज्ञान की देवी माना गया है। हंस पर विराजमान मां सरस्वती ने धवल वस्त्र धारण किए हैं। सरस्वती के हाथ वीणा के वरदंड से शोभित हैं। संगीत, कला, शिक्षा और ज्ञान की देवी हैं सरस्वती। सरस्वती के नाम पर ही एक नदी का नाम सरस्वती था, जो प्राचीनकाल में शिवालिक की पहाडियों से निकलकर हरियाणा और राजस्थान में बहती थी और सिंधु खाडी में समाहित हो जाती थी।

माता लक्ष्मी – भगवान विष्णु की पत्नी और ऋषि भृगु की पुत्री देवी लक्ष्मी त्रिदेवियों में से एक हैं, जो धन और समृद्धि को देने वाली मानी गई हैं। लक्ष्मी माता का वाहन उल्लू है और वह लक्ष्मी क्षीरसागर में भगवान विष्णु के साथ कमल पर वास करती हैं। लक्ष्मीजी को 2 रूपों में पूजा जाता है, श्रीरूप और लक्ष्मी रूप। इनका विशेष दिन शुक्रवार को माना गया है। भगवती लक्ष्मी के 18 पुत्र कहे गए हैं जिसमें प्रमुख हैं, आनंद, कर्दम, श्रीद और चिक्लीत।

गायत्री– गायत्री नाम से ऋग्वेद में एक सबसे लंबा छंद है। गायत्री को आद्याशक्ति प्रकृति के 5 स्वरूपों में एक माना गया है।

यही वेद माता कहलाती हैं। किसी समय ये सविता देव की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं इसलिए इनका नाम सावित्री पड गया। इनका विग्रह तपाए हुए स्वर्ण के समान है। वेदों में अदिति के अलावा सविता का भी कई जगहों पर उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण के अनुसार वज्रनाश नामक राक्षस का वध करने के पश्चात ब्रहमाजी ने संसार की भलाई के लिए पुष्कर में एक यज्ञ करने का फैसला किया। ब्रहमाजी यज्ञ करने हेतु पुष्कर पहुंच गए, लेकिन किसी कारणवश सावित्री जी समय पर नहीं पहुंच सकीं। यज्ञ को पूर्ण करने के लिए उनके साथ उनकी पत्नी का होना जरूरी था, लेकिन सावित्री जी के नहीं पहुंचने की वजह से उन्होंने एक कन्या गायत्री से विवाह कर यज्ञ शुरू किया। उसी दौरान देवी सावित्री वहां पहुंचीं और ब्रहमा के बगल में दूसरी कन्या को बैठा देख क्रोधित हो गईं।

उन्होंने ब्रहमाजी को श्राप दिया कि देवता होने के बावजूद कभी भी उनकी पूजा नहीं होगी, तब सावित्री से सभी देवताओं ने विनती की कि अपना श्राप वापस ले लीजिए, लेकिन उन्होंने नहीं लिया। जब गुस्सा ठंडा हुआ तो सावित्री ने कहा कि इस धरती पर सिर्फपुष्कर में आपकी पूजा होगी।

श्रद्धा – श्रद्धा कर्दम ऋषि एवं देवहूति की तृतीय कन्या थी। श्रद्धा का विवाह अंगिरा ऋषि के साथ हुआ था। अंगिरा और श्रद्धा से सिनीबाला, कुहु, राका एवं अनुमति नामक पुत्रियां तथा तथ्य और बृहस्पति नामक पुत्र हुए। बृहस्पति देवताओं के गुरु हैं।

शचि – शचि स्कंद पुराण के पुलोमा पुत्री शचि का भी वेदों में उल्लेख मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार सतयुग में दैत्यराज पुलोम की पुत्री शचि ने देवराज इंद्र को पति रूप में प्राप्त करने के लिए ज्वालपाधाम में हिमालय की अधिष्ठात्री देवी पार्वती की तपस्या की थी। मां पार्वती ने शचि की तपस्या पर प्रसन्न होकर उसे दीप्त ज्वालेश्वरी के रूप में दर्शन दिए और शचि की मनोकामना पूर्ण की। जहां मां ने दर्शन दिए थे वह स्थान उत्तराखंड के गढवाल क्षेत्र में है। यहां माता ज्वाला देवी का एक मंदिर है। देवी शचि को इंद्राणी कहा जाता है। इंद्राणी देवी शचि ने अपने पति इंद्र के हाथ में ब्राहमणों द्वारा रक्षा सूत्र बंधवाया था। उन्होंने ऐसाइ सलिएकिया, क्योंकि उस समय देवासुरसंग्राम चल रहा था। रक्षासूत्र बांधकर जब इंद्र ने युद्ध किया तो वे विजयी हुए। कुछ लोगों का मानना है कि तभी से रक्षाबंधन का यह पर्व शुरू हुआ।

सावित्री – ब्रहमा की पत्नी का नाम सावित्री देवी है। ब्रहमा ने एक और स्त्री से विवाहकिया था जिसकानाम गायत्री है। सावित्रीकी एक पुत्री का नाम सरस्वती है।

शालीग्राम की कहानी: विष्णु को श्राप क्यों मिला

जालंधर: शिव का एक भाग एक समय जलंधर नाम काएक पराक्रमी असुर था। जो शिव की तीसरी आँख से उत्पन्न हुआ था। यही कारण था कि वह अत्यंत शक्तिशाली योद्धा था। इसका विवाह वृंदा नामक कन्या से हुआ। वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त थी। इसके पतिव्रत धर्म के कारण जलंधर अजेय हो गया था। जालंधर और शिव का युद्ध इसने एक युद्ध में भगवान शिव को भी पराजित कर दिया। अपने अजेय होने पर इसे अभिमान हो गया और स्वर्ग के देवताओं को परेशान करने लगा। दुःखी होकर सभी देवता भगवान विष्णु की शरण में गये और जलंधर के आतंक को समाप्त करने की प्रार्थना करने लगे। क्योंकि जालंधर को तभी हराया जा सकता जब पत्नी वृंदा पवित्रता को भांग कर दिया जाए।

वृंदा: विष्णु की सबसे बडी भक्त एक असुर की बेटी और पत्नी होने के बावजूद वह भगवान विष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की परम भक्त थी और उन पर उसे पूरा विश्वास करती थी। विष्णु का विश्वासघात सभी देवताओं ने देखा कि शिव भी उसे हरा नहीं पाये तो वे विष्णु की शरण में गए। भगवान विष्णु ने अपनी माया से जलांधर का रूप

धारण कर लिया और छल से वृंदा के पतिव्रत धर्म को नष्ट कर दिया। इससे जलंधर की शक्ति क्षीण हो गयी और वह युद्ध में मारा गया।

वृंदा का अभिशाप जब वृंदा ने भगवान विष्णु को छुआ तब उसे पता चला कि वह जालंधर नहीं है। और उसने पूछा कि वह कौन हैं। जब वृंदा को भगवान विष्णु के छल का पता चला तो उसने भगवान विष्णु को पत्थर का बन जाने का शाप दे दिया। भगवान विष्णु वृंदा के साथ हुए छल के कारण लज्जित थे इसलिए वृंदा के शाप को जिवित रखने के लिए उन्होनें अपना एक रूप पत्थर रूप में प्रकट किया जो शालिग्राम कहलाया।

तुलसी भगवान विष्णु ने वृंदा से कहा कि तुम अगले जन्म में तुलसी के रूप में प्रकट होगी और लक्ष्मी से भी अधिक मेरी प्रिय रहोगी। तुम्हारा स्थान मेरे शीश पर होगा। मैं तुमहारे बिना भोजन ग्रहण नहीं करूंगा।

यही कारण है कि भगवान विष्णु के प्रसाद में तुलसी अवश्य रखा जाता है। बिना तुलसी के अर्पित किया गया प्रसाद भगवान विष्णु स्वीकार नहीं करते हैं। शालीग्राम तुलसी का विवाह वृंदा के राख से तुलसी का पौधा निकला। वृंदा की मर्यादा और पवित्रता को बनाये रखने के लिए देवताओं ने भगवान विष्णु के शालिग्राम रूप का विवाह तुलसी से कराया।

इसी घटना को याद रखने के लिए हर वर्ष कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देव प्रबोधनी एकादशी के दिन तुलसी का विवाह शालिग्राम के साथ कराया जाता है।

मन की स्वतंत्रता

यदि व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता दी जाए, तो कई जरूरी कार्य भी समय से पहले पूरे हो जाते हैं। ओशो का चिंतन एक दार्शनिक था। एक बार उसने एक किसान से पूछा, कोल्हू का बैल चल रहा है। तेल पेरा जा रहा है। बैल को न तो कोई हांकने वाला है और न ही कोल्हू को चलाने वाला। फिर यह आराम करने के लिए बैल रुक क्यों नहीं जाता। किसान ने कहा कि गौर से देखने पर जवाब मिल जाएगा।

दार्शनिक ने गौर से देखा कि बैलों की आंखों पर पट्टियां बंधी हैं जैसे तांगे में चलने वाले घोडे की आंखों पर पट्टियां बंधी होती हैं, ताकि उसे सिर्फसामने दिखाई दे। वह इधर-उधर न देख पाए। साथ ही गले में घंटियां बंधी हैं। घंटी की आवाज बंद होने के साथ ही उसे कोडे से फटकार लगा दी जाती है। साधारण आदमी भी कोल्हू का बैल है, चलता जाता है। उसकी आंखों पर पट्टियां बंधी हैं! गले में घंटी बंधी है। घंटी बंद होते ही सबकी डांट-फटकार मिलने लगती है।

सुबह, दोपहर, सांझ, रात में वही सब काम करता जा रहा है, जो वह रोज करता है। वही क्रोध, वही काम, वही लोभ, वही मोह, वही अहंकार। सुख और दुख, दोनों पुराने हैं। हमारा मन स्वतंत्र नहीं है। दूसरों की इच्छाओं, आदेशों से ही हमें चलना है। अपनी मर्जी के काम करने या कपडे पहनने की भी स्वतंत्रता नहीं है। समाज ने हमारे लिए सभी इंतजाम कर दिए हैं। सभी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आजादी की बात की जाती है, लेकिन व्यक्ति चौबीसों घंटे गुलाम है। आजादी सिर्फएक थोथा शब्द है, जिसको हम दोहराते रहते हैं तोतों की तरह; और बहुत दिन दोहराने के कारण खुद ही भरोसा कर लेते हैं कि जरूर आजादी होगी, क्योंकि सभी लोग आजादी की बात कर रहे हैं।

आजादी कहां है। क्या हमने कभी भिन्न होने की चाहत की है। कभी भिन्न होने की चाह पैदा करें। कोई भी कलात्मक कार्य करें। आप देखेंगे कि कलात्मक कार्यों का प्रभाव सीधे मन पर होता है। मन आजाद होकर कमल के फूलों की तरह खिल जाता है। कई जरूरी काम पूर्ण हो जाते हैं। इस पृथ्वी पर आजादी उस दिन होगी, जिस दिन हम व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता देंगे।

स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान थे। उनका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था। उनके बचपन का नाम नरेंद्र था। जब भी वो किसी साथी से बात करते तो वह तल्लीनता से उनकी बातों को सुनते थे। एक बार ऐसी ही स्थिति में शिक्षक कक्षा में आ गए और पढाना शुरू कर दिया। छात्रों के पता ही नहीं चला। शिक्षक ने कहा, 'सभी छात्र वहां एक जगह क्यों एकत्र हैं।' शिक्षक वहां तुरंत पहुंचे और छात्रों से प्रश्न पूछने लगे। उनके प्रश्नों का उत्तर कोई छात्र नहीं दे सका। लेकिन नरेंद्र ने उस प्रश्न का उत्तर तुरंत दे दिया। शिक्षक ने सभी छात्रों को खडे रहने की सजा दी। लेकिन नरेंद्र ने कहा कि मैं इन सभी छात्रों से बात कर रहा था तो इनका ध्यान वहां नहीं था। लेकिन में सुन रहा था।

संक्षेप में नरेंद्र यानी स्वामी विवेकानंद बचपन से ही साहसी प्रवृत्ति के थे। उन्होंने हमेशा सच का साथ दिया और जिदंगी भर ईमानदारी का पाठ पढाया।

अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है

लोग यह जानते हैं कि आकाश में चमकने वाले सितारे नक्षत्र कहलाते हैं। अपनी-अपनी राशियां देखकर और ग्रहों के शुभाशुभत्व को ध्यान में रखकर ज्योतिष के माध्यम से अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है। ग्रह नौ और राशियां बारह सर्वविदित ही है। सामान्य अर्थ में नक्षत्र यानि तारे। यदि नक्षत्र का अर्थ और स्पष्ट किया जाये तो हम यह कह सकते हैं कि चंद्रमा के पथ में पडने वाले कुछ विशेष तारों के विभिन्न समूह जिनके नाम अलग-अलग हैं और जिनकी संख्या सत्ताइस है। चंद्रमा को नक्षत्रों का राजा यानि नक्षत्रराज कहा जाता है। गगन मंडल में ग्रहों की स्थिति का पता करने के लिये दैवज्ञों ने वृत्ताकार आकाश या भचक्र के 3600 अंशों को 12 समान खंडों में बांटा। तीस अंश के ये भाग राशि कहलाये। जिस भाग का जैसा स्वरूप दिखाई देता है उसी के आधार पर राशियों का नामकरण किया गया है । इन्हें यंत्रादि की सहायता से देखा जा सकता है। इन्हीं भागों के नीचे ग्रहों का चलना फिरना होता रहता है और तभी यह कहते हैं कि फलां-फलां ग्रह फलां-फलां राशि पर भ्रमण कर रहा है। इसका विचार फलादेश करते समय किया जाता है। ऐसे 27 चिह ढूढें गये जो न चलने फिरने के कारण नक्षत्र कहलाने लगे यानि न क्षरति इति नक्षत्रम''। भचक्र के 3600 अंशों को 27 से विभाजित करने पर 130 20' का क्षेत्र नक्षत्र कहलाया। ग्रह 9 होते हैं यह हम सभी जानते हैं। ज्योतिष में इन्हीं नवग्रहों का विचार किया जाता है। सात ग्रह सात दिनों के अधिपति हैं। शेष दो ग्रह राहु व केतु हैं। सूर्य को एक नक्षत्र को पार करने में करीब-करीब पंद्रह दिनों का समय लग जाता है जबकि चंद्रमा को ऐसा करने में करीब एक दिन का समय लगता है। इस तरह चंद्रमा इन 27 नक्षत्रों को लगभग एक मास में पार कर लेता है ।

पेरैंटहुड से आप कभी रिटायर नहीं होते। पेरैंटेहुड जीवन भर का काम है, इसमें कोई पैंशन नहीं होती। जब आपके बच्चे 40 वर्ष के हो जाते हैं और आगे उनके भी बच्चे हो जाते हैं तब भी आपके बच्चे आपकी मृत्यु तक आपके लिए 18 वर्ष के ही रहते हैं। उन्हें हमेशा आपकी स्वीकृति तथा हमदर्दी की जरूरत रहेगी।

बिना शर्त करें बच्चों से प्यार

पूरे घर में शांति का माहौल है। आपके बच्चे कालेज, जॉब्स या विवाह कर चुके हैं। आप आशा करते हैं कि आपके बच्चे खुश होंगे, वे अच्छा कर रहे होंगे और सही राह पर चल रहे होंगे। फिर भी आप बीते समय के माता-पिता नहीं होंगे, पेरैंटहुड से आप कभी रिटायर नहीं होते। पेरैंटेहुड जीवन भर का काम है, इसमें कोई पैंशन नहीं होती। जब आपके बच्चे 40 वर्ष के हो जाते हैं और आगे उनके भी बच्चे हो जाते हैं तब भी आपके बच्चे आपकी मृत्यु तक आपके लिए 18 वर्ष के ही रहते हैं। उन्हें हमेशा आपकी स्वीकृति तथा हमदर्दी की जरूरत रहेगी।

बदलती भूमिकाएं

परिवर्तन जीवन का सार है। आप अपनी जॉब पर सर्वाधिक जूनियर से लेकर कंसल्टैंट तक अपनी भूमिका बदल चुके हैं। आपके जीवन साथी के साथ आपका रिश्ता विकसित, परिवर्तित होता है और आगे बढ़ता है इसलिए भी आपके बच्चों के साथ आपका रिश्ता तब उतार-चढ़ावों से गुजरता है जैसे-जैसे वे कानूनी तौर पर वयस्क होते जाते हैं। 'बिग बॉस' होने के कई वर्ष बाद बच्चों के साथ एक वयस्क रिश्ता रखना मुश्किल होता है।

पीछे की ओर कदम

आपके पास अपने बच्चे के पथ को आलोकित करने वाली मार्गदर्शक रोशनी बनने के लिए 21 से अधिक वर्ष थे। यदि उन्होंने आपके मूल्य-मान्यताओं को नहीं अपनाया है तो अभी से आपको उन्हें बताना होगा कि क्या करना है। आप उनके विकास के वर्षों में उनके रोल मॉडल रहे हैं। अब वक्त उनके पंख फैलाने का, उनकी जिंदगी में किताबें, अनुभव तथा अन्य लोगों को शामिल करने का है। वे क्या सीखते हैं, कैसे सीखते हैं, कहां से सीखते हैं और किसके साथ सीखते हैं, इसका चुनाव करने के लिए आपको उन्हें उनके पैरों पर खड़े होने देना चाहिए। आपने उन्हें जो सिखाया है उसे व्यवहार में लाने को कहें। यदि आप उनकी ई-मेल्स या फेसबुक अकाऊंट पर नजर रखते हैं, उनकी लेट नाइट पार्टियों के निमंत्रणों और दोस्तों को बहुत निर्दयता से नकार देते हैं, तो इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें बता रहे हैं कि वे अपनी खुद की जिंदगी नहीं चला सकते।

बच्चों से अपेक्षा न करें

जब आप अपने बच्चों से सहायता की अपेक्षा करते हैं तो या तो आप अपने बच्चों से झूठ बोल रहे होते हैं या फिर आप उन्हें भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल कर रहे होते हैं। इस प्रकार वे दोषी महसूस करते हैं। यह एक ऐसी बात है जो आपको बच्चे के साथ नहीं करनी चाहिए। जैसे-जैसे वे बड़े होते जाते हैं वे बड़ी चीजों के लिए आपकी जरूरत महसूस करेंगे। आपको इस बात पर गर्व होना चाहिए कि संकट के समय आप अपने बच्चे के लिए पहले व्यक्ति हैं जिन्हें वह सहायता के लिए पुकारता है। बच्चों की सहायता करने वाला बनने से भावनात्मक संतोष मिलता है। इसके साथ ही प्यारा, स्वतंत्र तथा जिम्मेदार बच्चा बनाने की प्राप्ति की भावना भी आपके मन में जगती है।

निर्णय लेने में सहायता करें

यदि आपसे किसी बात पर आपका मत पूछा जाए चाहे यह जीवनसाथी के बारे में हो या कॉलेज के किसी कोर्स के बारे में, अपना मत अवश्य दें। उन्हें प्रवचन न दें और न ही उनका मजाक उड़ाएं। आपके बच्चे को इस बात का विश्वास होना चाहिए कि एक संवेदनशील उत्तर के लिए वह आप पर निर्भर कर सकता है।

उनके लिए हमेशा मौजूद रहें

जब आपके बच्चे छोटे थे तो जिस प्रकार आप उन्हें चूमते या दुलारते थे, उस प्यार का प्रदर्शन करना कभी भी बंद न करें। आप हमेशा उनके कंधों पर बांहें रख सकते हैं, उन्हें गले लगा सकते हैं और साधारण शब्दों में उन्हें आई लव यू कह सकते हैं। उनके साथ बिना शर्त प्यार करें। किसी भी प्रकार की उपलब्धि हासिल करने पर अपने बच्चों का स्वागत करें।

...ताकि मेकअप न लगे 'मेडअप'

मेकअप किसी भी महिला का मेकओवर कर उसे खूबसूरत बना सकता है। सही तरीके और कलात्मकता के साथ किया गया मेकअप आपकी लुक्स को और भी निखार देता है और दिन भर आपको प्रैजैंटेबल बनाए रखने में मदद भी करता है।

खूबसूरती देखने वाले की आंखों में होती है लेकिन खूबसूरत या प्रैजैंटेबल दिखना आपकी पर्सनैलिटी का प्लस प्वाइंट हो सकता है, बशर्ते कि आपने मेकअप सही तरीके से अप्लाई किया हो। मेकअप करने के लिए चेहरे को तैयार करना बेहद जरूरी है। चेहरे की क्लीजिंग, टोनिंग और माइश्चराइजिंग के बाद चेहरा मेकअप के लिए तैयार होता है।

याद रखें कि ज्यादा माइश्चराइजर लगाने से मेकअप कुछ देर में काला हो जाता है। प्रैक क्रीम चेहरे की कमियों को छुपा कर उसे सुंदर दिखाती है, उसके बाद फाऊंडेशन लगाएं। फाऊंडेशन आपकी स्किन टोन से मेल खाता हुआ या फिर एक टोन ऊपर होना चाहिए। फाऊंडेशन को चेहरे पर अच्छी तरह से ब्लैंड करना चाहिए। कंसीलर लगाने के बाद चेहरे की कोटिंग करें। इसके लिए शैडर का यूज करें। कोटिंग करने से नाक और चीक बोन्स उभर कर दिखती हैं और मेकअप कई गुना सुंदर हो जाता है। चेहरे के मेकअप के बाद आंखों का मेकअप करते समय हमेशा हाईलाइटर यूज करना चाहिए।

आंखों की देखभाल

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे अधिक हैं लेकिन आप काजल भी लगाना चाहती हैं तो मायूस न हों। पहले किसी अच्छे कंसीलर का इस्तेमाल कर लें। अगर आपका रंग सांवला है तो लाल रंग के कंटैंट कंसीलर का इस्तेमाल करें। वहीं रंग गोरा है तो पीले कंटैंट वाले कंसीलर का प्रयोग करें। इससे आपके काले

घेरे छुप जाएंगे। अगर आपकी आंखों पर काजल फैल जाता है लेकिन काजल लगाना आपको पसंद है तो बाजार से पाऊडर ब्लैक कलर केक का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप कुछ भी कर लें अगर आपकी आंखों पर काजल फैलने की समस्या रहती है तो सिल्वर लाइनिंग का प्रयोग कर सकती हैं। इससे यह फैलेगा नहीं, साथ ही थकी हुई बेजान आंखों में यह नई ताजगी ले आएगा।

लिप्स की देखभाल

- लंबे समय तक लिपस्टिक की चमक बरकरार रखने के लिए लिपस्टिक लगाने के बाद टिश्यू पेपर से एक्सट्रा लिपस्टिक को निकाल दें। इससे लिपस्टिक की चमक पूरा दिन बनी रहेगी।
- डार्क कलर की लिपस्टिक लिप्स को स्माल लुक देती है। अगर आप अपने लिप्स को बड़े साइज का दिखाना चाहती हैं तो नैचुरल कलर यूज करें।
- अगर लिप्स बहुत मोटे हैं तो कंसीलर और फाऊंडेशन की मदद से उन्हें पतली शेप दें। लिप लाइनर से आऊटलाइन ड्रॉ करें और डार्क कलर की लिपस्टिक लगाएं।
- अगर लिप्स को हॉट लुक देना हो तो स्ट्राबेरी और चेरी शेड्स वाली लिपस्टिक भी लगा सकती हैं।

पार्टी मेकअप

पार्टी की जान बनना हो या भीड़ में अलग दिखना हो, इसके लिए मेकअप भी कुछ अलग व अनोखा होना चाहिए। पार्टी चाहे कैसी भी हो, उस में ग्लैमरस दिखने के लिए मेकअप कुछ ऐसा हो जो आप को महफिल की रौनक बना दे। पार्टी में जाने का शौक तो हम सभी को होता है लेकिन कई बार हम यह सोच कर कन्फ्यूज हो जाते हैं कि किस पार्टी में कैसा मेकअप करें।

जानें कुछ टिप्स

- मेकअप में बेस में शीयर फाऊंडेशन का इस्तेमाल करें। मेकअप ऐसा हो जो शाइनिंग लुक लिए हुए तो हो ही, साथ ही ज्यादा देर तक टिका भी रहे।
- मेकअप में कुछ लोग पेल शेड्स का यूज करने लगते हैं लेकिन ये शेड्स इंडियन स्किन टोन पर सूट नहीं करते। इसलिए लाइट कलर्स से एक शेड डार्क के ऑप्शन पर जाएं। पिंकिश मॉव कलर हर स्किन टोन पर सूट करता है। अगर आप इसे आईशैडो में यूज करती हैं, तो चीक्स पर रोजी ब्लशर लगाएं और लिप्स पर रोज पिंक शेड अप्लाई करें।
- आईलाइनर का इस्तेमाल करते हुए ध्यान रखें कि अब 1960 के दशक के फैशन का चलन दोबारा लौट आया है। इसलिए आईलाइनर आंखों से थोड़ा बाहर निकला हुआ होना चाहिए।
- यदि आप पार्टी के लिए मेकअप कर रही हैं तो ड्रैस से मैच करता आईशैडो अच्छा लगता है। आईशैडो में मॉव, पिंक, लाइट ब्ल्यू और ग्रीन लाइट शेड्स यूज करें। इसमें लुक पेंटेड नहीं, बल्कि नैचुरल लगती है। आईलाइनर, मस्कारा। और काजल आंखों की खूबसूरती बढ़ाता है।
- आईशैडो की आऊटर साइड पर डार्क और इनर कॉर्नर पर लाइट शेड का यूज करें। इसके साथ कलर्ड आईलाइनर का यूज कर सकती हैं। नैचुरल कलर के आईशैडो को कलर्ड आईलाइनर जैसे वॉयलैट, डार्क ब्ल्यू जैसे शेड्स के साथ लगाएं। नैचुरल ग्लो के लिए चीक्स पर लाइट शेड्स के ब्रॉन्जर का यूज कर सकती हैं।
- अगर आपको सैंसुअस दिखना है, तो साड़ी से बेहतर और कोई ड्रैस नहीं है। इसके साथ आप खूबसूरत मैचिंग ज्यूलरी जरूर कैरी करें। मैट फिनिश्ड गोल्ड ज्यूलरी जैसा बैटर आप्शन और कोई नहीं है।
- होंठों को उभारने के लिए लिप लाइनर, लिपस्टिक और लिप ग्लॉस लगाएं। होंठों को शाइनी लुक देने के लिए उस पर कॉपर रस्ट लिप कलर लगाएं।
- बालों को स्ट्रेट करा के खुला छोड़ दें। यह अपने आप में एक खूबसूरत व मॉडर्न लुक देता है। हेयरस्टाइल में क्रिंपिंग, रोलर व ड्रायर सैटिंग भी करवा सकती हैं। हेयर कट में लेयर्स और रेजर फैशन में हैं।

आफिस मेकअप

आजकल दफ्तरों में भी बेहद अनौपचारिक वेशभूषा तथा वातावरण का चलन है लेकिन फिर भी दफ्तर का एक अनुशासन और प्रोटोकोल होता है। इसलिए यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो मेकअप का सही तरीके से अप्लाई किया जाना और भी आवश्यक हो जाता है। दफ्तर में भी यदि आप भड़कीला मेकअप लगा कर चली जाएं तो आप बेहद फूहड़ दिखेंगी। वर्कप्लेस पर मेकअप आपकी पर्सनैलिटी को उभार सकता है यदि आपने इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया हो तो।

- आपका मेकअप आपके कार्यस्थल के लिहाज से होना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि आप कॉर्पोरेट सैक्टर में काम कर रही हैं तो फॉर्मल लुक अपनाएं और लाइफस्टाइल प्रोफैशन के लिए सैमी-फॉर्मल लुक को चुनें। हमेशा नैचुरल लुक को ही तवज्जो दें यानी ब्राइट मेकअप की जगह लाइट मेकअप को अपनाएं।
- आफिस जाने वाली महिलाओं के पास वक्त की कमी होती है, ऐसे में केवल दो मिनट में मेकअप कर आप खूबसूरत लग सकती हैं। चेहरे पर पैनकेक, आंखों में काजल व आईलाइनर और होंठों पर लिप लाइनर व लिपस्टिक लगाने में केवल दो मिनट का समय लगता है।
- दिन के समय आप एकदम हल्का मेकअप रखें और केवल आंखों को हाईलाइट करने पर ध्यान दें। आंखों पर नैचुरल शेड की आईशैडो की परत लगाएं। इससे आपके पूरे चेहरे को चमक मिलेगी। स्किन कॉम्प्लैक्शन से मैच करते हुए ब्लैक या ब्राऊन मस्कारा चुनें। मस्कारा का सिंगल कोट काफी होगा। ढेर सारे काजल और आईलाइनर से बचें क्योंकि इससे आपकी लुक बहुत हैवी हो जाएगी।
- होठों पर डार्क कलर की लिपस्टिक लगाने से परहेज करें। लिपबाम या क्लियर ग्लॉस लगाएं। अगर आप लिपस्टिक पसंद करती हैं तो नैचुरल शेड्स ही चुनें। सैमी-फॉर्मल प्रोफैशन या ऐसे प्रोफैशन के लिए जहां आपकी पब्लिक डीलिंग हो, आप थोड़े रंगों का प्रयोग कर सकती हैं।

ये भी जान लें

जब सोने जाएं, तो अपना सारा मेकअप उतार दें, वरना स्किन खराब होने का चांस ज्यादा होता है।

मुल्तानी मिट्टी के असाधारण फायदे

- त्वचा के रूखेपन को दूर करने के लिए साबुन की जगह मुल्तानी मिट्टी रगड़ कर स्नान करें। त्वचा कोमल व मुलायम हो जाएगी।
- गर्मी में मुल्तानी मिट्टी मल कर स्नान करने से शीतलता मिलती है।
- गर्मी में पैरों के तलवों में मुल्तानी मिट्टी का लेप करने से ठंडक मिलती है व तलवों की जलन शांत होती है।
- मुल्तानी मिट्टी में कुछ बूंदें सिरके की डाल कर आंखों के नीचे सावधानीपूर्वक लगाएं। काले घेरे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे।
- तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में खीरे का रस, दही व चुटकी भर हल्दी मिक्स करके चेहरे पर पैक की तरह लगाएं। सूखने पर धो दें। लाभ मिलेगा।
- मुल्तानी मिट्टी में संतरे का रस या टमाटर का गूदा मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद धो दें। चेहरा खिल उठेगा।
- मुल्तानी मिट्टी में खीरे का रस व आलू का गूदा मिला कर आंखों के नीचे रखें। 10-15 मिनट बाद धो दें। काले घेरों से निजात मिलेगी।

चिपोटले बीन बरीटोज

सामग्री - 1 टेबलस्पून कैनोला ऑयल, 1 तुर्री लहसुन अच्छी तरह पिसी हुई, 1/2 टेबलस्पून चिपोटल मिर्च पाऊडर, 1/4 टेबल स्पून नमक, 1/3 कप पानी, 1 कप आर्गैनिक ब्लैक बीन्स (रैडी टू ईट), 1 कप आर्गैनिक किडनी बीन्स (रैडी टू इर्ट), 3 टेबलस्पून फ्रैश सालसा, 6 (10 इंच की) रिड्यूस फैट टोरटिल्स (रैडीमेड चपाती), 1 कप कटा मैक्सिकन पनीर मिश्रण, 1/2 कप बारीक कटा टमाटर, 1/2 कप ताजा छोटे लेटिस लीव, 6 टेबलस्पून कटा हुआ हरा प्याज, 6 टेबलस्पून लाइट सोर क्रीम

विधि - 1. एक नॉनस्टिक पैन में ऑयल डालकर गर्म करें और उसमें लहसुन डालें तथा एक मिनट तक पकाएं। अब इसमें नमक और चिली पाऊडर डाल कर 3 मिनट तक लगातार हिलाती रहें। अब इसमें 1/3 कप पानी तथा बीन्स डालकर उबालें। आंच कम कर 10 मिनट तक पकने दें। आंच से हटाकर सालसा डालें तथा फोर्क से बींस के मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। 2. गर्म टोरटिल्ज (पैकिंग पर लिखे अनुसार) पर लगभग 1/3 कप बींस के मिश्रण को मध्य में डालें और फैलाएं। उस पर अढ़ाई चम्मच चीज, 1/4 कप टमाटर, 1/4 कप लैटिस लीव, 1 टेबलस्पून प्याज तथा एक टेबलस्पून सोर क्रीम डालकर रोल करें। बाकी के टोरटिल्ज को भी इसी तरह तैयार करें। इन्हें आप 6 लोगों को सर्व कर सकती हैं।

एरोमैटिक स्लो-रोस्टेड टोमैटोज

सामग्री - 1 टेबलस्पून चीनी, 1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल, 1/2 टेबलस्पून नमक, 1/2 टेबलस्पून सूखे तुलसी के पत्ते, 1/2 टेबलस्पून सूखे अजवायन के पत्ते, 1/4 टेबलस्पून ताजा पिसी काली मिर्च। 16 टमाटर मध्यम आकार के (बीच से लम्बाई में कटे हुए) तथा कुकिंग स्प्रे

विधि- 1. ओवन को 200 डिग्री पर प्री-हीट करें, 2. पहले सात इन्ग्रेडिएंट्स एक बड़े बाऊल में डालें। टमाटरों पर सारे मसाले कोट हो जाएं इसलिए उन्हें हल्के हाथ से पलटाएं। एक बेकिंग शीट पर टमाटरों को व्यवस्थित करें। कटी हुई साइड ऊपर रखें। अब कुकिंग स्प्रे करें और इसे आप ओवन में रख दें। रोस्ट होने पर इसे बाहर निकाल लें और सर्विंग डिश में सजा लें। इसे आप 8 लोगों में सर्व कर सकते हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

धैर्य रखें

धैर्य रखें एआईएमआईएम के वरिष्ठ सांसद असदुद्दीन ओवैसी के तेवर पाकिस्तान के खिलाफ तो तलख हैं ही साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार को भी बृहस्पतिवार को भी चुनौती देते हुए कहा कि इस बार सिर्फ घर में घुस कर मारने की ही बात न हो बल्कि घुसकर बैठकर बैठ जाने की भी बात होनी चाहिए। ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को याद दिलाया कि संसद पहले ही पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का हिस्सा मान चुकी है ऐसे में अब वक्त है कि सरकार जमीन पर भी उसी संकल्प को लाए। ओवैसी ने केंद्र सरकार को सलाह देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की तरफ से नियंत्रण रेखा के पास कुछ इलाके खाली कर दिए गए हैं तो भारत को इस बार वहां सिर्फ हमला ही नहीं, बल्कि वहां कब्जा भी कर लेना चाहिए। इसका मतलब है कि सांसद असदुद्दीन ओवैसी पाकिस्तान के खिलाफ इस बार ऐसी कार्रवाई चाहते हैं कि मारो भागो जैसा न रहे बल्कि सबक सिखाने के लिए पर्याप्त रहे। बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहलगाम में मारे गए शुभम द्विवेदी के कानपुर स्थित निवास पर जाकर इतने भावुक हो गए कि उन्होंने प्रधानमंत्री से शीघ्रातिशीघ्र पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि उनकी दादी इंदिरा जी होती तो अभी तक पाकिस्तान पर हमला कर देतीं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूख अब्दुल्ला कहते हैं कि वह हमेशा ही दोनों देशों के बीच बातचीत के समर्थक रहे हैं किन्तु पाकिस्तान की हैवानियत से अब यही कहूंगा कि अब प्राधानमंत्री उसे जल्दी से जल्दी ऐसा सबक सिखाएं कि वह दुबारा ऐसा दु:साहस न कर सके। यदि वह तीनों नेताओं इस वक्त भारत के प्राधानमंत्री से आग्रह कर रहे हैं कि वह पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करें तो इसका मतलब है कि उन्हें जनभावनाओं का अच्छा अनुमान है। ये नेता जनता के बीच में ही रहते हैं, यही कारण है कि ये भी वह सोचते हैं जो आम जनता की सोच रही है। बहरहाल यह सेना का काम है कि वह हमले का स्थान, समय और लक्ष्य खुद निर्धारित करे। सरकार तो मात्र अनुमति ही दे सकती है। देश की जनता भी इस तथ्य को जानती है कि पूर्ण स्तर पर युद्ध से तबाही मानवता के लिए विभीषिका साबित होती है, यही कारण है कि दोनों देशों में से कोई भी विस्तारित युद्ध के पक्ष में नहीं होगा। किन्तु भारत अब जितना कदम बढ़ा चुका है वह युद्ध की शुरुआत ही तो है। यही कारण देश में इस बात की आम सहमति है कि सेना पाकिस्तान की धरती पर ही हमला करेगी इसका विस्तार और परिणाम जो भी होगा, सेना तात्कालिक निर्णय की रणनीति अपनाएगी। इतना तो निाति है कि भारत सरकार सेना को संसाधन मुहैया कराने का सार्थक प्रायास कर रही है और दुनिया भर में अपने देश के पक्ष में माहौल बनाने में सफलता हासिल करने के लिए भी हरसंभव प्रायास कर रही है। सरकार ने अभी तक तो स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए किसी भी हालात में अपने मित्र या शत्रु देश के दबाव में आने वाली नहीं है। भारत कार्रवाई में उतना ही विस्तार सुनिाति करेगा जिसमें वह सफलता हासिल कर ले। भारत को अच्छी तरह पता है कि जब एक बार युद्ध छिड़ जाता है तो किसी दूसरे देश के सामने गिड़गिड़ाने से मदद भीख में नहीं मिलती। मदद उसे ही मिलती है जो सक्षम होता है।यही कारण है कि भारत की सेना जब भी पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगी तो न ही किसी देश की मदद से और न ही किसी देश के निर्देशन में। वह कार्रवाई के सारे आयामों का अध्ययन और निर्धारण खुद ही करेगी। सच तो यह है कि सरकार बार-बार दोहरा रही है कि इस बार उरी और बालाकोट की तरह सीमित लक्षित हमले नहीं होंगे बल्कि आतंकवाद के आकाओं को ही निशाना बनाया जाएगा। मतलब कि सीधे आसिफ मुनीर और हाफिज सईद तथा पीओके है हमारे राजनेता इतना तो समझते ही हैं कि जब लक्ष्य बड़ा होता है तो रणनीति के अनुरूप प्राहार में समय भी लगता है। इसलिए राजनेताओं से उम्मीद की जानी चाहिए कि वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई हेतु न खुद धैर्य रखें बल्कि, जो लोग उन्हें अपना आदर्श मानते हैं उन्हें भी वास्तविकता से अवगत कराए कि यह वक्त धैर्य रखने का है अपनी सेना को तैयारी करने दें और पाकिस्तान को भयभीत होने दें।

ओवैसी ने केंद्र सरकार को सलाह देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की तरफ से नियंत्रण रेखा के पास कुछ इलाके खाली कर दिए गए हैं तो भारत को इस बार वहां सिर्फ हमला ही नहीं, बल्कि वहां कब्जा भी कर लेना चाहिए। इसका मतलब है कि सांसद असदुद्दीन ओवैसी पाकिस्तान के खिलाफ इस बार ऐसी कार्रवाई चाहते हैं कि मारो भागो जैसा न रहे बल्कि सबक सिखाने के लिए पर्याप्त रहे। बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहलगाम में मारे गए शुभम द्विवेदी के कानपुर स्थित निवास पर जाकर इतने भावुक हो गए कि उन्होंने प्रधानमंत्री से शीघ्रातिशीघ्र पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि उनकी दादी इंदिरा जी होती तो अभी तक पाकिस्तान पर हमला कर देतीं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूख अब्दुल्ला कहते हैं कि वह हमेशा ही दोनों देशों के बीच बातचीत के समर्थक रहे हैं किन्तु पाकिस्तान की हैवानियत से अब यही कहूंगा कि अब प्राधानमंत्री उसे जल्दी से जल्दी ऐसा सबक सिखाएं कि वह दुबारा ऐसा दु :साहस न कर सके।

कुछ अलग

अहंकार ने हमेशा परेशानी के सिवा कुछ नहीं दिया

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक मूर्तिकार (मूर्ति बनाने वाला) रहता था। वह ऐसी मूर्तियां बनता था, जिन्हें देख कर हर किसी को मूर्तियों के जीवित होने का भ्रम हो जाता था। आस-पास के सभी गांव में उसकी प्रसिद्धि थी, लोग उसकी मूर्तिकला के कायल थे। इसीलिए उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। जीवन के सफर में एक वक्ता ऐसा भी आया जब उसे लगने लगा कि अब उसकी मृत्यु होने वाली है, वह ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाएगा। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसकी मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिए उसने एक योजना बनाई। उसने हुबहू अपने जैसी दस मूर्तियां बनाई और खुद उन मूर्तियों के बीच जा कर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियों को देखकर दंग रह गए। वे पहचान नहीं कर पा रहे थे कि उन मूर्तियों में से असली मनुष्य कौन है। वे सोचने लगे अब क्या किया जाए। अगर मूर्तिकार के प्राण नहीं ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिए मूर्तियों को तोड़ा गया तो कला का अपमान हो जाएगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वाभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार को परखने का विचार आया। उसने मूर्तियों को देखते हुए कहा, कितनी सुन्दर मूर्तियां बनी हैं, लेकिन मूर्तियों में एक त्रुटी है। काश मूर्ति बनाने वाला मेरे सामने होता, तो मैं उसे बताता मूर्ति बनाने में क्या गलती हुई है। यह सुनकर मूर्तिकार का अहंकार जाग उठा, उसने सोचा, मेने अपना पूरा जीवन मूर्तियां बनाने में समर्पित कर दिया, भला मेरी मूर्तियों में क्या गलती हो सकती है? वह बोल उठा "कैसी त्रुटी"... झट से यमदूत ने उसे पकड़ लिया और कहा "बस यही गलती कर गए तुम अपने अहंकार में कि बेजान मूर्तियां बोला नहीं करती"।

परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है

हीटवेव की मार से हरियाणा-पंजाब की खेती और किसानों की आय दोनों संकट में

बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निर्माता अब इसे एक "रिस्क मल्टीप्लायर" के रूप में पहचान रहे हैं—ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी। चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है।

जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निर्माता अब इसे एक "रिस्क मल्टीप्लायर" के रूप में पहचान रहे हैं—ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी। चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है—गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है। पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है—समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है। लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं।

इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है। वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है—जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है। चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब "गीला बल्ब तापमान" एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का "हीट-इकोनॉमी ट्रैप" पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय—तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है। इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक "कैस्केडिंग फेल्योर" के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति शृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है—खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक—एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।भारतीय संस्कृति ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (adaptation) पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां—जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती—इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें। पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें। नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन (mitigation) के माध्यम से ही संभव है। अंततः, यह समझना आवश्यक है कि चरम गर्मी का यह संकट एक चेतावनी है—एक ऐसा संकेत जो हमें बताता है कि हमारी विकास प्रणाली प्रकृति की सीमाओं से टकरा रही है। खाद्य प्रणालियों को सुरक्षित रखने के लिए हमें केवल तकनीकी और नीतिगत बदलाव ही नहीं, बल्कि अपने दृष्टिकोण में भी परिवर्तन लाना होगा। सततता, लचीलापन और समावेशिता को केंद्र में रखकर ही हम इस चुनौती का सामना कर सकते हैं।

देश दुनिया से

पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बने

भारत में मौसम का बदलता मिजाज और वैशाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव-निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला-जुला परिणाम है। जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हज़ारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48 डिग्री सेल्सियस के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है। इस मानव-निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और गिग-इकोनॉमी के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5 डिग्री सेल्सियस से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना रहता है।

नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है। गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है। छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यह केवल मानव-पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था। वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल पौधारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति-निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म-जलवायु का हिस्सा थे जो फसलों को झुलसने से बचाती थी। हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि पर्यावरण का संरक्षण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। तभी हम इस मानव-निर्मित भट्टी से बाहर निकल पाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसी धरती दे पाएंगे जो केवल झुलसती नहीं, बल्कि जीवन भी प्रदान करती है।

आप का नज़रिया

जिंदगी निगलती रफ्तार

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। विडंबना यह भी कि सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती है, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है। वास्तव में कोशिश होनी चाहिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए होने वाले प्रयास जमीनी हकीकत भी बनें, जो वास्तव में राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे को दुर्घटनाओं से निरापद बना सकें। निस्संदेह, चौड़ी व तेज गति देने वाली सड़कें देश के विकास को प्राणवायु देती हैं, लेकिन ये सड़कें यात्रियों की प्राण रक्षा करने वाली भी होनी चाहिए। सरकार की तरफ से कोशिश होनी चाहिए कि राजमार्गों पर ढाबे एक निश्चित दूरी पर हों और उनके पास ट्रकों व भारी वाहनों को खड़ा करने का पर्याप्त स्थान हो। साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बने और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए। इन मार्गों पर अंधेरे में भी नजर आने वाले पर्याप्त संकेतक होने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी तरह का असमंजस राजमार्ग पर चलते हुए न हो। वक्त आ गया है कि देश में दुर्घटनाओं को टालने के लिए आधुनिक यातायात प्रणाली के अनुसंधान व प्रयोग की दिशा में काम किया जाए।

देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है।

दृष्टि कोण

स्कूल की चौखट पर खड़ा बाजार, भीतर सिमटती शिक्षा

निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी पुस्तकों के अनुपालन का सवाल अब महज़ पाठ्य सामग्री का विवाद नहीं रहा, बल्कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था के चरित्र की परीक्षा बन चुका है। जब एक ओर कानून स्पष्ट दिशा देता हो और दूसरी ओर संस्थान स्वार्थवश उससे भटकें, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि नैतिक विचलन का संकेत होता है। अप्रैल 2026 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा केंद्र, सीबीएसई और सभी राज्यों को जारी नोटिस ने इस विडंबना को उजागर किया है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा का अधिकार कानून केवल औपचारिक घोषणा बनकर रह गया है, या उसे लागू करने की प्रतिबद्धता ही क्षीण हो गई है। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि शिक्षा में समानता का मूल सिद्धांत निरंतर दबाव और उपेक्षा के बीच संघर्ष कर रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की धारा 29 ने स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया था कि प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8) में पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण एनसीईआरटी या संबंधित एससीईआरटी द्वारा किया जाएगा। इसी सोच के तहत एनसीईआरटी और एससीईआरटी को पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के निर्धारण का अधिकार सौंपा गया। इन संस्थाओं द्वारा तैयार पुस्तकें न केवल शैक्षणिक रूप से संतुलित और विश्वसनीय होती हैं, बल्कि आम परिवारों के लिए किफायती भी रहती हैं। इसके विपरीत, निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें इस मूल उद्देश्य को कमजोर करती हैं। जब एक ही कक्षा की पुस्तकों पर हजारों रुपये खर्च होने लगें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या शिक्षा अब अधिकार से ज्यादा एक लाभकारी व्यापार में बदलती जा रही है। निजी विद्यालयों में महंगी पुस्तकों को अनिवार्य बनाना कोई आकस्मिक भूल नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित आर्थिक तंत्र की ओर संकेत करता है। कई स्थानों पर स्कूल और प्रकाशक मिलकर ऐसा गठजोड़ रचते हैं, जिसमें शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाता है और मुनाफा केंद्र में आ जाता है। अभिभावकों को "उच्च गुणवत्ता" और "अधिक उपयोगी सामग्री" का

हवाला देकर इन पुस्तकों को खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जबकि इन दावों की ठोस पुष्टि प्रायः नहीं होती। इस पूरी प्रक्रिया में अभिभावकों की विवशता का व्यवस्थित दोहन होता है और वे विरोध करने में असहाय महसूस करते हैं। ऐसी प्रवृत्ति शिक्षा के नैतिक आधार को कमजोर करती है और संस्थागत विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। सबसे चिंताजनक परिणाम एक तेजी से गहराते शिक्षा-विभाजन के रूप में सामने आता है। जहां सरकारी विद्यालयों के बच्चे सस्ती, मानकीकृत और समान पुस्तकों से पढ़ते हैं, वहीं निजी स्कूलों के छात्र महंगी और अलग सामग्री पर निर्भर होते हैं, जिससे उनके ज्ञान का आधार ही भिन्न बन जाता है। यही अंतर आगे चलकर अवसरों की खाई को और चौड़ा कर देता है। मध्यम और निम्न वर्गीय परिवार पहले से ही शिक्षा पर बढ़ते खर्चों का दबाव झेल रहे हैं, ऐसे में किताबों का अतिरिक्त आर्थिक बोझ उनके लिए बेहद असहनीय हो जाता है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को नहीं बढ़ाती, बल्कि समाज में गहराते असंतुलन और विभाजन को भी और मजबूत करती है। इस पूरे परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पहल एक महत्वपूर्ण और समयोचित हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है, जिसने शिक्षा के अधिकार को मानवाधिकार के व्यापक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता को और स्पष्ट किया है। अनावश्यक तथा भारी-भरकम पुस्तकों का बढ़ता बोझ बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जो राष्ट्रीय स्कूल बैग पॉलिसी 2020 की मूल भावना के विपरीत है।

गुजरात की लगातार तीसरी जीत: पंजाब ने सीजन में दूसरा मैच गंवाया; साई सुदर्शन की फिफ्टी; होल्डर को 4 विकेट

अहमदाबाद: आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मैच खेला गया, जिसमें आखिरी ओवर में गुजरात की टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में भले ही पंजाब की टीम ने सिर्फ 163 रन बोर्ड पर लगाए। लेकिन गुजरात को जीत हासिल करने में आखिरी ओवर तक जोर लगाना पड़ा। आखिरी ओवर में गुजरात की टीम को जीत के लिए 11 रन की जरूरत थी और मार्कस स्टोइनिस की 5वीं गेंद पर वाशिंगटन सुंदर ने छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया।गुजरात के लिए इस मैच में ओपनिंग करने आए साई सुदर्शन ने 41 गेंद पर 57 रन की पारी खेली। वहीं नाबाद 40 रन की पारी खेलकर वाशिंगटन सुंदर ने अपनी टीम की जीत को तय किया। इसके अलावा 26 रन जोस बटलर और 15 रन की पारी निशांत सिद्धू ने खेली। वहीं पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह और विजयकुमार वैशाख ने 2-2 विकेट हासिल किए। पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत के लिए 164 रन का टारगेट रखा था। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स ने 9 विकेट खोकर 163 रन बनाए। इस टीम को पहले ही ओवर की दूसरी गेंद पर प्रियांश आर्य (2) और तीसरी गेंद पर कूपर कोनोली (0) के रूप में लगातार दो झटके लगे। किंग्स ने महज 2 रन तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह ने मोर्चा संभालने की कोशिश की।प्रभसिमरन ने कप्तान श्रेयस अय्यर (19) के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 33 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 35 के स्कोर तक पहुंचाया। प्रभसिमरन 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद टीम ने 47 के स्कोर तक अपने 5 विकेट खो दिए। यहां से मार्कस स्टोइनिस ने सूर्यांश शेडगे के साथ 44 गेंदों में 79 रन जुटाकर टीम को 126 के स्कोर तक पहुंचाया।सूर्यांश 29 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 57 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि स्टोइनिस ने 31 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 40 रन की पारी खेली।

न्यूज़ ब्रीफ

सीन एबॉट ने बयां किया फिलिप ह्यूज़ की मौत का दर्द

नई दिल्ली। सीन एबॉट अपने दोस्त फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को याद कर एक बार फिर भावुक हो गए। यह घटना कई बार उन्हें भावुक कर देती हैं। क्रिकेट इतिहास के सबसे डरावने और रूह कंपा देने वाले पलों में ऑस्ट्रेलिया के उभरते स्टार फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को हमेशा याद किया जाता है, जो 25 नवंबर 2014 को सीन एबॉट के एक बाउंसर के कारण हुई थी। सिडनी में एक घरेलू मैच के दौरान यह घातक घटना घटी, जब एबॉट की गेंद ह्यूज़ की गर्दन के पास लगी, जिससे उनकी धमनी को चोट पहुंची और दो दिन बाद सेंट विंसेंट अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। इस त्रासदी ने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना का सबसे गहरा असर गेंदबाज़ सीन एबॉट पर पड़ा था। वे कई महीनों तक ह्यूज़ की मौत के सदमे में रहे, और उस पल की यादें उनके मन में गहराई तक बस गईं। एबॉट ने उस भयानक पल को याद करते हुए लिखा था कि उन्हें लगा था कि फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। अगर बल्लेबाज़ शॉट में जल्दी करता है तो लगता है कि गेंद उतनी तेज़ नहीं थी जितनी उसने सोची थी। मुझे याद नहीं कि गेंद तेज़ थी या धीमी।

पाकिस्तान कप्तान ने एशिया कप हैंडशेक विवाद पर खोला राज

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भारतीय टीम के साथ हुए हैंडशेक विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उनकी टीम मैच खत्म होने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम तक हाथ मिलाने गई थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा नहीं किया। सलमान ने याद दिलाया कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच कुल तीन भिड़ंत हुई थीं, और तीनों ही मौकों पर भारतीय टीम ने हाथ मिलाने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट से पहले हुए फोटोशूट और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने निश्चित रूप से हाथ मिलाए थे। पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले गए उस एशिया कप में, सलमान अली आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खेमे ने यह नीति पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के सम्मान में और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के उद्देश्य से अपनाई थी। इस नीति के तहत, टॉस के समय और मैच की समाप्ति के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ के बीच कोई हैंडशेक नहीं हुआ था, जिससे यह घटना काफी चर्चा का विषय बनी रही। पॉडकास्ट में विस्तार से बात करते हुए, पाकिस्तान के टी20 कप्तान सलमान अली आगा ने बताया कि टूर्नामेंट से पहले होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस और ट्रॉफी फोटोशूट के दौरान तो दोनों टीमों के बीच सामान्य तरीके से हैंडशेक हुआ था। इसी कारण, उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मैच के बाद हालात अलग होंगे।

रुतुराज ने कार्तिक, कंबोज और नूर की जमकर प्रशंसा की

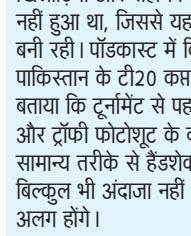

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत पर खुशी जताई है। रुतुराज में मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए युवा कार्तिक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। रुतुराज ने कहा कि कार्तिक लंबे छक्के लगाने वाला खिलाड़ी है। इससे अलावा उन्होंने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज और स्पिनर नर अहमद की कसी हुई गेंदबाजी की भी प्रशंसा की है। अंशुल ने 3 जबकि नूर ने 2 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में प्रमुख भूमिका निभाई। इस मैच में जीत के साथ ही सीएसके की प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बढ़ी हैं। इस मैच में सीएसके के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई को 159 रनों पर ही रोक दिया। सीएसके ने कप्तान रुतुराज और कार्तिक के अर्धशतकों की सहायता से 11 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 159 रन बनाये। सीएसके की ओर से कम्बोज ने तीन विकेट जबकि नूर ने दो विकेट लिए। इन गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से मुंबई की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही। । सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन 11 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद उर्विल पटेल ने 12 गेंदों में तेजी से 24 रन बनाए। दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया।

आईपीएल में कोलकाता की लगातार तीसरी जीत : हैदराबाद को 7 विकेट से हराया; रघुवंशी की फिफ्टी, वरुण को 3 विकेट

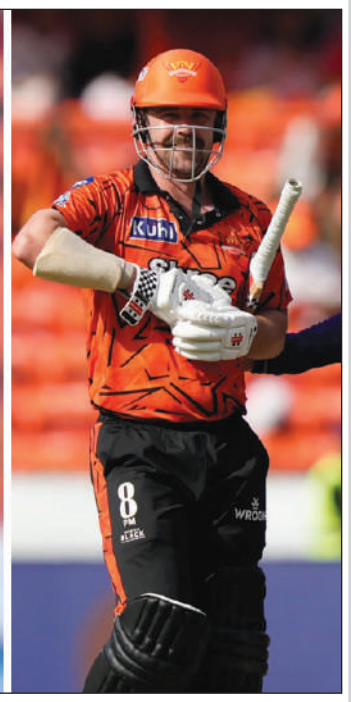

हैदराबाद: सनराइजर्स हैदराबाद का विजय रथ आखिरकार कोलकाता नाइट राइडर्स ने रोक ही दिया। अपने घर में खेलते हुए हैदराबाद की टीम 165 रनों के स्कोर को डिफेंड नहीं कर पाई। मैच के बाद कप्तान पैट कमिंस ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि टीम की बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और गेंदबाजी के दौरान उनके खुद के एक महंगे ओवर ने मैच को हैदराबाद की मुट्ठी से निकाल दिया।

200 रन बनाने से चूक गई हैदराबाद की टीम

मैच के बाद कमिंस ने कहा, 'आज हमारा दिन अच्छा नहीं था। हमने शुरुआत तो काफी अच्छी की थी, लेकिन उसके बाद हम अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। जिस स्थिति में हम थे, हमें कम से कम 180 या 200 के पार पहुंचना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।' कमिंस का मानना था कि पिच धीमी हो रही थी, फिर भी 180 का स्कोर इस मैदान पर पार स्कोर था।

गेंदबाजी में भारी पड़ा कमिंस का महंगा ओवर

सनराइजर्स के गेंदबाजों ने मैच को अंत तक खींचने की पूरी कोशिश की, लेकिन कप्तान कमिंस ने एक बड़ी गलती मान ली। उन्होंने कहा, 'मेरे एक ओवर में जो 27 रन गए, उसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।'

कमिंस के मुताबिक, छोटे-छोटे पल ही टी20 में बड़ा अंतर पैदा करते हैं और आज वो पल हैदराबाद के हक में नहीं रहे। उन्होंने खुद को भी उन गलतियों का हिस्सा माना जहां टीम सही मौके नहीं चुन पाई।

5 मैचों की जीत के बाद मिली पहली हार

लगातार पांच मैच जीतने के बाद मिली इस हार पर कमिंस ने टीम का बचाव भी किया। उन्होंने कहा, 'हमने अभी भी मैदान पर कई अच्छी चीजें कीं। हमारी गेंदबाजी यूनिट ने मैच को आखिर तक घसीटा। आईपीएल में जीत-हार का अंतर बहुत कम होता है। हम अपनी गलतियों से सीखेंगे और अगले मैच में वापसी करेंगे।'

मैच का हाल, केकेआर की आसान जीत

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की टीम ने 20 ओवर में 165 रन बनाए। जवाब में केकेआर के बल्लेबाजों ने तूफानी खेल दिखाया। कोलकाता ने महज 18.2 ओवर में 3 विकेट खोकर 169 रन बना लिए और 7 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की।

केकेआर के लिए यह जीत उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली रही, जबकि हैदराबाद को अपनी डेथ ओवर बॉलिंग पर दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया।

इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए महिला टीम का ऐलान, टी20 और वनडे स्क्वॉड घोषित

नई दिल्ली

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की महिला 'ए' टीम का ऐलान कर दिया गया है। चयन समिति ने इंडिया-ए महिला क्रिकेट टीम की टी20 और वनडे दोनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग स्क्वॉड घोषित किए हैं, जो इंग्लैंड-ए महिला टीम के खिलाफ सीरीज खेलेंगे।

टी20 टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी अनुष्का शर्मा को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी वृंदा दिनेश को दी गई है। टीम में युवा और उभरते खिलाड़ियों को मौका दिया गया है, जिनमें जी. कमलिनी (विकेटकीपर), उमा चेत्री, वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत, पूर्वजा वर्लेकर, जिंतिमानी कलिता, सैमा ठाकोर, सिमरन बहादुर, श्वेता सहरावत, दीया यादव, मिन्नू मणि, शबनम शकील और तनुजा कंवर शामिल हैं।

वहीं वनडे टीम की कप्तानी हरलीन देओल को सौंपी गई है, जबकि प्रतिका रावल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम में प्रिया पुनिया, तनिषा सिंह, जी. कमलिनी (विकेटकीपर), उमा चेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसबनीस, निकी प्रसाद, प्रेमा रावत, तनुजा कंवर, वैष्णवी शर्मा, शबनम शकील, सयाली सतघरे, जिंतिमानी कलिता और सैमा ठाकोर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

इस दौरे को युवा खिलाड़ियों के लिए अहम अवसर माना जा रहा है, जहां वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित कर सकेंगे। चयनकर्ताओं ने संतुलित टीम बनाने की कोशिश की है, जिसमें अनुभव और युवा जोश का अच्छा मिश्रण देखने को मिलता है।

इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण माना जाता है, ऐसे में यह सीरीज खिलाड़ियों के कौशल और मानसिक मजबूती की भी परीक्षा होगी। इस दौरे से कई नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आ सकती हैं, जो भविष्य में सीनियर टीम के लिए दावेदारी मजबूत करेंगी।

ग्रेटर नोएडा में 5वीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा। व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन (डब्ल्यूसीआईए) की आयोजित 5वीं राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ हो गया है। ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मशहूर फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ ने शनिवार को चैंपियनशिप का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 10 मई तक चलेगा। इसमें पूरे देश की शीर्ष टीमें एक रोमांचक 'सुपर 5' ग्रैंड फाइनल फ़ॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो भारत में व्हीलचेयर क्रिकेट के उच्चतम स्तर को प्रदर्शित करेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए अभिनेता जैकी श्रॉफ ने खिलाड़ियों के जुनून और दृढ़ संकल्प से बेहद प्रभावित होकर एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि सभी के लिए मेरा संदेश यह है कि जिंदगी में बिंदास रहो। ये खिलाड़ी बहुत अच्छा खेल रहे हैं। मैंने इन खिलाड़ियों को देखा और उनके जुनून को देखकर मैं अभिभूत हो गया।

खेल मंत्री मांडविया ने मदिकेरी में उभरते हॉकी खिलाड़ियों से की मुलाकात, बताया - 'भविष्य के ओलंपियन'

मदिकेरी

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कर्नाटक के मदिकेरी स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रशिक्षण केंद्र का दौरा कर युवा हॉकी खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने पर जोर देते हुए भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में इसे अहम बताया।

मांडविया ने विशेष रूप से कोडवा समुदाय की महिला हॉकी खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि कोडगु जिला भारतीय हॉकी की मजबूत नींव रखने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है। इस समुदाय से कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और ओलंपिक में भी हिस्सा ले चुके हैं। खेल मंत्री ने कहा कि देश में खेलों के लिए व्यापक और मजबूत ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसमें जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को आगे लाना प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और सही दिशा में प्रयासों से देश वैश्विक स्तर पर खेलों में मजबूत पहचान बना सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मांडविया ने उम्मीद जताई कि वर्ष 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें शानदार प्रदर्शन करेंगी। मदिकेरी स्थित साई प्रशिक्षण केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस है और यहां युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह केंद्र देश के विभिन्न राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के लिए प्रतिभाएं तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मांडविया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ये युवा खिलाड़ी भविष्य में भारत का नाम रोशन कर सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई

आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है।

इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिकाा में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

इस सत्र में बुमराह को मुंबई की ओर से नौ मैचों में तीन विकेट मिले हैं। सूर्यकुमार का औसत 20 रन है और तिलक हर मैच में करीब 24 रन बना रहे हैं। इन तीनों खिलाड़ियों के बावजूद मुंबई का अब तक का अभियान अच्छा नहीं रहा है और टीम लगभग प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। जयवर्धने ने अपने शीर्ष खिलाड़ियों को दोष देन से से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि सूर्यकुमार जैसे खिलाड़ी को फॉर्म में लौटने के लिए बस कुछ अच्छी पारियों की जरुरत है।

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उनका आउटपुट कम हुआ है। अगर उन्हें कुछ अच्छी पारियां मिल जाएं तो वो फिर से लय में आ जाएंगे। आज भी उन्होंने उस फेज में शानदार बल्लेबाजी की और गेंदबाजों पर दबाव बनाया। अगर वो कुछ ओवर और खेल जाते तो बड़ा स्कोर बना सकते थे। कभी-कभी जब चीजें आपके पक्ष में नहीं होतीं तो सबकुछ हाथ से निकल जाता है।.'

वहीं तिलक को लेकर जयवर्धने ने कहा कि वो अभी भी सीख रहे हैं कि टी20 फॉर्मेट में अपनी बल्लेबाजी को कैसे आगे बढ़ाना है। उनके अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने के तरीके को लेकर चिंता जरूर है, लेकिन श्रीलंकाई दिग्गज का मानना है कि अनुभव के साथ सब ठीक हो जाएगा। जयवर्धने ने कहा, 'तिलक भी अभी सीख रहे हैं और उन्हें अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ रही हैं। टी20 क्रिकेट इतना आसान नहीं है। जितना ज्यादा वो अलग-अलग हालातों में खेलेंगे, उतना ही समझ पाएंगे कि उन्हें क्या करना है।' वहीं बुमराह का विकेट न लेना भी टीम के लिए नुकसानदायक रहा है। जयवर्धने के अनुसार, ये सिर्फ बुमराह की नहीं, बल्कि पूरी गेंदबाजी इकाई की समस्या है।

टाटा संस पर शेयर बाजार में लिस्टिंग को लेकर चौतरफा दबाव

प्राक्सी एडवाइजरी ने आरबीआई से लिस्टिंग के निर्देश जारी करने का किया आग्रह

मुंबई

टाटा की होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर शेयर बाजार में लिस्टिंग को लेकर चौतरफा दबाव बन रहा है। इसी कड़ी में अब प्राक्सी एडवाइजरी या संस्थागत निवेशकों को सलाह देने वाली कंपनी इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने आरबीआई से आग्रह किया है कि वह टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर निर्देश जारी करे।

इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने कहा कि हाई लेयर वाली एनबीएफसी के रूप में मार्च 2027 तक सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। एक रिपोर्ट में कहा है कि मौजूदा नियामकीय आउटलुक में इतने बड़े संस्थान को लिस्टिंग से छूट देने का कोई कानूनी आधार नहीं बचा है।

इसके साथ ही सलाहकार फर्म ने यह मांग भी रखी है कि टाटा संस द्वारा प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में रजिस्ट्रेशन समाप्त करने के आवेदन को आरबीआई औपचारिक रूप से खारिज कर दे। बता दें कि टाटा संस ने मार्च 2024 में यह आवेदन दायर किया था, जिसे फर्म ने सार्वजनिक सूचीबद्धता से बचने की एक कोशिश बताया।

रिपोर्ट के मुताबिक 2026 में जारी संशोधित नियामकीय दिशा-निर्देशों के बाद यह आवेदन प्रक्रियात्मक और वास्तविक रूप से अप्रासंगिक हो गया है। फर्म ने कहा कि स्किल-आधारित नियमन स्ट्रक्चर के तहत अनिवार्य सूचीबद्धता से बचने का प्रयास मौजूदा वित्तीय निगरानी मानकों के अनुरूप नहीं है।

फर्म ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सूचीबद्धता नियम समूह स्तर पर संबंधित पक्षों में लेनदेन और पूंजी आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हैं। खासकर टाटा संस के तहत टीसीएस, टाटा मोटर्स और टाटा पावर जैसी बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के आने से यह जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई को मार्च 2024 के आवेदन को खारिज करते हुए स्पष्ट आदेश जारी करना चाहिए ताकि एसबीआर स्ट्रक्चर की विश्वसनीयता बनी रहे और टाटा समूह में निवेश करने वाले करोड़ों निवेशकों के हितों की रक्षा हो सके।

फर्म ने यह भी कहा कि अप्रैल 2026 के ड्राफ्ट दिशा-निर्देशों के तहत एक लाख करोड़ रुपए की एसेट लिमिट को हाई लेयर वाली एनबीएफसी के रूप में वर्गीकरण के लिए मानक बनाया जाना चाहिए। इस आधार पर टाटा संस अपने आकार के कारण स्वत: ही इस श्रेणी में आ जाती है। हालांकि, टाटा संस की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बता दें टाटा की होल्डिंग कंपनी टाटा संस करीब 1.75 लाख करोड़ की एसेट्स को नियंत्रित करती है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने रोहित जैन, अनुभवी अधिकारी टी रबी शंकर का स्थान लेंगे

नई दिल्ली। सरकार ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उन्हें तीन साल के कार्यकाल के लिए यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। जैन, टी रबी शंकर का स्थान लेंगे, जिनका विस्तारित कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई या उसके बाद पदभार ग्रहण करने की तारीख से रोहित जैन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आरबीआई अधिनियम 1934 के अनुसार केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए। रोहित जैन के साथ अब स्वामीनाथन जे, पूनम गुप्ता और एस सी मुर्मू अन्य तीन डिप्टी गवर्नर होंगे। जैन का पदभार संभालना टी रबी शंकर के विस्तारित कार्यकाल की समाप्ति के बाद हुआ है, जिन्हें सितंबर 2021 में नियुक्त किया गया था और बाद में उनके कार्यकाल को 2024 और फिर 2025 तक बढ़ाया गया था। रोहित जैन एक अनुभवी अधिकारी हैं और इससे पहले आरबीआई में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उनके पास केंद्रीय बैंकिंग, विदेशी मुद्रा प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का व्यापक अनुभव है। उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय में हुई है जब आरबीआई के समक्ष वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने और बढ़ती मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाने जैसी प्रमुख चुनौतियां हैं।

चार नई इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड एसयूवी लान्च करेंगी ये कंपनी

नई दिल्ली

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर अब नए प्रोडक्ट्स के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करने की बड़ी तैयारी में जुट गई है। आने वाले समय में कंपनी भारतीय बाजार में चार नई इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड एसयूवी लान्च करने की योजना बना रही है। इन अपकमिंग माडलों में एमजी आईएम6, एमजी स्टारलाइट 560, एमजी एस5 और एमजी स्टारलाइट 560 ईवी शामिल हैं।

कंपनी का फोकस तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन सेगमेंट में अपनी पकड़ को और मजबूत करना है। एमजी आईएम6 को प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर पेश किया जाएगा। इसकी सीधी टक्कर हुंडई आयोनिक 5, किआ ईवी6 जीटी, बीवाईडी सीलायन 7 और टेस्ला माडल वाई जैसी गाड़ियों से मानी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध इसके रियर व्हील ड्राइव माडल में सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो 408 बीएचपी की ताकत पैदा करती है। वहीं इसका आल व्हील ड्राइव वेरिएंट 778 बीएचपी तक की पावर और दमदार परफार्मेंस देने में सक्षम है। कंपनी की दूसरी महत्वपूर्ण पेशकश एमजी स्टारलाइट 560 होगी, जो भारत में कंपनी की पहली प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी बन सकती है। इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ 20.5 किलोवाट आवर का बैटरी पैक दिया जाएगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह माडल भारत में सात सीटर विकल्प के रूप में लान्च किया जा सकता है, जिससे यह फैमिली एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदारी पेश करेगी। वहीं एमजी एस5 इलेक्ट्रिक एसयूवी मौजूदा जेडएस ईवी की जगह ले सकती है। दूसरी ओर एमजी स्टारलाइट 560 ईवी को प्योर इलेक्ट्रिक माडल के रूप में पेश किया जाएगा। इसमें 56.7 किलोवाट आवर बैटरी पैक मिलने की संभावना है, जो फुल चार्ज पर लगभग 500 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम होगी। इसमें बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस ऐपल कारप्ले, एंड्रायड आटो और कई आधुनिक फीचर्स मिलने की उम्मीद है।

एथर नए इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच करने की तैयारी में

नई दिल्ली। एथर एनर्जी अब कम कीमत वाले नए इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच करने की तैयारी में जुट गई है। पिछले कुछ वर्षों में एथर कंपनी ने बिक्री के मामले में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। खासतौर पर रिज्टा स्कूटर लॉन्च होने के बाद एथर की बिक्री में बड़ी तेजी देखने को मिली है। अब कंपनी अपने नए ईएल प्लेटफार्म पर आधारित पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर को बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। हाल ही में इस नए स्कूटर को टेस्टिंग के दौरान देखा गया, जिसके बाद इसे लेकर बाजार में चर्चाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि यह माडल कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में बड़ा बदलाव ला सकता है। एथर ने अपने ईएल प्लेटफार्म की पहली झलक कम्युनिटी डे 2025 के दौरान दिखाई थी। कंपनी ने इस प्लेटफार्म को माड्यूलर और अफार्डेबल तरीके से तैयार किया है, ताकि एक ही प्लेटफार्म पर अलग-अलग बैटरी क्षमता और फीचर्स वाले कई माडल विकसित किए जा सकें। रिपोर्ट्स के अनुसार इस प्लेटफार्म पर आधारित स्कूटरों में 2 किलोवाट आवर से लेकर 5 किलोवाट आवर तक के बैटरी विकल्प मिल सकते हैं। इसके अलावा लागत कम रखने और बेहतर टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी एलएफपी बैटरी तकनीक का इस्तेमाल भी कर सकती है। बताया जा रहा है कि शुरुआती माडल में बेसिक फीचर्स पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा, जबकि इसके महंगे वेरिएंट में टीएफटी डिस्प्ले, स्मार्ट कनेक्टिविटी, एडवांस राइडिंग मोड और अन्य आधुनिक फीचर्स देखने को मिल सकते हैं।

एनपीएस में बड़ा बदलाव, जुलाई 2026 से जेब पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटर पीएफआरडीए ने एनपीएस खातों पर लगने वाले सालाना मेंटेनेंस चार्ज (एएमसी) में बदलाव की घोषणा की है, जो जुलाई 2026 से लागू होंगे। 29 अप्रैल को जारी इस सर्कुलर का मकसद शुल्कों में एकरूपता लाना और मौजूदा विसंगतियों को दूर करना है।

इन नए नियमों का सीधा असर आपके टियर-1, टियर-2 और निष्क्रिय (डार्मेंट) खातों पर पड़ेगा, जिससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग की लागत में बदलाव आ सकता है। टियर-1 और टियर-2 खाते हुए बराबर एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए एक अहम बदलाव टियर-2 खातों से संबंधित है। अब तक टियर-1 और टियर-2 खातों के

टियर-2, डार्मेंट खातों और विभिन्न निवेश स्कीम्स पर पड़ेगा सीधा असर

मेंटेनेंस चार्जेस में अंतर था, लेकिन पीएफआरडीए ने अब इन्हें एक समान कर दिया है। इसका अर्थ है कि टियर-2 खाते पर भी वही सालाना मेंटेनेंस चार्ज लगेगा जो उसी सेक्टर के टियर-1 खाते पर लागू होता है। यह उन निवेशकों के लिए मायने रखता है जो टियर-2 को बचत के एक लचीले विकल्प के तौर पर देखते थे, क्योंकि अब इसकी लागत बढ़ जाएगी। हालांकि, छोटे निवेशकों को राहत देते हुए, अगर किसी तिमाही के अंत में टियर-2 खाते का बैलेंस 1,000 रुपये या उससे कम है, तो कोई मेंटेनेंस चार्ज नहीं लिया जाएगा। हर स्कीम पर अलग चार्ज इसके अलावा पीएफआरडीए ने स्पष्ट किया है कि एक ही पीआरएएन (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) के तहत हर पेंशन स्कीम को अब एक अलग खाता माना जाएगा। इसका मतलब है कि यदि आपने इक्विटी, कार्पोरेट बान्ड और सरकारी सिक्योरिटी जैसी विभिन्न स्कीम्स में पैसा लगाया है, तो हर स्कीम पर अलग से मेंटेनेंस चार्ज लग सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

उल्टी...

कुछ छोटे दल भी अहम इलाकों में असर डालने का दावा कर रहे हैं। हालांकि दक्षिण 24 परगना जिले की फलता सीट पर गंभीर चुनावी गड़बड़ियों के कारण मतदान रद्द कर दिया गया था। वहां 21 मई को दोबारा मतदान होगा। इसलिए इस सीट की मतगणना अभी नहीं होगी।

असम 126 सीटें, 40 मतगणना केंद्र

असम में एनडीए गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की उम्मीद कर रही है। यहां 126 विधानसभा सीटों के लिए 40 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। कुल 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य में 85.96 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, कांग्रेस के गौरव गोगोई और रायजोर दल के अखिल गोगोई जैसे बड़े चेहरे चर्चा में हैं। मतगणना केंद्रों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 25 कंपनियां तैनात की गई हैं। इसके अलावा राज्य पुलिस की 93 कंपनियां भी सुरक्षा में लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार मतगणना शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं।

केरलम में किसकी बनेगी सरकार?

केरलम में मुकाबला मुख्य रूप से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के बीच है। वाम मोर्चा पिछले दो कार्यकाल से सत्ता में है, लेकिन इस बार कांग्रेस को 2024 लोकसभा चुनाव और हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन से उत्साह मिला है। भाजपा गठबंधन भी राज्य में अपनी राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश में है। 140 सीटों के लिए 883 उम्मीदवार मैदान में हैं। केरलम में 140 सीटों के लिए 883 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतगणना के लिए 140 केंद्र बनाए गए हैं। लगभग 15,464 कर्मियों को इस काम में लगाया गया है। केंद्रीय बलों की 25 कंपनियां भी सुरक्षा के लिए तैनात की गई हैं। अगर वाम मोर्चा हारता है, तो यह पहली बार होगा जब 1960 के दशक के बाद किसी भी राज्य में वामपंथी दल सत्ता में नहीं होंगे।

तमिलनाडु में विजय पर नजरें

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) दूसरी बार लगातार सरकार बनाने की उम्मीद कर रही है। यहां राजनीतिक परिदृश्य पहले से बदला हुआ है। पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के अलावा अभिनेता विजय की पार्टी और सीमन की पार्टी ने भी चुनाव को दिलचस्प बनाया है। राज्य में 234 विधानसभा सीटों के लिए 62 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। लगभग 1.25 लाख कर्मियों की तैनाती की गई है। मतगणना के लिए 10,545 कर्मी लगाए गए हैं। चुनाव आयोग ने हर विधानसभा क्षेत्र के लिए एक-एक मतगणना पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

पुडुचेरी में किसके बीच मुकाबला?

पुडुचेरी में भी मुकाबला दिलचस्प है। यहां छह मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। एनडीए में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दल शामिल हैं। एनडीए को विपक्षी गठबंधन से कड़ी चुनौती मिल रही है। यह चुनाव केंद्रशासित प्रदेश की राजनीतिक दिशा तय करेगा।

उपचुनाव के भी नतीजे आएंगे

इन राज्यों के अलावा गोवा, कर्नाटक, नागालैंड, गुजरात, त्रिपुरा और महाराष्ट्र की आठ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों की मतगणना भी सोमवार को होगी। ये उपचुनाव मौजूदा विधायकों के निधन के कारण कराए गए थे।

क्या कहते हैं राजनीतिक विश्लेषक?

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इन चुनावों के नतीजे केवल राज्यों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी असर डालेंगे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की स्थिति, असम में भाजपा की पकड़, केरल में कांग्रेस और वाम दलों की ताकत, और तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति की दिशा देशभर में चर्चा का विषय रहेगी। सोमवार का दिन कई नेताओं के लिए उम्मीद और चिंता दोनों लेकर आएगा। जनता का फैसला ईवीएम में बंद है, जो अब खुलने वाला है। पांच राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश की सत्ता का भविष्य तय करेगा कि किसके सिर जीत का ताज सजेगा और किसे आत्ममंथन करना पड़ेगा। देशभर की नजरें अब मतगणना पर टिकी हैं।

बंगाल में कूड़े...

एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि 107-नोआपारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गरुड़िया में स्थित बूथ संख्या 29 की सैकड़ों वीवीपैट पर्चियां, दत्तापुकुर पुलिस स्टेशन और मध्यमग्राम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सुभाष नगर में कूड़े के ढेर में मिली हैं। अर्जुन सिंह ने पूछा है कि यह कैसे संभव है? वीवीपैट पर्चियों को संबंधित ईवीएम के साथ स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाना चाहिए था, लेकिन उन्हें कूड़े में फेंक दिया गया है। बीजेपी कैंडिडेट ने कहा है कि चुनाव आयोग से अपील करते हैं कि इस मामले की जांच की जाए और इस घटना के लिए जिम्मेदार दोषियों की पहचान की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मतगणना प्रक्रिया किसी भी तरह से दूषित न हो।

सीपीएम के स्टेट सचिव मोहम्मद सलीम ने दावा किया है कि ज्यादातर वीवीपैट पर्चियां सीपीएम के उम्मीदवार से जुड़ी हैं। पश्चिम बंगाल में सोमवार को 8 बजे सुबह से वोटों की गिनती होगी। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। बंगाल में 293 मतगणना स्थल बनाए गए हैं, जहां कुल 459 मतगणना हॉल में वोटों की गिनती होगी। इनमें 129 एकल और 163 डबल मतगणना हॉल शामिल हैं। राज्य में वोटों की गिनती पारदर्शी रूप से संचालित करने के लिए कुल 539 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से राज्य पुलिस, राज्य सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय बलों को तीन-स्तरीय सुरक्षा घेरा प्रणाली में तैनात किया गया है। मतगणना एजेंटों को मतगणना पूरी होने तक परिसर छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। उन्हें बाहर जाने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर से अनुमति लेनी होगी।

सीआरपीएफ डीजी का दौरा और चुनाव आयोग की जांच रिपोर्ट।

इस बीच मतगणना से पहले सीआरपीएफ के डीजी ने काउंटिंग सेंटर का दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा और लॉ एंड ऑर्डर व्यवस्था का जायजा लिया। काउंटिंग डे पर किसी भी गड़बड़ी से निपटने की सीआरपीएफ की पूरी तैयारी है। निर्वाचन आयोग की शुरुआती जांच में पता चला है कि वीवीपीएटी की ये पर्चियां मॉक पोल की हैं। पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव के बाद भी ऐसी ही पर्चियां मिली थीं। तब भी इसके लिए जिम्मेदार मतदान अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस बार भी आयोग ने इस लापरवाही की जांच कर जिला निर्वाचन अधिकारी से जांचकर रिपोर्ट भेजने को कहा है। रिपोर्ट मिलने के बाद आयोग आवश्यक और सख्त कार्रवाई करेगा। नियमानुसार मॉक पोलिंग की पर्चियों को भी सुरक्षित रखा जाता है। हालांकि ईवीएम में मॉक पोल को डिलीट यानी जीरो कर फ्रेश पोलिंग के मोड में मशीन को कर दिया जाता है।

महायुद्ध...

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें डील का कॉन्सेप्ट बताया गया है और जल्द ही पूरा मसौदा उनके सामने रखा जाएगा। उन्हें भरोसा है कि देर-सवेर ईरान को झुकना पड़ेगा। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि डील नहीं हुई तो क्या होगा। इस पर ट्रंप ने साफ कहा कि सैन्य कार्रवाई एक विकल्प है। उन्होंने कहा, 'मैं अभी यह नहीं कह सकता, लेकिन यदि वे गलत कदम उठाते हैं तो यह संभव है। यानी साफ है कि अमेरिका ने हमले का विकल्प खुला रखा है। इस बीच होर्मुज को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी नाकाबंदी के चलते ईरान की आर्थिक हालत पर असर पड़ा है। भारी मात्रा में तेल उत्पादन के बावजूद वह उसे बेच नहीं पा रहा, जिससे उसकी आय पर दबाव बढ़ रहा है। इसका असर चीन जैसे देशों पर भी पड़ रहा है, जो ईरान से बड़े पैमाने पर तेल खरीदते रहे हैं। इसके बावजूद अमेरिका नाकाबंदी हटाने को तैयार नहीं है। ट्रंप ने इसे फ्रेंडली ब्लॉकेड बताया है।

ईरानी मीडिया के मुताबिक, ट्रंप के 9 शर्तों वाले प्लान के जवाब में ईरान ने 14 शर्तों वाला प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिए भेजा है। इस प्रस्ताव में तनाव कम करने के लिए चरणबद्ध योजना, होर्मुज में राहत और परमाणु मुद्दे पर लचीलापन शामिल है। ईरान ने प्रतिबंधों में ढील और सुरक्षा गारंटी की भी मांग की है। ईरान का कहना है कि वह शांति के लिए तैयार है, लेकिन अपनी शर्तों के साथ। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अब फैसला अमेरिका को करना है कि वह कूटनीति का रास्ता चुनता है या टकराव का। 28 फरवरी को शुरू हुआ यह संघर्ष भले 8 अप्रैल से रुका हुआ है, लेकिन हालात अब भी बेहद नाजुक हैं। होर्मुज में तनाव, तेल आपूर्ति पर असर और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन भरोसे की कमी और सख्त शर्तों के चलते डील की राह मुश्किल बनी हुई है। अब नजर इस बात पर है कि नया प्रस्ताव शांति लाता है या फिर युद्ध तय है।

कैलाश यात्रा...

दोनों पड़ोसियों को एक साथ घेरने की नेपाली रणनीति।

देखा जाए तो यह विवाद काफी पुराना है। नेपाल अक्सर लिपुलेक और कालापानी को लेकर अपना दावा ठोंकता रहा है। लेकिन इस बार बालेन सरकार का अंदाज थोड़ा जुदा है, क्योंकि उन्होंने भारत के साथ-साथ चीन को भी लपेटे में ले लिया है। नेपाल का मानना है कि इस क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशीलता को दोनों बड़े देशों को समझना चाहिए। नेपाल ने कूटनीतिक चिट्ठी भेजकर अपनी तरफ से अड़ंगा लगाने की कोशिश जरूर की है, लेकिन भारत ने भी पलटवार करते हुए इसे बेबुनियाद बता दिया है। अब देखना यह है कि नेपाल की इस नाराजगी के बीच आने वाले दिनों में यह यात्रा क्या मोड़ लेती है।

कोहिनूर...

हुई है को जैकब डायमंड के साथ हैदराबाद में प्रदर्शित किया जाता है, तो यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

मिर्जा ने अंत में कहा, एक भारतीय नागरिक के रूप में, मेरी इच्छा है कि ये रत्न युवा पीढ़ियों को हमारे गौरवशाली अतीत की झलक प्रदान करें और साथ ही सरकारी खजाने में भी योगदान दें। उनका मानना है कि इन ऐतिहासिक धरोहरों की वापसी न केवल सांस्कृतिक गौरव का विषय है, बल्कि यह आर्थिक दृष्टि से भी क्षेत्र के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 04 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को सुदृढ़ करने हेतु एयरोस्पेस फास्टनर्स सुविधा का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक उपक्रम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने अपने हैदराबाद संयंत्र में अत्याधुनिक एयरोस्पेस फास्टनर्स सुविधा के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

इस सुविधा का उद्घाटन श्री संजीव कुमार, आईएएस, सचिव (रक्षा उत्पादन), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त), पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस, सीवीओ (मिधानि), एसके द्विवेदी, महाप्रबंधक (विपणन एवं एसबीडी) तथा मिधानि के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह अत्याधुनिक सुविधा भारत में एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के प्रति मिधानि की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। धातुकर्म में दशकों के अनुभव के साथ मिधानि उच्च गुणवत्ता वाले एयरोनॉटिकल फास्टनर्स के निर्माण में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित है।

उन्नत विनिर्माण क्षमताएँ

नई सुविधा अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है, जिनमें पूर्णतः स्वचालित वार्म/हॉट हेड फोर्जिंग, थ्रेड रोलिंग एवं फिलेट रोलिंग मशीनें शामिल हैं। ये तकनीकें एयरोस्पेस-ग्रेड फास्टनर्स के उत्पादन में उच्च परिशुद्धता, निरंतरता और दक्षता सुनिश्चित करती हैं।

मिधानि निम्नलिखित प्रकार के फास्टनर्स के निर्माण में विशेषज्ञता रखता है:

विशेष इस्पात फास्टनर्स – जो अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कार्य करने में सक्षम हैं

टाइटेनियम फास्टनर्स – उच्च शक्ति-से-भार अनुपात के साथ

सुपरएलॉय फास्टनर्स – उच्च तापमान एवं संक्षारणीय वातावरण में उपयोग हेतु उपयुक्त

गुणवत्ता आश्वासन एवं इन-हाउस क्षमताएँ

मिधानि उत्पादन के प्रत्येक चरण में कठोर गुणवत्ता नियंत्रण उपायों का पालन करता हैकच्चे माल के निरीक्षण से लेकर अंतिम परीक्षण तक। इस सुविधा में प्रूफ लोड परीक्षण, थ्रेड प्रोफाइलिंग, मैग्नेटिक पार्टिकल निरीक्षण (चझख), कोटिंग मोटाई परीक्षण तथा सामग्री की पूर्ण ट्रेसबिलिटी जैसी इन-हाउस व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं।

कच्चे माल के गलन से लेकर तैयार फास्टनर्स के निर्माण तक 100% इन-हाउस विनिर्माण क्षमता तथा डीजीएक्यूए, नौसेना और मिसाइल कार्यक्रमों जैसी रक्षा एजेंसियों की रेजिडेंट निरीक्षण व्यवस्था, उत्पादों की विश्वसनीयता एवं मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करती है।

नवाचार एवं ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण

मिधानि अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश कर फास्टनर निर्माण की नवीनतम तकनीकों में अग्रणी बना हुआ है। ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से यह अपने ग्राहकों के साथ निकट सहयोग कर उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान प्रदान करता है तथा दीर्घकालिक साझेदारी को बढ़ावा देता है।

अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवु महिला शाखा द्वारा उत्कृष्ट सेवा कार्य

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवु महिला शाखा द्वारा एक अत्यंत सराहनीय एवं उत्कृष्ट सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाखा की अध्यक्ष श्रीमती रीना गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में इस सेवा गतिविधि की विस्तृत जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि दिनांक 2 मई, शनिवार को अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवु महिला शाखा की ओर से बेगमपेट स्थित देव नार ब्लाइंड इंटर स्कूल में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विद्यालय में 500 से अधिक दृष्टिहीन छात्र अध्ययनरत हैं, जिनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शाखा द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय को 18 कंप्यूटर कुर्सियाँ भेंट की गईं, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन में सुविधा प्राप्त होगी। इसके साथ ही दो दिनों के भोजन की व्यवस्था भी शाखा द्वारा की गई, जिससे बच्चों के चेहरे पर खुशी और संतोष देखने को मिला।शाखा अध्यक्ष श्रीमती रीना गुप्ता ने बताया कि इस सेवा कार्य को संपन्न कर सभी सदस्यों को अत्यंत आनंद एवं आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी शाखा द्वारा इसी प्रकार की सेवा गतिविधियाँ निरंतर जारी रखने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष रीना गुप्ता, सचिव नेहा गर्ग, कोषाध्यक्ष निधि मुरारका के साथ-साथ शाखा की सदस्य मंजरी अग्रवाल एवं अंजू जी गुप्ता की सक्रिय उपस्थिति रही।

सीवी आनंद को तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए समाज सेवी नंदू बिलाल एवं पुत्री पूजा।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

सावन मास में धार्मिक यात्रा एवं गौसेवा के निर्णय पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल के कार्यालय सुनीता फर्नीचर, फलकनुमा में सम्पन्न हुआ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में शाखा के मानद मंत्री पवन डोकानिया ने बताया कि बैठक का शुभारंभ महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।

बैठक में उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया कि शाखा की वार्षिक सदस्यता शुल्क किसी भी पदाधिकारी के पास जमा कराई जा सकती है, जिससे संगठनात्मक गतिविधियों को और सुदृढ़ किया जा सके।

बैठक में आगामी सावन मास के अवसर पर 'सावन की सैर' के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित यात्रा में नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर, मुक्तिनाथ धाम एवं जनकपुर धाम सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन शामिल रहेंगे। इस संबंध में विस्तृत जानकारी शीघ्र ही सभी सदस्यों को प्रदान की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, शाखा द्वारा आगामी अधिक मास में गौशाला में गौ-चारा कराने का निर्णय भी लिया गया, जिससे सेवा एवं धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके।

बैठक के अंत में शाखा के परामर्शदाता श्री मिट्ठूलाल अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके साथ बैठक का समापन हुआ।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री पवन डोकानिया, संयुक्त मंत्री नवनीत अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य पंकज गोयंका, केंद्रीय समिति द्वारा मनोनीत सदस्य प्रेम अग्रवाल, परामर्शदाता आनंद संघी, मिट्ठूलाल अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, फतेहचंद मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार को सिकंदराबाद कार्यालय में अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में समाज के वैवाहिक कार्यों पर चर्चा की गई, जिसमें कुल 37 सदस्यों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई।

बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल ने की। बैठक में मुख्य रूप से अरविंद गोयल, शिवराज अग्रवाल, संतोष देवी बंसल, रवि अग्रवाल, पवन गोयल, गौरव, सागर अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, प्रदीप बंसल, लविश अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अशोक झुंझुनूवाला, नरेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंघल, राकेश अग्रवाल, माहेन अग्रवाल और महेश केडिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कमेटी के सदस्यों ने समाज के युवाओं के बेहतर भविष्य और बायोडाटा संकलन की प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाने के संकल्प के साथ बैठक का समापन किया।

सेवा से समाज को नई दिशा दे रहा राधे-राधे ग्रुप : सुरेश डालमिया

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में सेवा भाव, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां हर सदस्य ने पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ अपनी सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुरेश डालमिया ने कहा कि उन्होंने राधे-राधे ग्रुप की सेवाओं के बारे में पहले भी बहुत सुना था, लेकिन आज प्रत्यक्ष रूप से इन कार्यों को देखकर उन्हें अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जहां लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त रहते हैं, वहां इस प्रकार का निस्वार्थ सेवा कार्य करना वास्तव में सराहनीय और प्रेरणादायक है। राधे-राधे ग्रुप न केवल जरूरतमंदों की सहायता कर रहा है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों को भी मजबूत कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और जरूरतमंदों के जीवन में आशा की नई किरण जगाते हैं। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान जैसे कार्यक्रम समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं और अन्य संगठनों व युवाओं को भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी सदस्यों के समर्पण और सेवा भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सीताराम विजयवर्गीय, सुरेश डालमिया, गुरबीर सिंह मक्कड़, महेश अग्रवाल, जगन गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया एवं गोपाल गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

बकरीद से पूर्व चारमीनार जोन में सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित

शांति एवं सद्भाव बनाए रखने पर पुलिस और पीस कमेटी ने किया मंथन

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बकरीद पर्व को देखते हुए सेंट्रल पीस एंड वेल्फेयर कमेटी, चारमीनार जोन द्वारा स्थानीय थाने में सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना एवं सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करना रहा।

बैठक में एसीपी चंद्रशेखर, एसएचओ रामबाबू तथा एसआई सहित पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। वहीं समिति की ओर से कमेटी के ऑल जोन महासचिव श्रीकिशन शर्मा, डॉ. जैन, गोपाल दास, सलमान शरीफ, प्रवीण कुमार, हसन, गोपाल शर्मा, चेतन मूंदड़ा, मुस्तफा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान त्योहार के समय सुरक्षा व्यवस्थाओं, भीड़ नियंत्रण, सार्वजनिक सुरक्षा उपायों एवं सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी और आवश्यक पुलिस बल तैनात रहेगा।

पुलिस अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की कि वे बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

उन्होंने कहा कि सुरक्षित और सुचारू आयोजन के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करना सभी की जिम्मेदारी है।

हाईबिज़ डिजिटल मीडिया अवार्ड्स में डॉ. आज़ाद को 'बेस्ट वॉयस कोच' सम्मान

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रसिद्ध वॉयस ट्रेनर डॉ. एम.ई. आज़ाद को हाईबिज़ टीवी द्वारा आयोजित डिजिटल मीडिया एवं इन्फ्लुएंसर अवार्ड्स 2026 (द्वितीय संस्करण) में 'बेस्ट वॉयस कोच' अवार्ड से सम्मानित किया गया।

यह कार्यक्रम हाईटेक सिटी स्थित साइबर गार्डन्स कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया, जिसमें डिजिटल मीडिया और मनोरंजन जगत से जुड़े कई प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया।

डॉ. आज़ाद पिछले 35 वर्षों से वॉयस ट्रेनिंग, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और रेडियो के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। उनके द्वारा स्थापित 'स्वरदर्शिनी फिल्म एंड टीवी डबिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट' एवं 'द लीडर' पॉलिटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के माध्यम से अब तक 10,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

इनमें न्यूज़ रीडर, एंकर, पत्रकार, राजनीतिक नेता, डबिंग आर्टिस्ट, गायक तथा दृष्टिबाधित प्रशिक्षु भी शामिल हैं।

कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. अहरुद्दीन, विशेष मुख्य सचिव वाणी प्रसाद (आईएएस) तथा मल्लारेड्डी विश्वविद्यालय की वाइस चेयरपर्सन डॉ. प्रीति रेड्डी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

हाईबिज़ टीवी के मैनेजिंग डायरेक्टर राजगोपाल ने डॉ. आज़ाद को बधाई देते हुए वॉयस ट्रेनिंग के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।

दीपक भवन सुवर्ण जयंती समारोह सम्पन्न

50 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का उत्सव, समाज सेवा और आतिथ्य भावना का प्रतीक

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सुल्तान बाजार, हैदराबाद स्थित श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित दीपक भवन का सुवर्ण जयंती (1976–2026) समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार 2 मई 2026 को प्रातः 11:11 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ केक कटिंग समारोह से किया गया। इस अवसर पर समाज के उपाध्यक्ष महेश पटेल, अतिरिक्त उपाध्यक्ष नितिन शाह, कोषाध्यक्ष अंबालाल पटेल, सह मंत्री घनश्याम पटेल, दीपक भवन के संचालक राजेश रामानी, पटेल घनश्याम भवन के संचालक दिनेश गोसर, प्रगति महाविद्यालय के करस्पोंडेंट गोपाल पटेल, प्रगति जूनियर कॉलेज के करस्पोंडेंट राजेश शाह, ट्रस्टी हेमेन्द्र शाह, कमिटी सदस्य उदय मेहता, अरविंद पटेल, रमेश सावला, भारतीबेन पटेल, चेतनाबेन पटेल सहित विशेष आमंत्रित सदस्य रिद्धीश जागीरदार सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार ने समाज के उपाध्यक्ष महेश पटेल, कोषाध्यक्ष अंबालाल पटेल, सह मंत्री घनश्याम पटेल एवं दीपक भवन संचालक राजेश रामानी का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इसके पश्चात सभी अतिथियों ने स्नेहभोज (लंच) के माध्यम से इस आनंदमय अवसर को साझा किया।

उपाध्यक्ष महेश पटेल ने कहा कि दीपक भवन की 50 वर्षों की यात्रा समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि इसकी स्थापना का उद्देश्य केवल एक अतिथिगृह बनाना नहीं था, बल्कि हैदराबाद आने वाले मेहमानों को सुलभ, सुविधाजनक और आत्मीय ठहराव प्रदान करना था। उस समय होटल में ठहरना महंगा और औपचारिक होता था, ऐसे में समाज ने कम खर्च में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

उन्होंने बताया कि इन 50 वर्षों में दीपक भवन ने हजारों मेहमानों का स्वागत किया है और समाज की एकता को मजबूत किया है।

महेश पटेल ने जानकारी दी कि दीपक भवन के 50 वर्ष एवं समाज के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी दिनों में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

ट्रस्ट बोर्ड चेयरमैन नीतिन धरोड ने कहा कि दीपक भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि समाज की सेवा भावना और दूरदर्शिता का जीवंत प्रतीक है, जो आज भी अपने मूल उद्देश्य कम खर्च में अधिक सुविधा और आत्मीयता को निभा रहा है।

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि दीपक भवन ने मेहमानों को केवल ठहरने की सुविधा ही नहीं दी, बल्कि उन्हें अपनापन और घर जैसा अनुभव भी कराया है।

सहसंचालक घनश्याम पटेल ने बताया कि भवन का स्थान शहर के मध्य में होने के कारण मेहमानों को आवागमन में सुविधा मिलती है। यहां 60 से अधिक वातानुकूलित कमरे आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं।

पटेल घनश्याम भवन के संचालक दिनेश गोसर ने कहा कि दीपक भवन की 50 वर्षों की यात्रा समाज की एकता, श्रद्धा और प्रगति के मूल्यों को दर्शाती है और यह आयोजन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों के लिए शीतल छाछ की विशेष व्यवस्था की गई, जिसका लाभ पांच हजार से अधिक लोगों ने उठाया। यह सेवा समाज की जनकल्याणकारी सोच और अतिथ्य भावना का प्रतीक रही।

भाजपा तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक मोर्चा की नवगठित टीम की प्रथम सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक मोर्चा की नवगठित टीम की प्रथम बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस संबंध में मीडिया कन्वीनर मुकेश चौहान जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंदर राव के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह द्वारा 25 अप्रैल को प्रदेश कार्यकारिणी एवं एजीक्यूटिव सदस्यों की सूची जारी की गई थी। इसी क्रम में दिनांक 02 मई 2026 को नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों एवं पदाधिकारियों की पहली बैठक आयोजित की गई, जो सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

बैठक से पूर्व सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाजपा तेलंगाना के संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश उपाध्यक्ष मोगा जयश्री, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, उपाध्यक्ष शेख शाहजहां, रूबीनीसा फ्रांसिस, मनमोहन मोनासिंह, शमी खान, प्रदीप सुराणा जैन, प्रदेश महामंत्री रजनीश जैन, प्रदेश मंत्री सतपाल सिंह, सतीश हुंडिया जैन, जुली बेन्नाल्ला, मोहम्मद गज़नी, एडवोकेट मनमोहन सिंह, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह, प्रदेश आईटी संयोजक रीदा कोद्दोस, सह संयोजक एडवोकेट चंदना जैन, कार्यालय सचिव सुमित सिंह माखीजा, कार्यालय सह सचिव निखित फातिमा, टूर एवं मॉनिटरिंग संयोजक अवाइस मिर्जा, सह संयोजिका सविता रायसोनी जैन, एग्जीक्यूटिव सदस्य महेंद्र जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश समिति की यह पहली बोर्ड बैठक संगठन की सामूहिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण एवं यादगार मील का पत्थर है।

उन्होंने सभी समिति सदस्यों की उपस्थिति, समर्पण एवं संगठन को मजबूत बनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने आगे कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग, विचारों एवं सक्रिय भागीदारी से यह बैठक सार्थक एवं सफल बनी है। एकजुट होकर संगठन सेवा, सशक्तिकरण एवं प्रगति के साझा उद्देश्य के साथ एक मजबूत अल्पसंख्यक मोर्चा के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेगा।

कार्यक्रम में श्रीमती मोगा जयश्री की गरिमामयी उपस्थिति, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए विशेष धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया। साथ ही उनके नेतृत्व से प्रेरित होकर समाज कल्याण एवं तेलंगाना के विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

अंत में प्रदेश महामंत्री रजनीश जैन ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा, समर्पण और संस्कारों का संगम बना राधे–राधे ग्रुप : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में सेवा भावना, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समर्पण की जीवंत पाठशाला है। उन्होंने कहा कि यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति न केवल भोजन प्राप्त करता है, बल्कि उसे आत्मीयता, सम्मान और सकारात्मक ऊर्जा का भी अनुभव होता है। राधे–राधे के उच्चारण के साथ सेवा करने से एक आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण होता है, जो जरूरतमंदों के मन में आशा और विश्वास का संचार करता है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्य में बढ़–चढ़कर भाग लिया और भोजन वितरण के साथ–साथ जरूरतमंदों से आत्मीय संवाद स्थापित कर उन्हें सहयोग का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल एवं उमाकांत गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

उठो, जुड़ो और इतिहास बना दो : मुनि दीप कुमार

पास रहकर भी पराये क्यों? विषय पर विशेष प्रवचन आयोजित

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के हिमायतनगर क्षेत्र स्थित प्रशंसा अतिथि गृह में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी (ठाणा–2) के सान्निध्य में पास रहकर भी पराये क्यों? विषय पर विशेष प्रवचन का आयोजन तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने अपने प्रवचन में वर्तमान समय की सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का युग कनेक्टिविटी का युग है, जहां मोबाइल में नेटवर्क फुल है, लेकिन रिश्तों में सिग्नल कमजोर होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एक ही घर में रहने के बावजूद दिलों के बीच दीवारें खड़ी हो गई हैं। पहले लोग दूर रहकर भी दिल से जुड़े रहते थे, लेकिन आज पास रहकर भी दूरियां बढ़ रही हैं, जो समाज के लिए एक गंभीर स्थिति है। मुनिश्री ने कहा कि आज हर गली और समाज में एक अदृश्य दीवार खड़ी हो चुकी है, जिससे संवाद, मेल–मिलाप और आपसी जुड़ाव कम होता जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि दिल आपस में जुड़ जाएं, तो समाज स्वतः एकजुट और सशक्त बन सकता है।

अपने प्रेरक उद्बोधन में मुनिश्री ने सभी से आह्वान किया उठो, जुड़ो और इतिहास बना दो। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी से मनमुटाव है तो उसे तुरंत समाप्त कर क्षमा का भाव अपनाएं, क्योंकि समय किसी का इंतजार नहीं करता।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने खड़े होकर समाज में एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुनि काव्य कुमारजी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज मानवता एक विरोधाभास के दौर से गुजर रही है। जहां तकनीक ने हमें वैश्विक स्तर पर जोड़ दिया है, वहीं एक ही छत के नीचे रहने वाले लोगों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि पास रहकर भी पराया होना 21वीं सदी के रिश्तों का सबसे बड़ा कड़वा सच बन गया है।

रामगुंडम कोयला खनन परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की सिंगरैनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को उसकी महत्वाकांक्षी रामगुंडम कोयला खान परियोजना के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से प्रारंभिक पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। राज्य के खनन क्षेत्र के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

इस परियोजना का लक्ष्य दो खुली और तीन भूमिगत खदानों के माध्यम से 314.98 मिलियन टन कोयला भंडार निकालना है। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 21 मिलियन टन होगी, जो एससीसीएल के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक क्षमता वाली खनन परियोजना है। यह परियोजना अगले 25 वर्षों तक रामगुंडम क्षेत्र में खनन कार्यों को जारी रखेगी, जिससे ऊर्जा आपूर्ति और औद्योगिक विकास को काफी मजबूती मिलेगी।

एससीसीएल ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि उत्पादित कोयले की आपूर्ति मुख्य रूप से एनटीपीसी रामगुंडम और अन्य कोयला आधारित उद्योगों को की जाएगी। इस परियोजना में उन पुरानी भूमिगत खदानों के कोयले का भी उपयोग किया जाएगा, जिन्हें पहले छोड़ दिया गया था। अब उन्हें खुले खदानों में बदलकर बचे हुए भंडार को निकाला जाएगा।

योजना के अनुसार, बंद हो चुकी जीडीके–10 खदान और जल्द ही बंद होने वाली वकीलपल्ली भूमिगत खदान को खुली खदानों में बदला जाएगा। इसके अलावा, आस–पास की परियोजनाओं की सीमाओं पर मौजूद कोयले के भंडार का भी दोहन किया जाएगा, जिससे कुल उत्पादन में वृद्धि होगी।

कंपनी के अनुसार, इस परियोजना को पर्यावरण पर कम से कम प्रभाव डालने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

इसके लिए खुदाई वाले क्षेत्रों को भरने जैसी पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाई जाएगी। अधिकारियों को भरोसा है कि यह पहल न केवल पुरानी खदानों से कम हो रहे उत्पादन की भरपाई करेगी, बल्कि क्षेत्र में खनन कार्यों की अवधि को भी काफी बढ़ा देगी। अगले कुछ दिनों में औपचारिक दस्तावेज मिलने के बाद परियोजना पर काम शुरू हो जाएगा।

श्री नवकार धाम कुलपाकजी अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक विधान के दौरान प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के उपाध्यक्ष चौहान मुकेश जैन के साथ भगवान के पिता स्वरूप सिद्धार्थ महाराजा बने नितीन कटारिया संघवी, रुपेशभाई शाह एवं अन्य।

भाकपा नेता ने नलकोंडा में बार–बार आग लगने की घटनाओं पर सुरक्षा में चूक की आलोचना की

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता के. नारायणा ने नलकोंडा के चिट्याल मंडल के एक कारखाने में बार–बार आग लगने की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रबंधन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है।श्री नारायणा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि नोज लैब के कारखाने में एक महीने के अंदर आग लगने की दो घटनाओं से सुरक्षा में गंभीर चूक का पता चलता है। उन्होंने प्रबंधन पर मजदूरों की सुरक्षा और भलाई की बजाय मुनाफे को अधिक तरजीह देने का आरोप लगाया। भाकपा नेता ने सरकारी नियामक एजेंसियों की भी आलोचना की कि वे ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम रहीं। उन्होंने कहा कि उनकी निष्क्रियता की वजह से ही ये दुर्घटनाएं बार–बार हो रही हैं। उन्होंने इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत और कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए मजदूरों की जान बचाने के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय लागू करने की अपील की।श्री नारायणा ने जोर देकर कहा कि काम करने की जगह पर सुरक्षा सुनिश्चित करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए और चेतावनी दी कि अगर लापरवाही जारी रही, तो इसके और भी गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

महासभा कार्यालय में पदाधिकारियों का भव्य स्वागत एवं सम्मान

कानपुर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कानपुर महानगर में रविवार को महासभा के कार्यालय गांधीनगर में आगमन पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजय शुक्ल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अरविन्द अवस्थी (मुंबई), राष्ट्रीय मंत्री श्री शानू शुक्ल, सदस्य एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री दीपांकर मिश्र तथा यूथ ब्रिगेड मंत्री श्री आर्यन अवस्थी (मुंबई) का विशेष रूप से सम्मान किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री महेश कुमार मिश्र एवं केंद्रीय मंत्री ओजस मिश्र द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं अंगवस्त्र पहनाकर सम्मान किया गया।

राधे–राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान सेवा का आयोजन, महेश अग्रवाल बोले– सेवा से जीवन होता है सार्थक

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित कर सेवा, सहयोग और मानवता का प्रेरणादायक संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लेते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि हम सभी का यह परम सौभाग्य है कि हमें राधे–राधे ग्रुप के माध्यम से ऐसे पुनीत और सेवा भाव से जुड़े कार्यों में सहभागी बनने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सेवा करना ही सच्ची मानवता है। जब हम निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं, तब हमें आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति होती है।

उन्होंने आगे कहा कि राधे–राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां सभी सदस्य मिलकर समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। समूह का उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न सोए और हर व्यक्ति तक सहायता का हाथ पहुंचे। इसी सोच के साथ ग्रुप नियमित रूप से अन्नदान कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है, जो समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल बन चुका है।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों में जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,महेश अग्रवाल , शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, रेनू गुप्ता एवं रेनू शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने में योगदान दिया और जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने में सहयोग किया।

एक महिला सिपाही के प्यार में पागल दो पुलिस ड्राइवरों में खुनी संघर्ष

गोली चलाने वाला ड्राइवर गिरफ्तार, घायल सिपाही का इलाज जारी

पटना, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार प्रदेश के गया जिले से एक बेहद सनसनीखेज और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पुलिस विभाग से जुड़े लोगों के बीच हुए लव ट्रायंगल में खूनी संघर्ष हो गया।

गया शहर के कोतवाली थाने में तैनात एक सरकारी ड्राइवर को शुक्रवार देर रात से जुड़ी घटना में अहले सुबह गोली मार दी गई। इस जानलेवा हमले में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका इलाज मगध मेडिकल अस्पताल में चल रहा है। इस पूरी वारदात की जड़ में एक महिला सिपाही का प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है।

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गोली मारने वाले आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक विवाद के केंद्र में मौजूद महिला सिपाही पहले परैया थाने में तैनात थी। उस दौरान उसका परैया थाने के निजी ड्राइवर गौतम कुमार (परैया प्रखंड के पुनाकला गांव निवासी) के साथ कथित तौर पर प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

हाल ही में महिला सिपाही का तबादला गया शहर के कोतवाली थाने में लिपिक के पद पर हो गया। इसी बीच उसकी नजदीकियां कोतवाली थाने के सिपाही ड्राइवर नीरज के साथ बढ़ने लगीं। इसके बाद शुक्रवार की देर रात नीरज महिला सिपाही के किराये के मकान पर पहुंचा था। इस बात की भनक परैया थाने के निजी ड्राइवर गौतम को लग गयी। गुस्से में तमतमाया गौतम अहले सुबह महिला सिपाही के कमरे पर पहुंच गया और उसने नीरज को गोली मार दी।

इस संबंध में गया शहर के नगर डीएसपी सरोज कुमार शाह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रथम दृष्टया यह पूरा मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित गौतम को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

डीएसपी शाह ने कहा, घटना बेहद गंभीर है। घायल सिपाही नीरज के बयान पर सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। हम हर बिंदु पर सबूत इकट्ठा कर रहे हैं। महिला सिपाही से भी सघन पूछताछ की जा रही है और उसके विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

घायल सिपाही के परिजनों को पटना में सूचना दे दी गयी थी, जिसके बाद वे गया पहुंच चुके हैं।

गोलीबारी की इस घटना के बाद इलाके और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज करते हुए आरोपी निजी चालक गौतम कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

गया जिले के सिटी एसपी कोटा किरण कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला सिपाही के साथ प्रेम प्रसंग के चलते ही इस हिंसक घटना को अंजाम दिया गया है। आरोपित की गिरफ्तारी हो चुकी है और अब मामले की छानबीन की जा रही है।

जांच पूरी होने के बाद इस पूरे विवाद की जड़ बनी महिला सिपाही के खिलाफ भी विभागीय और उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

कांग्रेस विकास में सबसे बड़ी रुकावट: मलका कोमरिया

पेद्दापल्ली, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):.

टीचर एमएलसी मलका कोमरिया ने कहा कि कांग्रेस इस देश के विकास में रुकावट बन गई है। पेद्दापल्ली के अपने दौरे के तहत, उन्होंने डिस्ट्रिक्ट महिला मोर्चा की देखरेख में आयोजित मीडिया कॉन्फ्रेंस में चीफ गेस्ट के तौर पर हिस्सा लिया और बात की।

उन्होंने याद दिलाया कि पिछले 32 सालों से बीजेपी इस देश की विधानसभाओं में महिलाओं को 33% रिजर्वेशन दिलाने की बहुत कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वाजपेयी राज से ही इस बिल का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते कि इस देश की महिलाएं राजनीतिक रूप से आगे बढ़ें। इसीलिए यह (महिला आरक्षण बिल) हर बार लोकसभा में लाया जा रहा है, उन्होंने कहा। इतना ही नहीं, पूरा देश कांग्रेस गठबंधन की निर्वाचन क्षेत्र पुनर्विभाजन बिल लाने में नाकामी को देख रहा है।

जहां प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक भारत को सभी क्षेत्रों में दुनिया का लीडर बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं उन्होंने कहा कि धोखेबाज कांग्रेस और उसके सहयोगी महिलाओं और लोगों दोनों को धोखा देकर राजनीतिक फायदे के लिए जो नाटक कर रहे हैं, उसके बारे में लोगों को सही सलाह दी जाएगी।

जिला अध्यक्ष करें संजीव रेड्डी, राज्य मीडिया प्रतिनिधि अभिषेक जगिनी, रामागुंडम उम्मीदवार कंदुलसांध्या रानी और नारी शक्ति अभियान जिला संयोजक चिलुका भारती ने कार्यक्रम में भाग लिया।

चलती ट्रेन में चेन पुलिंग कर युवती से सामूहिक दुष्कर्म, दस संदिग्ध गिरफ्तार

पटना, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार के गया-पटना रेलखंड में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहानाबाद जिले की रहने वाली एक युवती अपने रिश्तेदार के यहां गया जा रही थी। जैसे ही वह जहानाबाद स्टेशन से ट्रेन में सवार हुई, कुछ असामाजिक तत्वों ने सुनियोजित तरीके से चेन पुलिंग कर ट्रेन को बेला और नेयामतपुर स्टेशन के बीच रुकवा दिया।

ट्रेन रुकते ही युवती अनजाने में नीचे उतर गई, जहां पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद चार से अधिक युवकों ने उसे पास के खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। यह घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही बेलागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक दस संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

बेलागंज थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने बताया कि मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है और सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

स्वच्छ फल्गु-स्वच्छ गयाजी अभियान के तहत रामशीला घाट पर श्रमदान एवं जनजागरण

पटना, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी गया में स्वच्छ फल्गु-स्वच्छ गयाजी अभियान के तहत रामशीला घाट पर श्रमदान एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अभियान के अंतर्गत सप्ताहांत अवकाश के दिन प्रत्येक रविवार को स्थानीय लोगों के सहयोग से श्रमदान किया जा रहा है। घनी आबादी के बीच स्थित घाटों की सीढ़ियों सहित फल्गु नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया है।

अभियान के छठे रविवार को रामशीला घाट पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सीढ़ियों पर जमा भारी गंदगी को साफ करने हेतु श्रमदान किया गया। साथ ही स्थानीय नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर अभियान समिति के संयोजक विजय कुमार मिट्ठू, सह संयोजक टिंकू गिरी, सरोज कुमार, मोहम्मद ताहिर हुसैन, मुन्ना मांझी, शिवेंद्र कुमार, पवन कुमार, कुंदन कुमार सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने बताया कि पिछले एक माह से अधिक समय से लगातार यह अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान गया नगर निगम से रामशीला घाट की नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। साथ ही शहर के प्रमुख बुद्धिजीवियों ने फल्गु नदी के पश्चिमी छोर पर बोधगया से चाकंद तक तथा पूर्वी छोर पर भदेज़ा से गया इंजीनियरिंग कॉलेज तक मैरीन ड्राइव निर्माण की मांग दोहराई।

विजयरामन राव ने किया सीतारामंजनेया स्वामी मंदिर का शिलान्यास

पेद्दापल्ली, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): पेद्दापल्ली विधायक श्री चिंताकुंटा विजयरामन राव ने ओडेला मंडल के जीलाकुंटा गांव में नवनिर्मित श्री श्री श्री सीतारामंजनेया स्वामी मंदिर के शिलान्यास समारोह में भाग लिया। उन्होंने सुदर्शन यज्ञ महोत्सव में विशेष पूजा भी की।

बाद में, पेद्दापल्ली मंडल के कनागरथी गांव स्थित पोचम्मा मंदिर में नई बनी भूलक्ष्मी और मालक्ष्मी बोडराई मूर्तियों का उद्घाटन किया गया। विधायक ने यहां विशेष पूजा अर्चना की।

सबसे पहले, कई गांवों के सरपंचों और ग्रामीणों ने सरकारी व्हिप विधायक विजयरामन राव का सम्मान किया।

इस कार्यक्रम में सरपंच, उपसरपंच, वार्ड सदस्य, पूर्व जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता, मंदिर कमेटी के सदस्य तथा अन्य लोग शामिल हुए।

नेत्र चिकित्सा सहायकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीकानेर जोन के नेत्र चिकित्सा सहायकों एवं एएसजी नेत्र चिकित्सालय रानी बाजार के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम होटल मरुधर पैलेस में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में एएसजी नेत्र चिकित्सालय के रेटीना विशेषज्ञ डॉ. अंशुमान गहलोत ने रेटीना से संबंधित विभिन्न बीमारियों के उपचार एवं पहचान को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आधुनिक तकनीकों और उपचार पद्धतियों पर भी प्रकाश डाला। वरिष्ठ नेत्र सहायक दिलीप सुथार ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. अभिजीत बेनीवाल ने नेत्र सहायकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने नेत्र संबंधी समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक सुझाव भी साझा किए।

पांच राज्यों के चुनाव समाप्त होते ही महंगाई बढ़ी : कांग्रेस

पटना, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि पांच राज्यों में चुनाव समाप्त होते ही आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ा दिया गया है।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पांडिचेरी में चुनाव समाप्त होने के महज दो दिनों के भीतर कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 993 रुपये तथा छोटे सिलेंडर (छोटू) के दाम में 241 रुपये की वृद्धि की गई है। इसे आम जनता के साथ अन्याय बताया गया है।

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, मोहम्मद शमीम आलम, मुन्ना मांझी सहित अन्य नेताओं ने कहा कि कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से होटल और रेस्टोरेंट में खान-पान की वस्तुएं महंगी होंगी, जिसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा।

वहीं, छोटे सिलेंडर के दाम बढ़ने से गरीब और मजदूर वर्ग के परिवारों के सामने अतिरिक्त आर्थिक बोझ खड़ा हो जाएगा, जिससे उनकी दैनिक जीवन-यापन की कठिनाइयां और बढ़ेंगी।

नेताओं ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ठरहींश्र त्रऋपवहळ ने चुनाव प्रचार के दौरान ही यह आशंका जताई थी कि चुनाव के बाद एलपीजी गैस, डीजल और पेट्रोल के दामों में बढ़ोतरी होगी, जो अब सच साबित होती दिखाई दे रही है।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से एलपीजी गैस की बढ़ी कीमतों को तुरंत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया तो रोको महंगाई-बांधो दाम, नहीं तो होगा चक्का जाम जैसे नारों के साथ संसद से सड़क तक व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

श्रीरामपुर खदानों ने अप्रैल में 100% उत्पादन पार किया

मंचेरियाल, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): एससीसीएल श्रीरामपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक मुनिगंती श्रीनिवास ने बताया कि अप्रैल में एक भूमिगत खदान को छोड़कर पांच भूमिगत खदानों ने 100 प्रतिशत से अधिक कोयला उत्पादन हासिल किया।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उनके परिचालन क्षेत्र में छह भूमिगत खदानें और दो ओपन कास्ट प्रोजेक्ट (ओसीपी) शामिल हैं। अप्रैल के लिए निर्धारित 5.47 लाख टन के मुकाबले 3.07 लाख टन कोयले का खनन हुआ, जो 56 प्रतिशत की उपलब्धि है। श्रीरामपुर क्षेत्र की भूमिगत खदानों में कुल उत्पादन 99 प्रतिशत रहा, जबकि ओसीपी में 44 प्रतिशत।

भूमिगत खदान एसआरपी 1 में 123 प्रतिशत, आर के एनटी और आरके5 में क्रमशः 104 प्रतिशत और 102 प्रतिशत उत्पादन दर्ज किया गया। इसी प्रकार एसआरपी3 और आरके7 खदानों में 100 प्रतिशत उत्पादन हासिल हुआ। हालांकि, आईके1ए खदान में 84 प्रतिशत रहा।

ओसीपी खदानों का प्रदर्शन खराब रहा, जिसका कारण ऊपरी परत हटाने में समस्या और ईंधन की कमी थी। ठेकेदारों तथा आईके1ए खदान की चुनौतियों के समाधान के लिए समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। मुख्य महाप्रबंधक ने समन्वय पर जोर देते हुए मासिक लक्ष्यों के लिए कार्य योजना तैयार करने की आवश्यकता बताई।

पाटनचेरू 2030: हैदराबाद के पश्चिमी कॉरिडोर में विकास और निवेश के नए द्वार खुलेंगे

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साया ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मिस्टर इलियास और ज़की एसोसिएट्स के संस्थापक व प्रधान स्ट्रक्चरल इंजीनियर मिस्टर ज़की अहमद, पाटनचेरू के तेजी से उभरते पश्चिमी कॉरिडोर में एक ऐतिहासिक विकास परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में अपने व्यापक योगदान के लिए पहचाने जाने वाले प्रतिष्ठित वास्तुकार और स्ट्रक्चरल इंजीनियर मिस्टर ज़की अहमद ने हाल ही में पाटनचेरू का व्यक्तिगत दौरा किया। उनकी फर्म, ज़की एसोसिएट्स, क्षेत्र में कई प्रमुख विकासों के लिए अभिनव और संरचनात्मक रूप से मजबूत वास्तुशिल्प योजनाएं प्रदान करने में सहायक रही है। पाटनचेरू में आगामी परियोजना को अपनी तरह के पहले 'ट्विन टावर' विकास के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसे आधुनिक शहरी जीवन को फिर से परिभाषित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस परियोजना में संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के अग्रणी मानकों से प्रेरित अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। यह समकालीन डिजाइन, उन्नत बुनियादी ढांचे और जीवनशैली-उन्मुख सुविधाओं का एक अनूठा संगम होगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, साया ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मिस्टर इलियास ने कहा: हमारा विजन एक ऐसा लैंडमार्क बनाना है जो न केवल पाटनचेरू के क्षितिज (स्काईलाइन) को निखारेगा, बल्कि विलासिता और आधुनिक जीवन के लिए एक नया मानक भी स्थापित करेगा। वैश्विक डिजाइन अवधारणाओं और विश्व स्तरीय सुविधाओं को एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य एक ऐसी परियोजना प्रदान करना है जो निवासियों के लिए उत्कृष्टता, नवाचार और दीर्घकालिक मूल्य को दर्शाती है।

ज़की एसोसिएट्स के संस्थापक मिस्टर ज़की अहमद ने कहा: ''यह ट्विन टावर परियोजना तेजी से बढ़ते कॉरिडोर में अंतरराष्ट्रीय वास्तुशिल्प मानकों को लाने का एक अनूठा अवसर है। हमारा ध्यान संरचनात्मक मजबूती, स्थिरता और सौंदर्य अपील को मिलाकर एक ऐसा विकास तैयार करने पर है जो समय की कसौटी पर खरा उतरे।'

पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने की मांग, जलभराव से लोगों को हो रही परेशानी

निज़ामाबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

निज़ामाबाद शहर के 27वें डिवीजन में जलभराव की समस्या को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। 27वें डिवीजन की कॉर्पोरेटर अर्चना चिरंजीवी ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ मिलकर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजू से निज़ामाबाद से वर्णी जाने वाले मार्ग पर रेणुका नगर रोड नंबर-1 के पास आर एंड बी रोड स्थित पुलिया की ऊंचाई बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया।

रविवार, 3 मई को एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजू ने स्वयं मौके पर पहुंचकर पुलिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पुलिया के ऊपर स्थित फिल्टर बेड से गंदा पानी बहकर आ रहा है, जिससे स्थिति और गंभीर हो रही है। बारिश के मौसम में पानी का दबाव बढ़ने से पुलिया में लगे पाइप छोटे पड़ जाते हैं और जल निकासी बाधित हो जाती है। इसके कारण मुख्य सड़क से सटे रेणुका नगर कॉलोनी और साईं नगर रोड नंबर-1 में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। कई सड़कों पर पानी भर जाता है और गंदे नालों का पानी उल्टा कॉलोनी में प्रवेश करने लगता है। इसके अतिरिक्त, फिल्टर बेड से आने वाली नहर में गाद जमा होने के कारण पानी का प्रवाह रुक रहा है।

महाकाल मंदिर पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी ने किए ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन

नर्मदा स्नान के बाद विधिवत पूजा, डिप्टी कलेक्टर ने किया सम्मान

ओंकारेश्वर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मध्य प्रदेश के खंडवा क्षेत्र स्थित पवित्र धाम ओंकारेश्वर में उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर के विद्वान पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी ने पहुंचकर ज्योतिर्लिंग दर्शन-पूजन किया। डॉ. दिनेश गुरुजी ने सबसे पहले पवित्र नर्मदा नदी के तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान किया। उन्होंने सभी भक्तों के कल्याण के लिए श्रीफल एवं पुष्प अर्पित कर संकल्प लिया और तत्पश्चात पवित्र स्नान किया। स्नान के उपरांत उन्होंने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं ममलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने भक्तों के लिए मंगलकामनाएं भी कीं। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एवं प्रोटोकॉल अधिकारी मुकेश काशीव ने डॉ. दिनेश गुरुजी का स्वागत-सत्कार कर

उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में पंडित हेमंत शर्मा सहित कई गुरुभक्त उपस्थित रहे। डॉ. दिनेश गुरुजी ने सभी को महाकाल मंदिर का प्रसाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

हैदराबाद पुलिस ने बकरीद त्योहार से पहले समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार, आईपीएस ने आगामी बकरीद त्योहार के अवसर पर शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जाने वाली सावधानियों को लेकर बंजारा हिल्स स्थित टीजीआईसीसी में विभिन्न गौ संरक्षण संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष समन्वय बैठक की।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और चेकपोस्ट का इंतजाम

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान शहर में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कमिश्नरेट की सीमाओं पर चेकपोस्ट लगाकर कड़े उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गौ संरक्षण कार्यकर्ताओं को कानून का पूरा सम्मान रखना चाहिए और गैरकानूनी पशु तस्करी के संबंध में कोई भी जानकारी तुरंत पुलिस को सूचित करनी चाहिए, लेकिन किसी भी परिस्थिति में सीधे आरोपियों पर हमला करके कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर सख्ती और स्वयंसेवकों के लिए दिशा-निर्देश

उन्होंने बताया कि पशु वध को लेकर सार्वजनिक भावनाओं को आहत करने वाले या तनाव बढ़ाने वाले रील और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वालों के खिलाफ कड़े आपराधिक मामले दर्ज करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। स्वयंसेवकों को सलाह दी गई कि वे पुलिस के साथ चेकपोस्ट पर न जाएं, पशुओं की तस्वीरें न खींचें और आरोपियों का विवरण सोशल मीडिया पर साझा न करें।प्रत्येक संघ को पुलिस के साथ समन्वय के लिए एक प्रतिनिधि और अपने सदस्यों के फोन नंबर पुलिस को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, और स्वयंसेवकों के लिए पहचान पत्र पहनना अनिवार्य किया गया।

हथियारों पर पाबंदी और पुलिस हेल्पलाइन नंबर

यह स्पष्ट किया गया कि गौ रक्षकों को जांच के नाम पर कोई हथियार या धारदार वस्तुएं अपने पास नहीं रखनी चाहिए, और यदि वे पुलिस की हिरासत में वाहनों का पीछा करते हैं या सड़क पर बाधा उत्पन्न करते हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि न केवल त्योहारों के दौरान बल्कि पूरे साल बिना पशु चिकित्सा प्रमाणन के गैरकानूनी तस्करी पर नजर रखी जाएगी, और जानकारी के लिए 24 घंटे पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 8712661000 पर संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने सभी नागरिकों से समन्वय और पुलिस के सहयोग की अपील की। गौ रक्षक संघों के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक रूप से प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने सभी से जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह किया।इस बैठक में अतिरिक्त सीपी श्री तफसीर इकबाल, आईपीएस, श्री एम. श्रीनिवासुलु, आईपीएस, ज्वाइंट सीपी श्रीमती एन. श्वेता, आईपीएस, विभिन्न जोनों के डीसीपी, युग तुलसी फाउंडेशन के प्रतिनिधि कोलिसेट्टी शिवकुमार, गोरक्षक दल के प्रतिनिधि दीपक सिंह, अखिल भारतीय गोसेवा फाउंडेशन के प्रतिनिधि ए. बालकृष्ण, भारतीय प्राणी मित्र संघ के प्रतिनिधि जसराज श्रीश्रीमाल, बजरंग दल के प्रतिनिधि श्रीकांत, विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधि बी. नरसिंह मूर्ति और अन्य ने भाग लिया।

हाईकोर्ट के आदेशों के क्रियान्वयन की मांग को लेकर आमरण अनशन शुरू

रेवंत सरकार पर लापरवाही का आरोप, गोमाता की रक्षा हेतु आंदोलन तेज

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य में गोहत्या निषेध कानून एवं माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग को लेकर युग तुलसी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं टीटीडी बोर्ड के पूर्व सदस्य श्री कोलशेट्टी शिवकुमार ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 10:00 बजे खैरताबाद स्थित श्री त्रिशक्ति हनुमान देवस्थानम में गोमाता रक्षा आमरण अनशन का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

अनशन के माध्यम से श्री कोलशेट्टी शिवकुमार ने सरकार के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इनमें हाईकोर्ट के आदेश (पीआईएल नं. 5/2023) का अक्षरशः पालन करते हुए राज्य की सीमाओं पर सुदृढ़ चेक पोस्ट स्थापित करना तथा गायों के अवैध परिवहन पर रोक लगाना प्रमुख है।

इसके अलावा आगामी बकरीद पर्व के दौरान अवैध वध को पूरी तरह रोकने और अवैध बूचड़खानों को तत्काल बंद करने की मांग भी की गई है।

उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि गायों की रक्षा करने वाले गौरक्षकों पर दर्ज कथित झूठे एवं अवैध मामलों को बिना शर्त वापस लिया जाए। साथ ही, हाईकोर्ट के आदेशों के पालन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर श्री कोलशेट्टी शिवकुमार ने आरोप लगाया कि अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद सरकार वोट बैंक की राजनीति के चलते अप्रत्यक्ष रूप से गोहत्या को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका आमरण अनशन जारी रहेगा।

उन्होंने हमारा मौन – गोमाता की मृत्यु का नारा देते हुए समाज के सभी वर्गों से इस आंदोलन में जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विजयराम, कुप्पा श्रीनिवास प्रसाद, चंद्र स्वामी, पुरुषोत्तम गुप्ता, संगमेश्वर चारी, एम. पवन कल्याण, बंडारू श्रवण रेड्डी, शंकर यादव, कुंकू बालाजी, गणेश वर्मा, सुरेश, महबूब, जोशी, बालाजी, विनोद सहित अनेक गौरक्षक एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और उन्होंने अपना समर्थन व्यक्त किया।

सांसद मल्लू रवि ने वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में वृद्धि की कड़ी आलोचना की

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के नागरकुरनूल से सांसद मल्लू रवि ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी की कड़ी आलोचना की है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में अपनी ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए श्री रवि ने केंद्र सरकार के इस कदम पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस वृद्धि को घरेलू सिलेंडर दरों में होने वाली बढ़ोतरी से भी अधिक चिंताजनक करार दिया है।

कांग्रेस सांसद का तर्क है कि वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि का बोझ केवल इसे खरीदने वालों तक सीमित नहीं रहता है बल्कि इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब वाणिज्यिक गैस महंगी होती है, तो वस्तुओं और सेवाओं की लागत बढ़ जाती है, जिससे अंततः ग्राहकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। उनके अनुसार, यह वृद्धि सीधे तौर पर महंगाई को बढ़ावा देने वाली है।

श्री रवि ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि वाणिज्यिक सिलेंडर की दरों में बढ़ोतरी का व्यापक असर होटल, रेस्तरां और छोटे विक्रेताओं जैसे व्यवसायों पर पड़ता है।

इससे आम जनता पर अप्रत्यक्ष वित्तीय बोझ बढ़ता है, जो इसे घरेलू सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि की तुलना में अधिक खतरनाक बनाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि छोटे व्यवसायों के लिए अब संचालन की लागत को संभालना मुश्किल होता जा रहा है।

पिछले आश्वासनों का हवाला देते हुए सांसद ने कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के एक संयुक्त सचिव ने संकेत दिया था कि कीमतें नहीं बढ़ाई जाएंगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार अपने वादे से मुकर गई है और जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात किया है। सरकार की कथनी और करनी में यह अंतर सार्वजनिक हितों के खिलाफ है।

श्री रवि ने जनहित को सर्वोपरि बताते हुए केंद्र सरकार से मांग की है कि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लिया जाए। उन्होंने आगाह किया कि यदि कीमतों में निरंतर वृद्धि जारी रही, तो यह व्यवसायों और उपभोक्ताओं दोनों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालेगी, जिससे अर्थव्यवस्था के निचले स्तर पर संकट गहरा सकता है।

कामारेड्डी में आग लगने से 12 दुकानें खाक

कामारेड्डी, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के कामारेड्डी में पुराने बस अड्डे के पास भीषण आग लगने से कम से कम 12 दुकानें जलकर खाक हो गईं। इस अग्निकांड के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस एवं दमकल विभाग को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुँचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है।

फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के हैदराबाद दौरे से पहले मंत्री ने भारी भीड़ जुटाने की अपील की

करीमनगर, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बी. संजय कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से इस महीने की 10 तारीख को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के लिए भारी संख्या में लोगों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की अपील की।

उन्होंने पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए पूरे राज्य के कार्यकर्ताओं से स्वेच्छा से एकजुट होने, विशेषकर करीमनगर जिले से भारी संख्या में लोगों को लाने पर विशेष ध्यान देने का आग्रह करते हुए रैली को सफल बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने नेताओं को पारंपरिक और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार तेज करने और कार्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए परिवहन और भोजन की आवश्यक व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया।

श्री संजय ने इससे पहले दिन में गायत्री नगर में भाजपा जिला कार्यालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और बाद में रैली की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए जिला और मंडल नेताओं के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में कई स्थानीय नेताओं और जन प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

केंद्रीय मंत्री ने ज्योतिनगर में 16 लाख रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन भी किया, जिसमें करीमनगर नगर निगम द्वारा केडीआर पार्क के पास एक सीसी सड़क और जल निकासी प्रणाली की नींव रखना भी शामिल है।

राज्यपाल ने कृत्रिम अंग शिविर का उद्घाटन किया; 815 प्रोस्थेटिक लिम्ब वितरित

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रविवार को प्रदर्शनी मैदान में एक बड़े पैमाने पर निःशुल्क कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का उद्घाटन किया, जहां 745 दिव्यांग लाभार्थियों को 815 प्रोस्थेटिक लिम्ब और कैलीपर वितरित किए गए।

यह शिविर नारायण सेवा संस्थान द्वारा सीएसआर भागीदारों के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें मेक अ चेंज फाउंडेशन (यूके) और श्री स्वामीनारायण मंदिर, विलेस्डन (यूके) शामिल हैं। कई लाभार्थियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित कई प्रोस्थेटिक प्राप्त हुए। इस पहल को ''मानवता की जीत'' बताते हुए, राज्यपाल ने लाभार्थियों से बातचीत की और स्थल पर आयोजित एक परेड के दौरान उन्हें प्रोत्साहित किया। भावुक दृश्य देखने को मिले जब कई प्राप्तकर्ताओं ने वर्षों की असहायता के बाद अपने पहले स्वतंत्र कदम उठाए।

आयोजकों ने बताया कि पहले 1,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 745 का चयन किया गया। लाभार्थियों को उन्नत मॉड्यूलर प्रोस्थेटिक उपलब्ध कराए गए और उनके उपयोग और रखरखाव का प्रशिक्षण दिया गया।

आंध्र प्रदेश के मंत्री टी.जी. भारत ने इस पहल की प्रशंसा जीवन बदलने वाली बताई और कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में भी इसी तरह के शिविर आयोजित किए जाएंगे। तेलंगाना के एमएलसी बोग्गुर दयानंद भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

1985 में स्थापित नारायण सेवा संस्थान अब तक पूरे देश में हजारों लोगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और चिकित्सा सहायता प्रदान कर चुका है।

छह साल बाद ब्रेन ट्यूमर सर्वाइवर सरण्या ने केटीआर से मिलकर जताया आभार

हैदराबाद, 03 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की राजधानी में उस समय एक भावुक क्षण देखने को मिला जब बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने ब्रेन ट्यूमर सर्वाइवर सरण्या से मुलाकात की। सरण्या वही लड़की है, जिसकी जान छह साल पहले एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी के दौरान केटीआर की मदद से बची थी। वर्ष 2019 में सरण्या को ब्रेन ट्यूमर होने का पता चला था। इसके इलाज में लगभग 20 लाख रुपये का खर्च बताया गया था। सरण्या का परिवार यह खर्च उठाने में असमर्थ था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गयी अपील के बाद केटीआर ने तुरंत हस्तक्षेप किया और यह सुनिश्चित किया कि उसे अस्पताल में दाखिला मिले। उन्होंने उसकी सर्जरी और रेडिएशन थेरेपी सहित पूरा इलाज मुफ्त में करवाया।

अब पूरी तरह स्वस्थ हो चुकी सरण्या ने हाल ही में कक्षा 10 की परीक्षा 384 अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इसी खुशी में उसने केटीआर के आवास पर जाकर उनका शुक्रिया अदा किया। सरण्या के माता-पिता ने न केवल उसकी जान बचाने, बल्कि उसकी शिक्षा में भी सहयोग देने के लिए केटीआर का आभार व्यक्त किया। वहीं केटीआर ने उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.